खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 18 नवंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-315

शेख हसीना ने आईटीसी के फैसले पर उठाए सवाल, बोलीं-

यूनुस सरकार अवामी लीग को करना चाहती है निष्प्रभावी

ढाका, 17 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इंटरनेशनल क्राइम ट्रिब्यूनल (आईटीसी) के फैसले पर पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। शेख हसीना ने सोमवार को कहा कि उनके खिलाफ सुनाया गया फैसला एक मधांधली ट्रिब्यूनलफ से आया है, जिसका गठन और अध्यक्षता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अनिर्वाचित अंतरिम सरकार ने किया। इसके पास लोकतांत्रिक जनादेश का अभाव है। बांग्लादेश की पूर्व पीएम ने कोर्ट के फैसले को मपक्षपातीफ और मराजनीति से प्रेरितफ बताया। आईसीटी ने पूर्व प्रधानमंत्री को पिछले साल जुलाई में प्रदर्शनकारियों की हत्या का आदेश देने और उनकी सुरक्षा न करने का दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई। पूर्व पीएम शेख हसीना ने बांग्लादेश आईटीसी के फैसले की आलोचना करते हुए कहा, मृत्युदंड की अपनी घृणित मांग अंतरिम सरकार के भीतर चरमपंथी लोगों के गलत और खतरनाक इरादे को दर्शाती है। अंतरिम सरकार बांग्लादेश के अंतिम निर्वाचित प्रधानमंत्री को हटाना और अवामी लीग को एक राजनीतिक ताकत के रूप में निष्प्रभावी करना चाहती है।शेख हसीना ने कहा कि डॉ. मोहम्मद यूनुस के अराजक और हिंसक शासन के अधीन काम कर रहे लाखों बांग्लादेशी अपने लोकतांत्रिक अधिकारों से वंचित करने के इस प्रयास से मूर्ख नहीं बनेंगे।

उन्होंने अंतरिम सरकार की आलोचना करते हुए कहा, वे देख सकते हैं कि तथाकथित अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) द्वारा चलाए गए मुकदमों का उद्देश्य कभी न्याय प्राप्त करना या पिछले साल जुलाई-अगस्त की घटनाओं की कोई वास्तविक जानकारी प्रदान करना नहीं था। उनका उद्देश्य अवामी लीग को बलि का बकरा बनाना और डॉ. यूनुस और उनके मंत्रियों की विफलताओं से दुनिया का ध्यान भटकाना था।शेख हसीना ने कहा कि यूनुस के शासन में सार्वजनिक सेवाएं चरमरा गई हैं। देश की अपराध-ग्रस्त सड़कों से पुलिस पीछे हट गई है और न्यायिक निष्पक्षता को नुकसान पहुंचाया गया है। अवामी लीग के समर्थकों पर बेखौफ हमले हो रहे हैं। हिंदुओं और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं और महिलाओं के अधिकारों का दमन किया जा रहा है।

शेख हसीना को मौत की सजा मिलने के बाद बांग्लादेश में तनाव

ढाका, 17 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम ट्रिब्यूनल बांग्लादेश (आईसीटीबीडी) ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई है। इस फैसले को लेकर बांग्लादेश में स्थिति तनावपूर्ण है, जिसको देखते हुए बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने देशवासियों से संयम बरतने की अपील की है। वहीं, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने देश के नाम एक संदेश में कहा कि मानवता के विरुद्ध अपराधों के आरोप में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल को सुनाई गई मृत्युदंड की सजा एक ऐतिहासिक फैसला है। इस फैसले के महत्व को समझते हुए अंतरिम सरकार सभी नागरिकों से शांत, संयमित और जिम्मेदार बने रहने का आग्रह करती है। सरकार ने कहा कि इस फैसले के बाद सभी से विशेष रूप से अनुरोध किया जा रहा है कि वे किसी भी प्रकार के अभद्र व्यवहार, उकसावे, हिंसा या गैरकानूनी गतिविधियों से बचें।कहा गया कि जुलाई विद्रोह के शहीदों के परिवारों द्वारा लंबे समय से प्रतीक्षित इस फैसले से स्वाभाविक रूप से लोगों में तीव्र भावनाएं पैदा हो सकती हैं। हालांकि, सरकार दृढ़ता से चेतावनी देती है कि किसी को भी ऐसी भावनाओं में बहकर सार्वजनिक व्यवस्था को बाधित करने वाले तरीके से कार्य नहीं करना चाहिए। सरकार यह भी स्पष्ट करती है कि अराजकता, अव्यवस्था, या सार्वजनिक व्यवस्था भंग करने के किसी भी प्रयास को सख्ती से दबा दिया जाएगा।इससे पहले बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल (आईसीटी) ने सोमवार को अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि अपदस्थ पूर्व पीएम शेख हसीना कठोरतम सजा की पात्र हैं, ▶10पर

सऊदी अरब बस हादसा : 45 भारतीय उमराह यात्रियों की दर्दनाक मौत

तेलंगाना सरकार ने किया मुआवजे का ऐलान

मदीना/हैदराबाद, 17 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो) । सऊदी अरब के पवित्र शहर मदीना के पास सोमवार तड़के हुए एक भीषण सड़क हादसे में हैदराबाद के कम से कम 45 उमराह तीर्थयात्रियों की दुखद मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मदीना से लगभग 160 किलोमीटर दूर मुफरीहाट के पास तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस एक डीजल टैंकर से टकराने के बाद जलकर राख हो गई।

हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने शुरुआती जानकारी का हवाला देते हुए 45 तीर्थयात्रियों की मौत की पुष्टि की। मृतकों में 17 पुरुष, 18 महिलाएं और 10 बच्चे शामिल हैं। हादसे में जान गंवाने वाले अधिकांश लोग हैदराबाद के आसिफ नगर, झिरा, मेहदीपटनम और टोलीचौकी इलाकों के निवासी थे।

एक ही परिवार के 18 सदस्यों की मौत

यह दुर्घटना हैदराबाद के एक परिवार के लिए विशेष रूप से त्रासदीपूर्ण रही। सैयद राशिद ने 9 नवंबर को हैदराबाद हवाई अड्डे पर उमराह यात्रा के लिए अपने परिवार को विदा किया था। उनके परिवार के अठारह सदस्य उसी दुर्भाग्यपूर्ण बस में यात्रा कर रहे थे।

मृतकों में 65 वर्षीय सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी शेख नजीरुद्दीन और उनकी 60 वर्षीय पत्नी अख्तर बेगम शामिल हैं। उनके एक बेटे, सलाउद्दीन (एक आईटी पेशेवर), उनकी पत्नी फरहाना सुल्ताना और उनके बच्चे - तस्मिया तहरीन, शेख ज़ैन उद्दीन और रिदा ताज़ीन भी इस हादसे का शिकार हुए।

उनकी दूसरी बहू सना और उनके बच्चे - उमैज़ा, मेहरिश और उज़ैरुद्दीन की भी मृत्यु हो गई। (सना के पिता सिराजुद्दीन अमेरिका में रहते हैं और परिवार के साथ नहीं आए थे)। नजीरुद्दीन की तीन बेटियां और उनकी पोतियां - रिजवाना बेगम और उनकी बेटी मैयम फातिमा; अमीना बेगम और उनकी बेटी अनीस फातिमा; और शबान बेगम की भी इस दुर्घटना में मौत हो गई। परिवार के दूर के रिश्तेदार सारा बेगम और सलीम भी मृतकों में शामिल हैं।

सूत्रों के अनुसार, आसिफनगर के 24 वर्षीय निवासी अब्दुल शोएब मोहम्मद इस हादसे में एकमात्र जीवित बचे व्यक्ति हैं, जो मदीना के एक जर्मन अस्पताल में गंभीर देखभाल (क्रिटिकल केयर) में हैं।

तेलंगाना सरकार ने की अनुग्रह राशि की घोषणा

तेलंगाना सरकार ने इस भयानक दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। राज्य मंत्रिमंडल ने सोमवार को सचिवालय में हुई बैठक में निर्णय लिया कि सऊदी अरब में मारे गए हैदराबाद के उमराह तीर्थयात्रियों के शोक संतप्त परिवारों को 5-5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी।

राज्य के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन के नेतृत्व में एक उच्च-स्तरीय टीम मध्य पूर्वी देश का दौरा करेगी। इस टीम में एआईएमआईएम के विधायक, मुस्लिम समुदाय के एक वरिष्ठ पदाधिकारी और प्रत्येक पीड़ित परिवार के दो सदस्य भी शामिल होंगे। सूत्रों ने बताया कि मृतक के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार सऊदी अरब में ही किया जाएगा।

पीड़ित परिवारों की सहायता के लिए नियंत्रण कक्ष स्थापित

हैदराबाद पुलिस ने पीड़ित परिवारों की सहायता के लिए एक विशेष नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। सहायता चाहने वाले परिवार निम्नलिखित नंबर पर हैदराबाद सिटी पुलिस नियंत्रण कक्ष से संपर्क कर सकते हैं: 040-27852333 हैं । इंस्पेक्टर शेख जाकिर हुसैन को नई दिल्ली स्थित सऊदी अरब वाणिज्य दूतावास के साथ समन्वय स्थापित करने हेतु नियुक्त किया गया है। अधिकारी से 8712660381 पर संपर्क किया जा सकता है। पुलिस विज्ञप्ति के अनुसार, यह नियंत्रण कक्ष यात्रा करने वाले रिश्तेदारों को पासपोर्ट और वीजा सहायता भी प्रदान करेगा।इसके अतिरिक्त, तेलंगाना भवन, नई दिल्ली में भी एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, ▶10पर

दिल्ली धमाका- एनआईए को मिली बड़ी सफलता आतंकवादी का एक और प्रमुख सहयोगी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली के लाल किला क्षेत्र में 10 नवंबर को हुए बम धमाके मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को बड़ी सफलता हाथ लगी है। एनआईए ने धमाके में शामिल आतंकवादी के एक और प्रमुख सहयोगी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान कश्मीर निवासी जसीर बिलाल वानी उर्फ दानिश के रूप में हुई है। एनआईए की एक टीम ने आरोपी को जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर से गिरफ्तार किया है। एनआईए की जांच से पता चला है कि जसीर ने आतंकी हमले को अंजाम देने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान की थी। इस कार बम विस्फोट में 10 लोग मारे गए थे और 32 लोग घायल हुए थे। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के काजीगुंड का निवासी आरोपी जसीर बिलाल इस हमले का सक्रिय सह-षड्यंत्रकारी था और उसने आतंकवादी उमर उन नबी के साथ मिलकर इस आतंकी नरसंहार की योजना बनाई थी। एनआईए बम विस्फोट के पीछे की साजिश का पता लगाने के लिए विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही है। आतंकवाद-रोधी एजेंसी की कई टीमें विभिन्न सुरागों का पता लगा रही हैं और आतंकी हमले में शामिल प्रत्येक व्यक्ति की पहचान के लिए विभिन्न राज्यों में छापेमारी कर रही हैं। एक दिन पहले इस मामले में एनआईए ने रविवार को कश्मीर के रहने वाले आमिर राशिद अली नाम के एक शख्स को गिरफ्तार किया था। आमिर राशिद अली ने आत्मघाती हमलावर के साथ मिलकर इस आतंकी हमले की साजिश रची थी। केंद्रीय जांच एजेंसी ने आमिर राशिद अली को राजधानी दिल्ली से गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस से मामला अपने हाथ में लेने के बाद एनआईए ने व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया था। एनआईए की जांच से पता चला था कि जम्मू-कश्मीर के पंपोर स्थित संबूरा निवासी आरोपी ने आत्मघाती हमलावर उमर उन नबी के साथ मिलकर आतंकी हमला करने की साजिश रची थी। आमिर उस कार को खरीदने में मदद करने के लिए दिल्ली आया था, जिसका इस्तेमाल विस्फोट करने के लिए वाहन-आधारित इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) के रूप में किया गया था।

राजद की समीक्षा बैठक में तेजस्वी यादव को चुना गया विधायक दल का नेता, हार पर हुई चर्चा

पटना, 17 नवंबर (एजेंसियां)।

बिहार चुनाव में मिली करारी हार के बाद महागठबंधन में शामिल मुख्य घटक दल राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की सोमवार को समीक्षा बैठक हुई। इस बैठक में चुनाव में मिली हार की समीक्षा की गई और यह माना गया कि पार्टी लोगों तक अपनी बातों को सही ढंग से पहुंचाने में असफल रही। बैठक के बाद राजद नेता संजीव कुमार ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा कि इस मीटिंग में तेजस्वी यादव को विधानमंडल दल का नेता चुना गया और सभी विधायकों ने इसका समर्थन किया। संजीव कुमार ने कहा कि यह परिणाम नहीं होना था। बिना किसी गड़बड़ी के ऐसा परिणाम नहीं आ सकता है। उन्होंने कहा कि कोर्ट जाने को लेकर भी योजना बनाई जा रही है। बैठक में फिर से संगठन के लिए जुटने का और संगठन को फिर से मजबूत करने का दिशा-निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि यह चौंकाने वाला परिणाम है। इधर, राजद के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने कहा कि चुनाव परिणाम में गड़बड़ी हुई है। बैठक में इसे लेकर समीक्षा की गई। लोकतंत्र व्यापार नहीं हो सकता है। किसी को ऐसा अंदाजा नहीं था कि पार्टी की ऐसी हालत होगी। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव को फिर से विधायक दल का नेता चुना गया। इस बैठक में राजद के नेता तेजस्वी यादव भी मौजूद रहे।

इस बैठक में विजयी और हारे उम्मीदवार उपस्थित रहे। बैठक में राजद के अध्यक्ष लालू प्रसाद, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और मीसा भारती सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे। बता दें कि बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन को करारी हार का सामना करना पड़ा। राजद को 25 सीटों पर संतोष करना पड़ा, तो वहीं सहयोगी दल कांग्रेस को छह सीटें मिली हैं। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले) लिबरेशन को दो सीटें मिलीं। इंडियन इन्क्लुसिव पार्टी और माकपा को एक-एक सीट मिली है।

भारत केवल एक उभरता बाजार नहीं, एक उभरता हुआ मॉडल भी है : मोदी

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को रामनाथ गोयनका व्याख्यान में भाग लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि आज हम सब एक ऐसी विभूति के सम्मान में यहां आए हैं, जिन्होंने भारतीय लोकतंत्र में पत्रकारिता, अभिव्यक्ति और जन आंदोलन की शक्ति को नई ऊंचाई दी है। पीएम मोदी ने कहा कि रामनाथ गोयनका को अक्सर एक अधीर व्यक्ति के रूप में वर्णित किया जाता था, नकारात्मक अर्थ में नहीं, बल्कि सकारात्मक अर्थ में। उनकी अधीरता परिवर्तन की प्रेरणा देती थी। ठहरे हुए पानी में भी गति लाती थी। इसी तरह आज का भारत भी इसी रचनात्मक अधीरता का प्रतीक है। भारत प्रगति के लिए आतुर, विकास के लिए बेचैन और आत्मनिर्भर बनने के लिए दृढ़ है। उन्होंने कहा कि 2022 में यूरोपीय संकट ने वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं और ऊर्जा बाजारों को बुरी तरह प्रभावित किया, जिससे दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाएं प्रभावित हुईं। इन चुनौतियों के बावजूद हमारी अर्थव्यवस्था ने मजबूत गति दिखाई और 2022-23 में मजबूत विकास दर हासिल की।

2023 में पश्चिम एशिया में स्थिति बिगड़ने के बावजूद हमारी विकास दर मजबूत बनी रही। इस वर्ष जारी वैश्विक अस्थिरता के बीच भारत लगभग 7% की विकास दर बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया अनिश्चितता और व्यवधान की आशंकाओं से जूझ रही है। भारत एक जीवंत और आशाजनक भविष्य की ओर अग्रसर है। भारत न केवल एक उभरता हुआ बाजार है, बल्कि एक उभरता हुआ मॉडल भी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि रामनाथ गोयनका ने हमेशा सत्य का साथ दिया और हमेशा कर्तव्य को सर्वोपरि रखा। उनके बारे में कहा जाता था कि वे बहुत अधीर थे, और अधीरता नेगेटिव सेंस में नहीं, बल्कि पॉजिटिव सेंस में थी। वो अधीरता, जो परिवर्तन के लिए परिश्रम की पराकाष्ठा कराती है। ▶10पर

सेना प्रमुख की पाकिस्तान को चेतावनी, सेना को पता बैरंग चिट्ठी का जवाब किसे देना है

नयी दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर में सेना ने केवल ट्रेलर दिखाया था और अगर पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देना जारी रखता है तो सेना ने उसे यह सिखाने के लिए पूरी तैयारी कर रखी है कि जिम्मेदार देश को अपने पड़ोसियों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए तथा सेना को यह भी पता है कि बैरंग चिट्ठी का जवाब किसे देना है। जनरल द्विवेदी ने सोमवार को यहां चाणक्य रक्षा संवाद के उद्घाटन कार्यक्रम में सवालों के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर को केवल ट्रेलर करार देते हुए कहा कि यदि दोबारा कोई दुस्साहस किया जाता है तो सेना इस बार पाकिस्तान को यह सबक सिखाने के लिए तैयार है कि पड़ोसी के साथ किस तरह का व्यवहार किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, मैं कहना चाहूँगा कि फिल्म शुरू भी नहीं हुई। सिर्फ़ ट्रेलर दिखाया गया। और ट्रेलर के बाद ट्रेलर 88 घंटों में खत्म हो गया। तो, भविष्य कैसा होगा? हम इसके लिए पूरी तरह तैयार हैं। और अगर कोई हमें पाकिस्तान में ऐसा मौका देता है, तो हम उसे पूरी शिक्षा देना चाहेंगे कि एक ज़िम्मेदार देश को अपने पड़ोसियों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए।

सेना प्रमुख ने कहा कि आतंकवादी या उनके आका हमारे लिए एक समान हैं। उन्होंने कहा कि सेना अब बैरंग चिट्ठी का जवाब देने के लिए भी तैयार है। उन्होंने कहा , जो कोई भी आतंकवाद को बढ़ावा देता है, हमें

उसका जवाब देना चाहिए। अगर हमें कोई बैरंग

चिट्ठी भी मिलती है, तो भी हम जानते हैं कि किसे जवाब देना है। हमें इसकी कोई चिंता नहीं है।

सेना प्रमुख ने कहा कि भारत प्रगति की बात करता है और यदि कोई उस रास्ते में रोड़ा अटकाता है तो यह भारत के लिए चिंता का विषय बन जाता है। भारत स्पष्ट कर चुका है कि पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते और बातचीत तथा आतंकवाद भी साथ नहीं चल सकते। उन्होंने भारत के मन्यू नार्मलफ के दृष्टिकोण को पाकिस्तान के लिए बड़ी चेतावनी बताया।

उन्होंने कहा , मुझे लगता है कि यह एक बड़ी चेतावनी होगी। क्योंकि जब सरकार प्रायोजित आतंकवाद को बढ़ावा दिया जाता है, तो यह भारत के लिए चिंता का विषय बन जाता है। क्योंकि हम प्रगति की बात कर रहे हैं। हम साथ मिलकर आगे बढ़ने की बात कर रहे हैं। इसलिए, हमारे रास्ते में जो भी बाधाएं हैं, हमें उनके बारे में कुछ करना होगा। जहां तक नए सामान्य की बात है, हमने कहा है कि पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते। बातचीत और आतंकवाद एक साथ नहीं हो सकते।

परमाणु ब्लैकमेल के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि यदि आप हमें किसी भी चीज़ के लिए ब्लैकमेल करना चाहते हैं तो भारत इतना संपन्न है कि उसे अब ब्लैकमेल का डर नहीं है। . ऑपरेशन सिंदूर से सीखे गए सबक के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, जब भी कोई ऑपरेशन होता है, हमें उससे कुछ न कुछ सीखना ही होता है। तो, हमने इस ऑपरेशन से भी कुछ सीखा। सबसे पहले, हमने सीखा कि निर्णय लेने का समय बहुत कम है। और आपको हर स्तर पर फैसले लेने होते हैं। यहां कोई निर्णय लेकर उसे नीचे पहुँचाना संभव नहीं है। इसलिए, हर स्तर पर लोगों को समय पर तैयार रहना होगा और कार्रवाई करनी होगी। ▶10पर

शेयर मार्केट

बीएसई : 84,950.95
+388.17 (0.46%) ↑

एनएसई :26,013.45
103.40 (0.40%) ↑

बाल दिवस पर 'बॉलिंग ग्लिट्ज मॉम-किड्स चैम्पियनशिप का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बाल दिवस के उपलक्ष्य में जीतो महिला विंग बेंगलूरु नॉर्थ द्वारा बॉलिंग ग्लिट्ज मॉम-किड्स चैम्पियनशिप का आकर्षक एवं उत्साहपूर्ण आयोजन अमीबा, चर्च स्ट्रीट में किया गया। इस अनोखे कार्यक्रम में 125 से अधिक माताओं और बच्चों ने उत्साह-पूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार महामंत्र के पावन उच्चारण से हुई। स्वागत उद्बोधन में जेएलडब्लू अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने ऐसे आयोजनों के माध्यम से मां-बच्चे के रिश्ते को और प्रगाढ़ बनाने पर जोर दिया। एपेक्स हा-उसहोल्ड बिजनेस मॉडल की संयोजक बिंदु रायसोनी ने भी प्रेरणादायी विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि ऐसे मनोरंजक कार्यक्रम बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ ही माताओं को भी उनके साथ गुणवतापूर्ण समय बिताने का अवसर देते हैं। प्रतियोगिता में कुल 14 टीमों ने भाग लिया। जब प्रथम 7 टीमें खेल रहीं थीं, तब शेष टीमें आपसी सहभागिता बढ़ाने हेतु रचनात्मक रील निर्माण एवं अन्य गतिविधियों में शामिल रहीं। जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, स्ट्राइक पर गूंजती तालियां, हाई-फाइ और जोश से भरपूर माहौल ने पूरे आयोजन को जीवंत बनाए रखा। ब्लैक ब्यूटी टीम प्रतियोगिता की विजेता रही, जबकि व्हाइट नाइटर्स और पिंक पैंथर्स को रनर-अप के रूप में सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त सर्वाधिक स्कोर करने वाले बच्चों एवं माताओं, न्यूनतम स्कोर प्राप्त करने वाले प्रतिभागी तथा सर्वश्रेष्ठ रील बनाने वाली टीम को विशेष पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम के सफल आयोजन में कोर कमेटी से तनुजा मेहता, सुमन रांका, एवं समिति सदस्य साधना धोका, अल्का लोढ़ा, सारिका जैन, नेहा भंडारी, प्रेम रांका, मोना आंचलिया, प्रेमा रांका, लेखा गांधी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। साथ ही रिंकू बाफना, हेमरेखा जैन, रिची कोठारी एवं मुक्ति जैन ने भी सक्रिय सहयोग दिया। कार्यक्रम की संयोजक स्वीटी नाहर एवं सह-संयोजक समता बोहरा रहीं। कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक नीव मैट्रेसेज एवं फैन्स का विशेष आभार व्यक्त किया गया।

कार्यक्रम का प्रभावी संचालन महामंत्री रक्षा छाजेड़ द्वारा किया गया, जिन्होंने प्रतिभागियों को खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में जुटने के लिए प्रेरित किया। उत्साह, ऊर्जा और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुए इस आयोजन ने माताओं और बच्चों के बीच खेल के माध्यम से संबंधों को और मजबूत किया तथा प्रतिभागियों के हृदय में अविस्मरणीय स्मृतियां छोड़ दीं।

साध्वीवर्याओं का मंगल विहार हुब्बल्ली की ओर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में सफलतम चातुर्मास सम्पन्न करके पूज्य साध्वी हर्षपूर्णा श्री जी का रविवार प्रातः हुब्बल्ली की ओर मंगल विहार प्रारंभ हुआ। पूज्य गुरुवर मलयप्रभ सागर जी, मुकुलप्रभ सागर जी भी गुरुवर्या श्री जी को मांगलिक प्रदान कर काफी दूर तक विहार में साथ चले। ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने अपने संदेश में गुरुवर्या श्री जी के निर्विघ्न विहार की मंगलकामनाएं प्रेषित की। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा के साथ सकल संघ के अनेक सदस्यों ने प्रातः की भोरवेला में गुलाबी ठंड के बीच पदविहार करते हुए गुरुवर्या श्री जी को अक्कीपेट मन्दिर जी तक पहुंचाया। प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने गुरुवर्या जी के मंगल विहार की कामना की। ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने कहा कि जिन्होंने हमें चार-चार महीना तक ज्ञान, ध्यान, स्वाध्याय, प्रवचन सुनाया ऐसे हमारे पूज्यनीय साध्वी वर्याओं को विदाई प्रदान करने हेतु विहार के समय सदस्यों ने नम आंखों से विदाई प्रदान की। आगे के विहार की व्यवस्था अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद् बेंगलूरु शाखा की वैयावच्च समिति संभाल रही है। गुरुवर्या जी के विहार में दादावाड़ी ट्रस्ट के पदाधिकारी सदस्यों के साथ दादावाड़ी से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

भूलों से सीख लेकर जीवन की दिशा तय करनी चाहिए: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। साध्वी भव्यगुणा ने कहा कि मनुष्य जीवन एक अमूल्य धरोहर है।

उन्होंने कहा कि मनुष्य को अपनी भूलों से सीख लेकर जीवन की दिशा तय करनी चाहिए, क्योंकि वही अनुभव आत्मोन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने कहा कि जब हम प्रभु के मार्ग से भटक जाते हैं, तब नरक का अनुभव करते हैं और जब प्रभु के मार्ग पर चलते हैं, तब समृद्धि और शांति प्राप्त होती है। हम सबने दुखों और गलतियों का अनुभव किया है, परंतु जो व्यक्ति उनसे सीखता है, वही महान बनता है। साध्वीवृंद ने अपने प्रवचन में यह भी कहा कि मनुष्य का सबसे बड़ा धोखेबाज उसका शरीर है। चाहे कितना भी ध्यान रखा जाए, शरीर एक दिन साथ छोड़ देता है। उन्होंने कहा, इस शरीर को अत्यधिक लाड़ प्यार न करें, क्योंकि यह नश्वर है। शरीर के पार जो आत्मा है, वही अमर है और उसी पर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि जब मनुष्य आत्मा की चेतना का अनुभव करता है, तभी उसे जीवन का वास्तविक अर्थ समझ में आता है। यह अनुभव आत्मिक आनंद और मुक्ति की ओर ले जाता है। साध्वी शीतल-गुणा ने अपने प्रवचन के समापन में उपस्थित श्रद्धालुओं से कहा कि हमें प्रभु के मार्ग पर चलकर स्वर्ग का अनुभव करना है, और जीवन को आत्मा केंद्रित बनाना ही सच्ची साधना है। श्राविकाओं द्वारा साध्वीवृंद का स्वागत अभिनन्दन किया गया।

वंशराज बोहरा अध्यक्ष, कुलदीप छाजेड़ महामंत्री नियुक्त

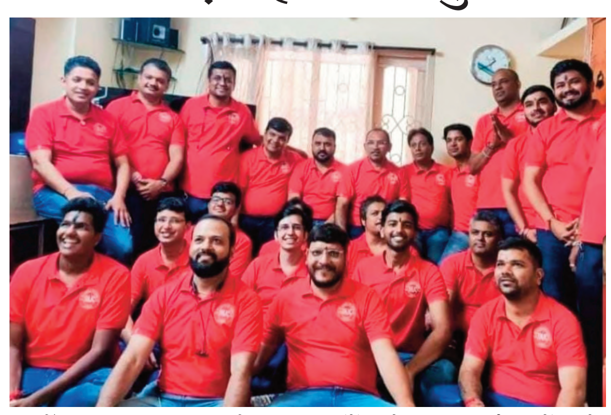

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री नाकोड़ा जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक की नवीन कार्यकारिणी का गठन बेंगलूरु में किया गया। कांफ्रेंस घर-घर भक्ति और चा-लीसा का आयोजन पिछले 9 साल से निशुल्क कर रहा है। 2025 से 2028 तक नई कार्यकारिणी का गठन हुआ है। कार्यकारिणी में दक्षिण भारत के समन्वयक सुशील बाफना, अध्यक्ष वंशराज बोहरा, उपाध्यक्ष मुकेश रांका, महेंद्र बागरेचा, मंत्री कुलदीप छाजेड़, सह मंत्री मितेश कटारिया और प्रसार प्रचार मंत्री रंजीत खारीवाल को नियुक्त किया गया। यह कार्य श्री नाकोड़ा जैन कांफ्रेंस के सभी कर्नाटक मेंबर के सहयोग से निशुल्क भक्ति एवं चालीसा विगत पिछले 9 वर्षों से निरंतर एवं अखंड आयोजन सफल हो रहा है और दादा के आशीर्वाद से आगे भी यह भक्ति और चालीसा घर-घर में चलती रहेगी।

श्री नाकोड़ा जैन कांफ्रेंस का एक ही लक्ष्य है हर घर चालीसा, हर घर भक्ति। बैठक में श्री नाकोड़ा जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक कांफ्रेंस के सभी कार्यकारिणी सदस्य और पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यकारिणी में 48 पुरुष सदस्य और आठ महिला सदस्यों को शामिल किया गया है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *श्री कुंथुनाथ जी जैन श्वे मूर्तिपूजक संघ, श्री जिनशासन जैन सेवा मंडल, श्री जिनशासन जैन महिला मंडल इरोड के सेवा भावी सदस्यों द्वारा वर्षीतप करने वाले 106 तपस्वियों का बहुमान किया गया। इस कार्यक्रम में युवक मंडल एवं महिला मंडल के साथ कई गणमान्य व्यक्ति एवं बेंगलूरु राजस्थान संघ के अध्यक्ष कैलाश संखलेचा उपस्थित थे।*

नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ युवक परिषद राज-ाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम के अंतर्गत नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का समायोजन नन्दिनी लेआउट स्थित सेंट्रल पार्क में ग्लूकोमीटर के माध्यम से ब्लड सूगर एवं रक्त चाप जांच की गई। कैम्प की शुरुआत सामूहिक नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुई। कुल मिलाकर 71 सदस्यों ने इस शिविर का लाभ लिया। तेयुप युवा साथियों द्वारा जांच हेतु पधारे सदस्यों को वार्तालाप करते हुए एटीडीसी द्वारा प्रदत्त विभिन्न सेवाओं, डॉक्टरों की उपलब्धता एवं अन्य जानकारी से अवगत करवाया गया। स्थानीय लोगों ने धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि एटीडीसी श्रीरामपुरम विशेष अवसरों पर शिविर आयोजन कर जनमानस को लाभान्वित कर रही है। कैम्प को सुव्यवस्थित आयोजन करने में एटीडीसी स्टाफ दीपाश्री एवं सहेली का अथक श्रम नियोजित रहा। इस अवसर पर तेयुप अध्यक्ष जितेश दक, योगेश मेहता एवं मुकेश नाहर ने अपनी सेवाए प्रदान की।

हैंड्स 4 सोसासटी ने बच्चों के साथ बाल दिवस मनाया

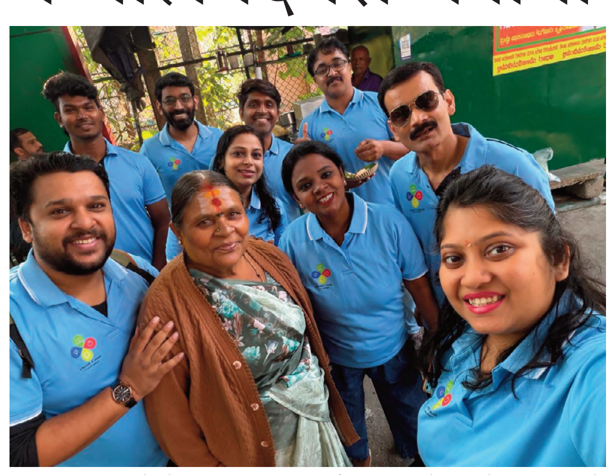

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु स्थित एक गैर-सरकारी संगठन, हैंड्स 4 सोसायटी ने बेंगलूरु के बाहरी इलाकों में वंचित बच्चों का समर्थन करके बाल दिवस मनाया। दो दिवसीय इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य डिजिटल खाई को पाटना और बुनियादी शिक्षा की जरूरतों को मजबूत करना था। शामनेवाड़ी स्थित सरकारी उच्च प्राथमिक कन्नड़ बालिका विद्यालय में एक लैपटॉप लैब स्थापित की गई, जिससे लड़कियों को तकनीक से सशक्त बनाया जा सके और उनके शैक्षिक अवसरों में वृद्धि हो सके। छात्राओं को नोटबुक भी वितरित की गईं। दूसरे दिन, टीम ने मगदी जिले के हुलिकट्टे गांव का दौरा किया, जहां बच्चों को 100 से ज्यादा बैग वितरित किए गए और अविस्मरणीय यादें बनाईं। इसके अलावा, खेल और मनोरंजक गतिविधियां भी आयोजित की गईं, भाग्यशाली बच्चों के लिए स्कूल बैग में सरप्राइज गिफ्ट, पर्यावरणविद् सालू मरदा थिमक्का पर प्रश्नोत्तरी और छात्राओं को बायो पेंसिलें दी गईं। इस कार्यक्रम में टीम के स्वप्निल, विवेक, मार्गरेट, हर्षा, अखिल, सुधीर, प्रीति, रमेश और राहुल ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इस आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। संस्थापक आयुष भीमसरिया ने बताया कि इस तरह की पहल के माध्यम से, हैंड्स 4 सोसायटी वंचित बच्चों के जीवन में ठोस बदलाव ला रही है और समुदाय के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर रही है।

श्री नारायणी दादी परिवार की प्रथम कार्यकारिणी बैठक संपन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री नारायणी दादी परिवार बेंगलूरु की प्रथम कार्यकारिणी समिति की बैठक का आयोजन हुआ। बैठक का शुभारंभ श्री गणेश जी महाराज एवं दादी जी की वंदना से हुआ। इस अवसर पर हाल ही में कर्नाटक मारवाड़ी सम्मेलन, बेंगलूरु जिला के अध्यक्ष नियुक्त हुए पंकज जालान का संगठन की ओर से सम्मान किया गया। संगठन के अध्यक्ष महेश अग्रवाल ने कार्यकारिणी समिति की घोषणा की। प्रदीप पंसारी, सचिन भरपिलानिया, संजय जाजोदिया एवं अनिल केडिया को उपाध्यक्ष, सिद्धार्थ नोपानी को सचिव तथा पंकज जालान को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके साथ संदीप चनानी को संगठन सचिव, आलोक सर्राफ को सह सचिव और राजेंद्र बजाज को सह-कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में संगठन द्वारा अब तक आयोजित कार्यक्रमों की जानकारी दी गई, जिनमें मासिक अन्नपूर्णा सेवा, त्रैमासिक मंगल पाठ और घर-घर मंगल शामिल हैं। आने वाले महीनों के कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी चर्चा हुई। मुख्य रूप से 11 जनवरी 2026 को दादीजी के प्रथम वार्षिकोत्सव दादी वंदन महोत्सव के लोगों का विमोचन किया गया एवं उसकी तैयारियों पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। इसमें कार्यक्रम के श्रृंगार, दादी अर्पण तथा आयोजन समिति गठन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर निर्णय लिए गए। साथ ही यह तय किया गया कि वार्षिकोत्सव का पोस्टर विमोचन 22 नवंबर को ट्रस्टी बैठक में किया जाएगा। बैठक का समापन सचिव द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव और दादीजी की आरती के साथ हुआ। संगठन ने यह संकल्प लिया कि आने वाले समय में सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से परिवार को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा।

नाकोडा तीर्थ अरसीकेरे में किए दर्शन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। संकट मोचन महा भैरवदेव का दर्शन करने कर्नाटक राज्य उच्च न्यायालय के विश्रांत न्यायामूर्ती (जज) एवं राज्य कानून आयोग के सदस्य अशोक निज-गणावर अपनी पत्नी एवं पुत्र के साथ दक्षिण नाकोडा तीर्थ अर-सीकेरे पहुंचे। दर्शन के पश्चात परिसर का पूर्ण दौरा कर हर्षोच्वित भाव से तीर्थ की सराहना करते हुए कहा की मन की शांति प्राप्त हुई। तीर्थ भूमि की स्पर्शता से आनंद कि अनुभूति के साथ सुकून मिला। दक्षिण नाकोडा तीर्थ के संस्थापक एवं अध्यक्ष अशोक कुमार सुराना ने आगुंतकों का स्वागत सम्मान कर उन्हे तीर्थ संबंधी इतिहास से अवगत कराया। सम्मान स्वीकारते हुए उन्होंने भविष्य में कानून संबंधित कोई भी विषय पर तीर्थ के साथ रहने की बात कही। इस अवहर पर ट्रस्टी रमेश कटारिया एवं स्थानीय चेतन बलगट भी उप-स्थित रहे।

यौन उत्पीड़न के प्रयास के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कडाबा पुलिस ने एक महिला के साथ यौन उत्पीड़न के प्रयास के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान कडाबा निवासी उमेश गौड़ा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, घटना 13 नवंबर की रात की है जब महिला अपने घर के बाहर एक शेड में सो रही थी। आरोपी कथित तौर पर उसके पास आया और उसका यौन उत्पीड़न करने का प्रयास किया। जब महिला मदद के लिए चिल्लाई, तो उसका पति और बच्चे घर से बाहर भागे और उमेश गौड़ा को मौके पर पाया। जब उन्होंने उसे पकड़ने की कोशिश की, तो आरोपी ने कथित तौर पर उन पर हमला किया और भाग गया। पुलिस ने आगे कहा कि आरोपी ने अनुसूचित जाति से ताल्लुक रखने वाली पीड़िता के खिलाफ जातिवादी टिप्पणी भी की। उसकी शिकायत के आधार पर, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई।

प्रधानमंत्री-मुख्यमंत्री की मुलाकात को राजनीतिक नजरिए से नहीं देखा जा सकता: सीटी रवि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव और विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि ने कहा कि राज्य सरकार को पहले बाढ़ राहत देनी चाहिए थी और फिर केंद्र से राहत की मांग करनी चाहिए थी। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री संवैधानिक पद हैं। उन्होंने कहा कि उनकी आपसी मुलाकातों और बातचीत को राजनीतिक नजरिए से नहीं देखा जा सकता। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रहे येदियुरप्पा ने राज्य के खजाने से बाढ़ राहत के रूप में पैसा देने और फिर केंद्र से मांगने की आदत बना ली है। अन्य मुख्यमंत्रियों ने भी ऐसा ही किया है।

केंद्र एनडीआरएफ नियमों के तहत सर्वेक्षण करने के बाद जो बनता है, वह देता है। इससे पहले, सभी मुख्यमंत्रियों और सरकारों ने राज्य के खजाने से पैसा जारी करने की प्रथा का पालन किया था। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को ऐसा करना चाहिए था। सैकड़ों गन्ने से लदे ट्रैक्टरों में आग लगा दी गई। आग किसने लगाई? इसके पीछे किसका हित है? बातचीत के दौरान किसान प्रतिनिधियों को विश्वास में नहीं लिया गया। अगर चीनी मिल मालिक भी आपके फैसले से सहमत नहीं हैं, तो आपके एकतरफा फैसले का क्या मतलब है? उन्होंने इस ओर ध्यान दिलाया कि सरकार की मोटी चमड़ी के कारण किसान अभी भी सड़कों पर हैं। जब जनता के मन में कोई महत्वपूर्ण मुद्दा चर्चा के लिए आता है, तो मुख्यमंत्री बदलाव का मुद्दा सामने लाते हैं। सीटी रवि ने विश्लेषण किया कि यह एक राजनीतिक रणनीति की तरह है। मुख्यमंत्री कौन बना? इसका भाजपा से कोई लेना-देना नहीं है। हम कांग्रेस जैसी गैर-कांग्रेसी सरकार को अस्थिर करने की राजनीति में विश्वास नहीं करते। कांग्रेस पार्टी 90 से ज्यादा बार गैर-कांग्रेसी सरकारों को बर्खास्त करने के लिए कुख्यात है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अब तक कुल 120-122 बार राष्ट्रपति शासन लगाया गया है, जिनमें से 90 से ज्यादा बार गैर-कांग्रेसी सरकारों को राजनीतिक कारणों से बर्खास्त करने के कुख्यात मामले रहे हैं। नेहरू ने 1958 में केरल में नंबूदरीपाद के नेतृत्व वाली पहली गैर-कांग्रेसी सरकार को बर्खास्त किया था। उन्होंने बताया कि राजनीतिक कारणों से गैर-कांग्रेसी सरकारों को बर्खास्त करने का सिलसिला वहीं से शुरू हुआ था। कर्नाटक में एस.आर. बोम्मई की सरकार बर्खास्त की गई थी। कांग्रेस का भी ऐसा ही एक कुख्यात मामला है। हालांकि, उन्होंने पूछा कि क्या मोदी ने ऐसा कोई कदम उठाया है? यह एक खराब सरकार है। विधायकों का बहुमत है। हमें इसे गिराने में कोई दिलचस्पी नहीं है। अगर यह उनकी वजह से गिरती है, तो यह उनका हश्र होगा।

छुट्टी की घोषणा करने वाला फर्जी कर्नाटक सरकार परिपत्र बनाने वाले व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सेंट्रल डिवीजन साइबर क्राइम पुलिस ने एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एक फर्जी अधिसूचना बनाने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है, जिसमें दावा किया गया था कि कर्नाटक सरकार ने पद्मश्री पुरस्कार विजेता और प्रसिद्ध पर्यावरणविद् सालूमरदा थिमक्का के निधन के बाद 15 नवंबर को स्कूलों, कॉलेजों और सरकारी कार्यालयों में छुट्टी घोषित कर दी है। इस अधिसूचना को एक वरिष्ठ अधिकारी के जाली हस्ताक्षर के आधार पर तैयार किया गया था। ई-गवर्नेंस की कार्यक्रम निदेशक (यूएलएमएस), एलीशा एंड्रयूज द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर, पुलिस ने आरोपी पर धारा 66(सी) (पहचान की चोरी) के तहत मामला दर्ज किया और उस व्हाट्सऐप ग्रुप के एडमिन को तलब किया, जिससे यह अधिसूचना जारी की गई थी। यह फर्जी अधिसूचना डिजिटल फोटोशॉप टूल्स का इस्तेमाल करके तैयार की गई थी और लोगों को गुमराह करने और गलत सूचना फैलाने के लिए व्हाट्सऐप ग्रुपों पर प्रसारित की गई थी। एंड्रयूज, जिनके विवरण का दुरुपयोग करके यह फर्जी अधिसूचना तैयार की गई थी, ने पुलिस से आरोपी का पता लगाने और कानूनी कार्रवाई करने का अनुरोध किया ताकि ऐसी शरारत दोबारा न हो। यह अधिसूचना कई व्हाट्सऐप ग्रुपों पर प्रसारित की गई, जिससे अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन के बीच भ्रम की स्थिति पैदा हो गई।

कैबिनेट फेरबदल और सत्ता बंटवारे पर फैसला हाईकमान करेगा: डी.के. सुरेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

संभावित मंत्रिमंडल फेरबदल पर चर्चा के बीच, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के भाई और बामुल अध्यक्ष डी.के. सुरेश ने रविवार को कहा कि मंत्रिमंडल फेरबदल या सत्ता के बंटवारे पर फैसला आलाकमान ही करेगा। सुरेश ने यहां पत्रकारों से कहा मुझे कोई जानकारी नहीं है। मंत्रिमंडल फेरबदल या नेतृत्व के मुद्दे पर आलाकमान के अलावा कोई और फैसला नहीं करेगा। हमें इंतजार करना चाहिए। अपने भाई को मुख्यमंत्री बनते देखने के अपने सपने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा मैंने इस बारे में कई बार बात की है। आलाकमान का फैसला अंतिम होता है। आलाकमान का फैसला मुख्यमंत्री, मंत्रियों, विधायकों और शिवकुमार के लिए महत्वपूर्ण है। हमें आलाकमान के फैसले का इंतजार करना चाहिए।

जब गृह मंत्री जी. परमेश्वर के इस बयान पर उनकी प्रतिक्रिया मांगी गई कि अगर फेरबदल होता है तो नेतृत्व परिवर्तन नहीं होगा, तो उन्होंने कहा मंत्रिमंडल में फेरबदल आलाकमान के निर्देश पर मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार है। अगर आलाकमान इस मुद्दे पर शिवकुमार से चर्चा करता है, तो वह पार्टी संगठन और उसे मजबूत करने के उपायों को ध्यान में रखते हुए अपने सुझाव देंगे। फिलहाल, एक मुख्यमंत्री हैं। जब पद खाली होगा, तब नेतृत्व पर चर्चा हो सकती है। यह पूछे जाने पर कि क्या सब कुछ शिवकुमार के दावे पर टिका है, उन्होंने कहा शिवकुमार अकेले दावेदार नहीं हैं। कई अन्य लोगों के भी दावे हैं। मुझे नहीं पता कि दूसरे क्या दावा कर रहे हैं। केपीसीसी अध्यक्ष के रूप में शिवकुमार के बने रहने के बारे में एक अन्य प्रश्न पर, सुरेश ने कहा कि हालांकि शिवकुमार इस पद पर बने रहने के इच्छुक नहीं हैं, लेकिन आलाकमान के कहने पर वे इस पद पर बने हुए हैं। जब तक उन्हें अवसर मिलेगा, वे इस पद पर बने रहेंगे।

सरकार बेंगलूरु टेक समिट 2025 में राज्य द्वारा विकसित एआई-रेडी पर्सनल कंप्यूटर केईओ का अनावरण करेगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आईटी-बीटी मंत्री प्रियांक खड़गे ने केईओ के लॉन्च की घोषणा की। यह एक कॉम्पैक्ट, किफायती, एआई-तैयार पर्सनल कंप्यूटर है जिसे पूरी तरह से कर्नाटक में ही डिजाइन और विकसित किया गया है ताकि डिजिटल पहुंच की कमी को पूरा किया जा सके। केईओ कर्नाटक की भावना का प्रतीक है - जिसे स्थानीय स्टार्टअप्स और कन्नड़ लोगों द्वारा डिजाइन, विकसित और असेंबल किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि केईओ, जिसका अर्थ है ज्ञान-संचालित, किफायती, ओपन-सोर्स, का उद्देश्य बुद्धिमान कंप्यूटिंग को जमीनी स्तर पर सुलभ बनाना और पूरे कर्नाटक में नागरिकों को सशक्त बनाना है। इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी और बीटी विभाग द्वारा केओनिक्स (कर्नाटक

राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड) के सहयोग से विकसित केईओ का औपचारिक अनावरण मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा मंगलवार से शुरू होने वाले बेंगलूरु टेक समिट (बीटीएस) 2025 के उद्घाटन समारोह में किया जाएगा। बीटीएस 2025 के पूर्व-कार्यक्रम उद्घाटन समारोह में बोलते हुए, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी/बीटी और ग्रामीण विकास मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा कर्नाटक अपना स्वयं का किफायती एआई पर्सनल कंप्यूटर लॉन्च कर रहा है। दुनिया में यह पहली बार है कि किसी राज्य ने इतना साहसिक और क्रांतिकारी कदम उठाया है। केईओ कर्नाटक की भावना का प्रतीक है - जिसे स्थानीय स्टार्टअप और कन्नड़ लोगों द्वारा डिजाइन, विकसित और असेंबल किया गया है। प्रियांक खड़गे ने कहा कि यह उपकरण यह सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया है कि 'प्रत्येक छात्र, इंजीनियर, रचनाकार, नवप्रवर्तक और परिवार को न केवल शीर्ष स्तर पर, बल्कि जमीनी स्तर पर भी शक्तिशाली, बुद्धिमान कंप्यूटिंग तक पहुंच प्राप्त हो। केईओ डिजिटल डिवाइड के लिए कर्नाटक का व्यावहारिक समाधान है। यह कोई लग्जरी डिवाइस नहीं, बल्कि एक समावेशी डिवाइस है। किफायती मास कंप्यूटिंग छात्रों, छोटे व्यवसायों और परिवारों को डिजिटल अर्थव्यवस्था में पूरी तरह से भाग लेने में सक्षम बनाएगी। एक बयान के अनुसार, केईओ एक ओपन-सोर्स आरआईएससी-वी प्रोसेसर पर चलता है जिसमें लिनक्स-आधारित ऑपरेटिंग सिस्टम है, जो किफायती मूल्य पर पूर्ण कंप्यूटिंग अनुभव प्रदान करता है। इसमें 4जी, वाई-फाई, यूएसबी-ए और यूएसबी-सी पोर्ट, एचडीएमआई और ऑडियो सपोर्ट है, और यह लर्निंग, प्रोग्रामिंग और उत्पादकता टूल के साथ पहले से लोडेड आता है। इस डिवाइस में एक ऑन-डिवाइस एआई कोर शामिल है, जो एआई एप्लिकेशन को इंटरनेट एक्सेस के बिना स्थानीय रूप से चलाने में सक्षम बनाता है। इसमें बीयूडीडीएच, एक एआई एजेंट, जो कर्नाटक डीएसईआरटी पाठ्यक्रम पर प्रशिक्षित है, पहले से लोडेड आता है, जिसे कम कनेक्टिविटी वाले क्षेत्रों में भी छात्रों की सहायता के लिए डिजाइन किया गया है। केईओ को पूरे शिखर सम्मेलन में प्रदर्शित किया जाएगा, जिससे छात्र, स्टार्ट-अप, उद्योग जगत के नेता और आगंतुक इस उपकरण का प्रत्यक्ष अनुभव कर सकेंगे और कर्नाटक में व्यापक रूप से किफायती एआई-रेडी कंप्यूटिंग को सक्षम बनाने में इसकी क्षमता को समझ सकेंगे।

धर्मस्थल मामला: कार्यकर्ता ने राज्यपाल को पत्र लिखकर एसआईटी अधिकारियों पर मारपीट और जबरदस्ती का आरोप लगाया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सौजन्या समर्थक कार्यकर्ता जयंत टी ने राज्यपाल और पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि धर्मस्थल मामले की चल रही जांच के दौरान विशेष जांच दल (एसआईटी) के अधिकारियों ने उनके साथ मारपीट की और उन पर झूठे बयान देने का दबाव डाला। अपनी शिकायत में, जयंत ने आरोप लगाया कि एसआईटी के अधिकारी जितेंद्र दयामा, साइमन, मंजूनाथ आर.जे., मंजूनाथ गौड़ा और गुणपाल ने उन्हें पूछताछ के लिए बुलाने के बाद धमकाया और बाद में शिकायतकर्ता चिन्नय्या को कमरे में बुलाकर जयंत पर बुरी तरह हमला करवाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उन्हीं अधिकारियों ने चिन्नय्या पर हमला किया और जयंत को धमकाने के लिए उनका इस्तेमाल किया, और दोनों से झूठे बयान लेने के लिए मजबूर करने की कोशिश की। जयंत ने आगे कहा कि उन्हें देर रात तक बिना

खाना-पानी दिए अवैध हिरासत में रखा गया और मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक यातनाएं दी गईं। उनकी पत्नी और बेटी को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया और कथित तौर पर उनकी इच्छा के विरुद्ध उनसे बयान लिए गए। पत्र के अनुसार, जब उन्होंने झूठा बयान देने से इनकार कर दिया, तो अधिकारियों ने उन्हें धमकाया कि वे उनके और उनके सहयोगियों के खिलाफ मामला दर्ज करके उन्हें जेल में डाल देंगे। जयंत ने दावा किया कि कथित हमले के कारण उन्हें चोटें आईं और बाद में उजीरे के एक निजी अस्पताल में उनका इलाज हुआ। उन्होंने कहा कि उनकी ओर से कोई बयान स्वेच्छा से दर्ज नहीं किया गया, बल्कि, अधिकारियों ने खुद ही बयान टाइप किए और उन्हें रोजाना एसआईटी कार्यालय बुलाया, जहां कथित तौर पर उन्हें और अधिक परेशान किया गया और झूठी गवाही देने के लिए दबाव डाला गया। जयंत ने कहा कि एसआईटी द्वारा और अधिक धमकाने के डर से उन्होंने अदालत से अस्थायी राहत मिलने के बाद शिकायत दर्ज कराई। जयंत ने लिखा असली दोषियों की पहचान करने के बजाय, एसआईटी ने शिकायतकर्ताओं को डरा-धमकाकर, उन पर हमला करके, झूठे बयान दिलवाकर और एक निर्दोष व्यक्ति को फंसाने की कोशिश करके जांच के दायरे का उल्लंघन किया है। धारा 35 के तहत गिरफ्तारी नोटिस जारी करना अपने आप में एक गंभीर अपराध है। मैं अपने जीवन और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए सुरक्षा की मांग करता हूं। अगर मुझे कुछ होता है, तो इस पत्र को मेरे मृत्यु पूर्व बयान के रूप में माना जाए।

मंत्री पाटिल ने धारवाड़ में निडेक ऑर्चर्ड हब में उत्पादन का शुभारंभ किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बड़े एवं मध्यम उद्योग एवं अवसंरचना विकास मंत्री एम. बी. पाटिल ने कर्नाटक के धारवाड़ में जापान स्थित निडेक कॉर्पोरेशन के ऑर्चर्ड हब में उत्पादन इकाई का उद्घाटन किया। मंत्री ने कहा निडैक ऑर्चर्ड हब एक नवाचार और प्रौद्योगिकी-आधारित औद्योगिक केंद्र है। यह नए औद्योगिक विचारों और अनुसंधान को एक साथ लाएगा। अंततः, यह बड़े औद्योगिक विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा। पाटिल ने कहा यह उत्तरी कर्नाटक में किसी जापानी कंपनी द्वारा किए गए सबसे बड़े निवेशों में से एक है।

इससे यहां रोजगार के अवसर पैदा होंगे और स्थानीय आबादी को भी अप्रत्यक्ष रूप से लाभ होगा। राज्य सरकार ने अपनी नई औद्योगिक नीति में, बेंगलूरु से बाहर के क्षेत्रों में उद्योगों को

इकाइयां स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु कई रचनात्मक उपाय किए हैं। निडेक धारवाड़ के बाहरी इलाके बेलूर औद्योगिक क्षेत्र में 600 करोड़ का निवेश कर रही है। पाटिल ने जापानी कंपनी के काम की गति की सराहना की। उन्होंने कहा मुझे याद है कि कुछ महीने पहले मैंने इस परियोजना का भूमिपूजन किया था। कर्नाटक सरकार ने कंपनी द्वारा मांगी गई सभी सुविधाएं प्रदान की थीं। इसके परिणामस्वरूप, कंपनी ने इस आधुनिक केंद्र की स्थापना के लिए रिकॉर्ड समय में इतनी बड़ी राशि का निवेश किया है, जो सराहनीय है। निडिक और कई अन्य जापानी कंपनियां पहले ही राज्य में अपना आधार स्थापित कर चुकी हैं। कर्नाटक में एक जापानी औद्योगिक टाउनशिप भी है। हाल ही में जापान की यात्रा के दौरान, मैंने राज्य के लिए 4,500 करोड़ के निवेश की प्रतिबद्धताएं प्राप्त कीं। जापान और दक्षिण कोरिया की पिछली यात्रा के दौरान भी, लगभग 6,000 करोड़ के निवेश की पुष्टि हुई थी। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, विधायक अरविंद बेलाड, निडेक कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष हिरोशी कोबे, कंपनी के मोशन और ऊर्जा विभाग के प्रमुख माइकल ब्रिग्स और उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की आयुक्त गुंजन कृष्णा उपस्थित थे।

बेंगलूरु सीसीबी ने 1.26 करोड़ के अंतरराज्यीय नकली नंदिनी घी रैकेट का किया भंडाफोड़

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) और केएमएफ सतर्कता शाखा द्वारा चलाए गए एक संयुक्त अभियान में तमिलनाडु में मिलावटी घी बनाने, उसे नकली नंदिनी ब्रांड के पाउच और बोतलों में पैक करके बेंगलूरु भर में वितरित करने वाले एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ किया गया है। इस रैकेट के सिलसिले में केएमएफ के एक वितरक, उसके बेटे और दो अन्य लोगों सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने 1.26 करोड़ रुपये मूल्य का 8,136 लीटर मिलावटी घी, उत्पाद की आपूर्ति में प्रयुक्त चार वाहन, तैयारी में प्रयुक्त मशीनरी और घी में मिलावट के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला भारी मात्रा में नारियल और ताड़ का तेल बरामद किया। रिपोर्टों से पता चलता है कि आरोपी एक लीटर असली घी से तीन लीटर मिलावटी घी बना रहे थे। मिलावटी घी बेंगलूरु के एक डीलर को दिया जाता था, जिसके पास आधिकारिक केएमएफ लाइसेंस था। डीलर और उसके परिवार ने फिर घी को थोक और खुदरा दुकानों के साथ-साथ नंदिनी पार्लरों में भी वितरित किया और इसे बाजार मूल्य पर बेचा। डीलर की संलिप्तता की पुष्टि करते हुए, केएमएफ के प्रबंध निदेशक बी शिवस्वामी ने कहा आरोपियों में से एक केएमएफ डीलर है, जिसने मिलावटी उत्पादों के वितरण में मदद की। सटीक खुफिया जानकारी और समन्वित छापेमारी के बाद, केएमएफ सतर्कता शाखा के सहयोग से सीसीबी के विशेष जांच दल ने यह कार्रवाई की। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान केएमएफ वितरक महेंद्र, उनके बेटे दीपक, तमिलनाडु से मिलावटी घी लाने वाले मुनिराजू और ड्राइवर अभि अरासु के रूप में हुई है। चामराजपेट के नंजम्बा अग्रहारा स्थित कृष्णा एंटरप्राइजेज के गोदामों, दुकानों और वाहनों पर छापे मारे गए, जिनके मालिक आरोपी और उनके परिवार के सदस्य हैं। कार्रवाई के दौरान, तमिलनाडु से मिलावटी घी ले जा रहे एक वाहन को ड्राइवर अरासु के साथ जब्त कर लिया गया। अधिकारियों ने पांच मोबाइल फोन हैंडसेट, 60 लाख रुपये मूल्य के चार मालवाहक वाहन, 1.19 लाख रुपये नकद, नकली नंदिनी पाउच और मिलावटी घी वाली बोतलें, साथ ही मिलावट के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले नारियल और ताड़ के तेल के डिब्बे बरामद किए। बेंगलूरु पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने कहा हमें केएमएफ सतर्कता शाखा से विशेष जानकारी मिली थी। मिलावटी घी बनाने वाली इकाई तमिलनाडु के तिरुपुर जिले में स्थित थी। हम मुख्य आरोपी के बारे में और जानकारी जुटा रहे हैं। यह रैकेट पिछले दो सालों से सक्रिय था।

देश के लोगों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर भरोसा: जगदीश शेट्टर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सांसद जगदीश शेट्टर ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में, हमने शहर के 'मेरा भारत' केंद्र के सहयोग से 19 नवंबर को 'एकता पदयात्रा' का आयोजन किया है। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा यह पदयात्रा, जो सुबह 7 बजे शाहपुर के शिवाजी पार्क से शुरू होगी, पाटिल गली स्थित शनि मंदिर, तिलक चौक, रामलिंगाखिंदा गली होते हुए धर्मवीर संभाजी सर्किल पहुंचेगी। उन्होंने शिकायत करते हुए कहा देश के लोगों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर भरोसा है। इसीलिए उन्होंने हमें बिहार विधानसभा चुनाव में जीत दिलाई है। हालांकि, हार से बौखलाई कांग्रेस बिना किसी आधार के हमारी पार्टी की आलोचना कर रही है। उन्होंने कहा कांग्रेस को अब किसी भी वर्ग का समर्थन नहीं है। यहां तक कि मुस्लिम वोट भी अब भाजपा को मिल गए हैं। उस पार्टी को इस पर आत्मचिंतन करना चाहिए। शेट्टर ने कहा अगर कांग्रेस सदस्यों को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की कार्यप्रणाली पर संदेह है, तो उन्हें शिकायत दर्ज करानी चाहिए। सिर्फ मौखिक शिकायत करना काफी नहीं है। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कांग्रेस नेता राहुल गांधी जल्द ही अपनी 100वीं हार का जश्न मनाएंगे। मेयर मंगेश पवार, डिप्टी मेयर वाणी जोशी और भाजपा की राज्य इकाई के उपाध्यक्ष अनिल बेनके मौजूद थे।

दिल्ली ब्लास्ट जांच में थ्रीमा एप का डिजिटल नेटवर्क उजागर

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)।
दिल्ली के लाल किले के पास हुए कार ब्लास्ट की जांच में सुरक्षा एजेंसियों को एक नया डिजिटल सुराग मिला है। मौजूद जानकारी के अनुसार, जांच में सामने आया है कि इस घटना से जुड़े तीन डॉक्टर डॉ. उमर उन नबी, डॉ. मुझम्मिल गणाई और डॉ. शाहीन शाहिद एक स्विस मैसेजिंग एप थ्रीमा के जरिए लगातार गुप्त बातचीत करते रहे हैं। बता दें कि तीनों आरोपी फरीदाबाद स्थित अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े बताए जा रहे हैं।

जांच अधिकारियों का कहना है कि थ्रीमा की हाई-लेवल एन्क्रिप्शन और पहचान छुपाने वाली प्रणाली ने पूरी जांच को काफी जटिल बना दिया है। गौरतलब है कि इस एप में न मोबाइल नंबर की जरूरत होती है और न ईमेल की, बल्कि एक रैंडम आईडी से ही पूरा अकाउंट चलाया जा सकता है। इसी वजह से तीनों आरोपी लंबे समय तक सुरक्षा एजेंसियों की नजर से दूर रहे हैं।

सूत्रों की मानें तो आरोपियों ने आगे चलकर अपना निजी थ्रीमा सर्वर भी बना लिया था। इसी सर्वर के जरिए लोकेशन, फाइलें, मैप और ब्लास्ट से जुड़ी प्लानिंग साझा की जाती थी। एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन, मेटाडाटा न स्टोर करने की नीति और दोनों तरफ से चैट डिलीट कर पाने की सुविधा ने फॉरेंसिक टीम के लिए किसी भी चैट या डेटा को ट्रैक करना लगभग नामुमकिन कर दिया है।

अब एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि यह निजी सर्वर भारत में था या विदेश में, और क्या इस नेटवर्क में और लोग भी शामिल हैं। बता दें कि थ्रीमा एप भारत में मई 2023 से बैन है। उस दौरान सरकार ने आईटी अधिनियम की धारा 69 ए के तहत कई हाई-एन्क्रिप्शन एप्स पर प्रतिबंध लगाया था क्योंकि जांच में पता चला था कि पाकिस्तान आधारित कई ग्रुप इन्हीं प्लेटफॉर्म्स के जरिए भारत में प्रोपेगेंडा और नेटवर्किंग कर रहे थे।

बैन के बावजूद एजेंसियों को शक है कि आरोपियों ने वीपीएन का इस्तेमाल कर पाबंदियों को दरकिनार किया है। विदेश यात्रा, खासकर तुर्की और संयुक्त अरब अमीरात के दौरान, इस एप का इस्तेमाल उनके लिए बिल्कुल आसान रहा होगा। इसके अलावा थ्रीमा की पेमेंट प्रणाली भी जांच को और मुश्किल बनाती है, क्योंकि एप की खरीद नकद राशि स्विट्जरलैंड भेजकर या बीटकॉइन के जरिए की जा सकती है, जिससे कोई डिजिटल ट्रेल नहीं बनता है।

जानकारों का मानना है कि यह मामला साफ दिखाता है कि अब आतंकवादी संगठन तकनीक का इस्तेमाल कर अपने नेटवर्क और गतिविधियों को और भी छुपा रहे हैं। फॉरेंसिक टीमें लगातार डिजिटल डाटा की परतें खोलने में लगी हैं और साफ संकेत हैं कि आने वाले समय में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई और भी नई चुनौतियां लेकर आने वाली हैं।

जन सुराज का दावा महिलाओं को बांटी गई राशि विश्व बैंक फंड से

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)।
जन सुराज पार्टी ने बिहार चुनाव परिणामों के बाद फिर एक नया आरोप सामने रखा है। मौजूद जानकारी के अनुसार पार्टी के प्रवक्ता पवन वर्मा ने दावा किया है कि चुनाव के दौरान केंद्र सरकार ने विश्व बैंक से आए धन को किसी और परियोजना से हटाकर महिलाओं को बांटा है। बता दें कि जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर पहले ही चुनाव को लेकर कई गंभीर सवाल उठा चुके हैं।पवन वर्मा ने कहा कि राज्य की महिला मतदाताओं को चुनाव से ठीक पहले मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 10,000 रुपये दिए गए थे। उन्होंने कहा कि यह रकम लगभग 21,000 करोड़ रुपये के फंड से ली गई, जो विश्व बैंक ने एक अलग परियोजना के लिए भेजा था। उनका आरोप है कि आचार संहिता लागू होने से लगभग एक घंटे पहले करीब 14,000 करोड़ रुपये निकालकर 1.25 करोड़ महिलाओं के खातों में भेजे गए हैं।गौरतलब है कि उन्होंने यह भी कहा कि आरोप सही हों या न हों, इसकी जांच होनी चाहिए। वर्मा ने कहा कि अगर यह जानकारी गलत साबित होती है तो वे माफी मांगेंगे, लेकिन अगर सही निकली तो यह गंभीर नैतिक सवाल खड़े करती है। उन्होंने यह भी दावा किया कि चुनाव के दौरान यह अफवाह फैली कि अगर एनडीए सत्ता में नहीं आती तो बाकी का पैसा ट्रांसफर नहीं होगा, जिससे कई महिलाओं में असमंजस बना रहा है।

मौजूद जानकारी के अनुसार बिहार का सार्वजनिक कर्ज लगभग 4.06 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है और हर दिन का ब्याज करीब 63 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। वर्मा का कहना है कि इस स्थिति में कोषागार खाली जैसा हो गया है और ऐसे में भारी राशि का अचानक ट्रांसफर कई सवाल खड़े करता है।उन्होंने यह भी बताया कि कुल चार करोड़ महिलाओं में से 2.5 करोड़ महिलाओं को अभी पैसा नहीं मिला है और चुनाव के दौरान यह माहौल बनाया गया कि लाभ सिर्फ तभी पूरा जमा होगा जब एनडीए को वोट दिया जाएगा। इसी वजह से कई मतदाताओं में असुरक्षा बनी रही है।सोशल वेलफेयर स्कीमों को लेकर पूछे गए सवाल पर वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद फ्रीबी कल्चर की आलोचना कर चुके हैं, लेकिन बिहार में हालात उलट दिखाई दिए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी की खराब प्रदर्शन का कारण शराबबंदी को हटाने के संभावित वादे को नहीं माना जाना चाहिए, क्योंकि शराब पहले से ही ऊंची कीमत पर आसानी से उपलब्ध है, जिससे महिलाओं पर ज्यादा बोझ पड़ रहा है।वर्मा ने स्वीकार किया कि आखिरी समय में 10,000 रुपये के ट्रांसफर और महिलाओं को ध्यान में रखकर बनाई गई नीतियों का चुनावी नतीजों पर सीधा असर पड़ा है।

गरुड़ 25: भारत के एसयू -30 एमकेआई और फ्रांसीसी राफेल ने आसमान में दिखाई ताकत

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)।
भारत और फ्रांस मोंट-डे-मार्सन में 'गरुड़' वायु युद्ध अभ्यास की शुरुआत करेंगे ताकि दोनों देशों के बीच सैन्य अंतर-संचालन और समन्वय को बढ़ाया जा सके और रणनीतिक साझेदारी को बढ़ावा दिया जा सके। भारतीय वायुसेना ने 16 से 27 नवंबर तक फ्रांस में फ्रांसीसी वायु एवं अंतरिक्ष बल (एफएएसएफ) के साथ गरुड़ अभ्यास के आठवें संस्करण के लिए छह सुखोई-30एमकेआई लड़ाकू विमानों को तैनात किया है, जिनके साथ आईएल-78 मिड-एयर रिफ्यूलिंग और सी-17 ग्लोबमास्टर-खखख स्ट्रेटेजिक लिफ्ट विमान भी मौजूद हैं। इस अभ्यास के दौरान, सुखोई, राफेल जैसे फ्रांसीसी बहुउद्देशीय लड़ाकू विमानों के साथ जटिल कृत्रिम हवाई युद्ध परिदृश्यों में काम करेंगे, और हवा से हवा में युद्ध, वायु रक्षा और संयुक्त हमला अभियानों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। एक अधिकारी ने बताया कि इस अभ्यास का उद्देश्य एक यथार्थवादी परिचालन वातावरण में रणनीति और प्रक्रियाओं को परिष्कृत करना, आपसी सीखने को सक्षम बनाना और भारतीय वायुसेना और एफएएसएफ के बीच अंतर-संचालन को बढ़ावा देना है।भारतीय वायु सेना ने रविवार को फ्रांस के मॉट-डे-मार्सन एयर बेस में फ्रांसीसी वायु और अंतरिक्ष बल के साथ द्विपक्षीय वायु अभ्यास 'गरुड़ 25' किया। यह 27 नवंबर तक चलेगा, जिसमें भारतीय वायु सेना की एक विशेष टुकड़ी हिस्सा ले रही है। भारतीय वायुसेना ने इस अभ्यास के लिए सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान तैनात किए हैं। अभ्यास के दौरान लड़ाकू विमानों की रेंज बढ़ाने के लिए हवा में ही ईंधन भरने का अभ्यास भी शामिल है, जिसके लिए खङ-7ड टैंकर विमान काम कर रहे हैं। इस महत्वपूर्ण सैन्य अभ्यास में भारतीय सुखोई और फ्रांसीसी बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान मिलकर जटिल हवाई युद्ध परिदृश्यों पर अभ्यास कर रहे हैं।भारत और श्रीलंका की सेनाएं कर्नाटक के बेलगावी में चल रहे संयुक्त अभ्यास 'मित्र शक्ति' में मुश्किल हालात में काम करने की ट्रेनिंग ले रही है। यहां सैनिक जहरीले सांपों से निपटने, जगल में रहने, आश्रय बनाने और फिटनेस ड्रिल्स जैसी गतिविधियां कर रहे है।

चीन-पाक की बढ़ी धड़कनें

अब असम में स्पेशल रिवीजन की बारी, चुनाव आयोग ने दिया आदेश, अगले साल होने है विधानसभा चुनाव

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)।
भारत के निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने सोमवार को असम में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता सूची के 'विशेष पुनरीक्षण' का आदेश दिया। यह विशेष पुनरीक्षण, मतदाता सूची के वार्षिक विशेष सारांश पुनरीक्षण और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बीच का एक चरण है। असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, राज्य में विशेष पुनरीक्षण कार्य करने की अर्हता तिथि 1 जनवरी, 2026 होगी। यह घटनाक्रम बिहार में दो चरणों में हुए विधानसभा चुनावों के सफल समापन के कुछ दिनों बाद सामने आया है, जहाँ शीर्ष चुनाव निकाय ने सबसे पहले एसआईआर अभियान चलाया था।

आदेश में कहा गया है कि चूँकि मतदाता सूची का पुनरीक्षण वास्तव में मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन के साथ शुरू होता है, इसलिए मतदाता सूची के पुनरीक्षण की वास्तविक शुरुआत से काफी पहले

विभिन्न पुनरीक्षण-पूर्व गतिविधियाँ पूरी की जानी आवश्यक हैं, जिसका एकमात्र उद्देश्य उच्च-निष्ठा मतदाता सूची प्राप्त करना है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने पूर्वोत्तर राज्य में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण को चुनौती देने के शीर्ष चुनाव निकाय के फैसले का स्वागत किया है और कहा है कि उनकी सरकार इस संशोधन को पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए चुनाव आयोग को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेगी।

सरमा ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया, असम सरकार 01.01.2026 को अर्हता तिथि मानकर मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण के भारत निर्वाचन आयोग के फैसले का स्वागत करती है। उन्होंने आगे कहा, इससे सभी पात्र नागरिकों के लिए स्वच्छ, अद्यतन और सटीक मतदाता सूची सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। पिछले महीने, चुनाव आयोग ने कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) - छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में एसआईआर अभियान चलाने की घोषणा की थी। इनमें से पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं।

पचेरी अग्रवाल समिति का दिवाली मिलन एवं अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम भव्य रूप से सम्पन्न

हैदराबाद, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्युरो)।
जारी प्रेस विज्ञप्ति द्वारा प्रचार प्रसार संयोजक महावीर प्रसाद डोकानिया ने बताया कि पचेरी अग्रवाल समिति द्वारा घांसी बाजार स्थित श्री रानी सती दादी मंदिर में दिवाली मिलन एवं अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत महाराजा अग्रसेन जी एवं श्री रानी सती दादी जी की पूजा-अर्चना के साथ हुई।समिति के अध्यक्ष कैलाशचंद पचेरीया ने सभी सदस्यों एवं समाजबंधुओं का स्वागत करते हुए दिवाली की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। कार्यक्रम में समाज के सदस्यों ने सामूहिक पूजा, अन्नकूट प्रसाद एवं मिलन समारोह का आनंद लिया।

पारिवारिक वातावरण में सभी ने एक-दूसरे को दिवाली की शुभकामनाएँ दीं। समिति का कहना है कि ऐसे आयोजन समाज में एकता, संस्कार एवं पारिवारिक भाव को और मजबूत करते हैं।कार्यक्रम में अध्यक्ष कैलाश चंद पचेरिया, उपाध्यक्ष मनोज पचेरिया, मंत्री नवीन गुप्ता, संयुक्त मंत्री गोवर्धन पंचारिया, कोषाध्यक्ष श्याम सुंदर सवारियां, भूतपूर्व अध्यक्ष गोपाल पचेरिया, संरक्षक गोविंदराम पचेरिया, सालकर नरेश सवारियां, भजनलाल पचेरिया, कार्यकारिणी सदस्य मुकेश पचेरीया, संदीप पचेरिया, सुभाष अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, बजरंग लाल अग्रवाल, अशोक कुमार अग्रवाल, मुरलीधर गुप्ता, एवं महिला समिति की सभी सदस्याओं सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न होने पर सभी सदस्यों ने हर्ष एवं संतोष व्यक्त किया।

मटुआ समुदाय के लिए एसआईआर नियमों में छूट की मांग

कोलकाता,17 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर मटुआ समुदाय के लिए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नियमों में ढील देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि समुदाय के लोगों को ऐसे दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा जा रहा है, जो उनके पास कभी थे ही नहीं। अधीर रंजन ने दो पन्नों के अपने पत्र में लिखा कि मटुआ परिवार पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से निरंतर और निर्मम उत्पीड़न के कारण भारत आए थे। ऐसे में 25 साल पुराने कागजात मांगना क्रूर और अनुचित है। उन्होंने कहा कि 2002 की मतदाता सूची को एसआईआर का आधार वर्ष बनाया गया है, जबकि उस समय सूची में मटुआ समुदाय के कई नाम शामिल ही नहीं थे। उन्होंने कहा कि वर्षों से मतदान करने और निर्वाचित प्रतिनिधि देने के बावजूद आज यह समुदाय अपने मताधिकार से वंचित किए जाने के डर में जी रहा है। हाल ही में अखिल भारतीय मटुआ महासंघ की ओर से किए गए अनिश्चितकालीन आमरण अनशन का उल्लेख करते हुए चौधरी ने कहा कि समुदाय ने अपनी पीड़ा और असुरक्षा उजागर करने के लिए यह कदम उठाया था। बाद में उनकी मांग पर विचार किए जाने के आश्वासन के बाद वे अनशन समाप्त करने को तैयार हुए। चौधरी ने यह भी आरोप लगाया कि दशकों से नागरिकता का आश्वासन दिए जाने के बावजूद वादे पूरे नहीं हुए हैं। उन्होंने कहा कि मटुआ समुदाय को अवैध की तरह नहीं देखा जाना चाहिए, क्योंकि वे धार्मिक उत्पीड़न से बचने के लिए भारत आए थे। उन्होंने नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के तहत प्रभावित लोगों के लिए कटऑफ तारीख बढ़ाने जैसे संशोधनों का हवाला देते हुए कहा कि मटुआ समुदाय के लिए भी इसी तरह की राहत दी जानी चाहिए।

समाजसेवी कल्याणजी गोसर भाई नहीं रहे

हैदराबाद, 16 नवंबर (शुभ लाभ ब्युरो)।
कच्छी समाज के वरिष्ठ प्रमुख समाजसेवी एवं जीव दया प्रेमी कल्याणजी गोसर भाई का सोमवार, 17-11-2025 दोपहर 1:30 बजे हृदय गति रुक जाने से निधन हो गया। वे 89 वर्ष के थे।कल्याणजी भाई गोसर कच्छी विसा ओस्वाल समाज के वरिष्ठ सदस्य और जनसंघ की स्थापना से जुड़े रहे, तथा बाद में कच्छ बीजेपी में भी सक्रिय योगदान दिया। वे कच्छ के विढ ग्राम के सरपंच पद पर भी रहे।राजनीतिक जीवन के साथ-साथ वे कच्छी समाज एवं धार्मिक गतिविधियों में भी विशेष रूप से सक्रिय रहे। उनके धार्मिक संस्कारों का प्रभाव है कि परिवार के तीन सदस्य जैन धर्म में दीक्षा लेकर साधु-साध्वी की सेवा कर रहे हैं।कल्याणजी भाई अपने पीछे एक पुत्र, तीन पुत्री, दामाद और पौत्र सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए। उनके निधन पर भारत भर के कच्छी जैन समाज में शोक की लहर है। परोपकार, समाजसेवा और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में उनको सभी जानते हैं।

कांग्रेस सरकार के तीन साल का जश्न, भाजपा हुई हमलावर

शिमला, 17 नवंबर (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश वरिष्ठ प्रवक्ता एवं विधायक त्रिलोक जमवाल ने कहा कि कांग्रेस सरकार की कोई उपलब्धि ही नहीं है तो जश्न किस बात का, हर वर्ष केवल मात्र वर्तमान सरकार जनता को परेशान करने एवं आर्थिक बोझ डालने का जश्न मनाती है। उन्होंने कहा की 3 साल में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में केवल मात्र भ्रष्टाचार, अंधा कानून, महंगाई, धोखा और गारंटियों पर जनता का गुमराह करने का बोल बाला रहा। पूरे 3 वर्ष में ठेकेदारों को उनके किए गए कामों का भुगतान न करने का इनाम मिला, पेंशन प्रदेश में टेंशन बंद कर रह गई, डीए केवल मात्र कागज़ों में रह गए और नौकरियां तो यूवाओ के लिए सपना बनकर रह गई। उन्होंने कहा कि प्रदेश की 28 लाख बहने आज भी अपने 1500 रु का इंतजार कर रही है, बागबान किसान भी अपने अधिकारों का इंतजार कर रहा है, युवा भी अपनी पक्की नौकरी का इंतजार कर रहा है। यह सरकार केवल इंतजार की सरकार बन कर रहे गई है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में क्राइम रेट तेज गति से बढ़ा , खन्ना शराब बन भू माफिया के हौसले भी राजनीतिक संरक्षण में बढ़ते दिखाई दिए। यह सरकार केवल मात्र असफलता, निराशा के तीन साल है, वर्तमान कांग्रेस सरकार ने इस सुंदर प्रदेश को अंधेर नगरी बना दिया है।भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी रणधीर शर्मा ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने अपना तीन साल का कार्यकाल पूरा होने पर जश्न का कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है। हमारा मानना है कि इस सरकार को जश्न मनाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। क्योंकि इस सरकार ने तीन साल में जनहित में प्रदेश हित में कोई काम नहीं किया है। कोई ऐसी उपलब्धि सरकार की नहीं है जिसके लिए सरकार जश्न मनाए।

यह सरकार तो अपने चुनावी वायदे तो दूर चुनावी गारंटियों तक को पूरा करने में विफल सिद्ध हुई है। इस सरकार ने प्रदेश को आर्थिक दिवालीयपन के कगार पर खड़ा कर दिया है। 1 लाख करोड़ कर्जा इस प्रदेश पर चढ़ाकर यह सरकार कर्मचारियों को वेतन और रिटायर्ड कर्मचारियों को पेंशन भी समय पर नहीं दे पा रही है। विकास कार्य है जो विकास का हो भी रहे हैं। आज सड़कों की मरम्मत वो केंद्र से आए पीडीए एनए के फंड से हो रही है। यह सड़कें प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना या सेंट्रल रोड फंड से बन रही है।

प्रदेश सरकार का बजट कहीं नजर नहीं आता। यहां तक कि ठेकेदारों को पेमेंट तक सरकार करने में नाकाम सिद्ध हुई है। यही नहीं इस सरकार ने तो हमारी विधायक निधि भी जारी नहीं की। जुलाई, अगस्त, सितंबर महीने की किस्त भी आधी जो है वो अभी जारी नहीं हुई है। अगस्त अक्टूबर, नवंबर, दिसंबर की किस्त अभी तक जारी नहीं हुई। ऐच्छिक निधि में कटौती इस सरकार ने कर दी है। आपदा प्रभावितों को राहत देने में यह सरकार विफल रही है। जो आज सड़के क्षतिग्रस्त है, उनका पुनर्निर्माण नहीं हो पा रहा, उनकी मरम्मत नहीं हो पा रही। पीडीएनए का पैसा आया है तो थोड़ी मरम्मत उसकी हो रही है।

जलशक्ति विभाग में पीने के पानी की स्कीमों के लिए केंद्र सरकार से जो पंचायतों में पैसा आया था उस पैसे को डायवर्ट किया जा रहा है जलशक्ति विभाग में ताकि स्कीमों की रिपेयर हो सके। ऐसी सरकार जिसने हिमाचल प्रदेश को तीन साल में जो है पीछे धकेलने का काम किया। 2000 से ज्यादा संस्थान बंद कर दिए। कोई नया काम किया नहीं। प्रदेश हित जनहित में काम करने में सरकार ने हमेशा नाकामी पाई है। और यहां तक कि ये सरकार जो है हिमाचल प्रदेश की जनता पर अलग-अलग टैक्स लगाकर अलग-अलग कर लगाकर आर्थिक बोझ डाल रही है। इसलिए इस सरकार को जश्न मनाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

सरदार पटेल के जीवन संस्मरणों से युवा पीढ़ी को मिल रही प्रेरणा : केशव

सरदार पटेल की स्मृतियों को जन जन तक पहुंचाने की ओर अग्रसर है सरकार

लखनऊ,17 नवंबर (एजेंसियां)। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सरदार पटेल का जीवन दर्शन, देश के लिए आज भी प्रेरक, प्रेरणादायक और प्रासंगिक है।सरदार पटेल के जीवन संस्मरणों की याद ताजा होने से युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिल रही है।सरकार, सरदार पटेल की स्मृतियों को जन जन तक पहुंचाने की ओर अग्रसर है।वन्देमातरम, आत्मनिर्भर भारत व स्वदेशी के संन्देश को जन जन तक पहुंचायें। एसआईआर के बारे मे लोग जाने और भ्रमित न हों।सरदार पटेल जयन्ती के उपलक्ष्य मे आयोजित की जा रही एकता यात्रा से युवाओं के मन में राष्ट्रभक्ति की भावना का संचार हो रहा है। वन्देमातरम् मन्त्र के बल पर भारत आर्थिक व सामरिक महाशक्ति बनेगा।मैथलीशरण गुप्त महाविद्यालय चिरगांव,झांसी मे लौहपुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य मे एकता यात्रा व विशाल जनसभा को सम्बोधित कर रहे थे।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरदार वल्लभ भाई पटेल की स्मृतियों को संजोये रखने के लिए गुजरात में उनकी दुनिया की सबसे बड़ी प्रतिमा स्थापित की गयी है। आज यह प्रतिमा राष्ट्रीय प्रेरणा स्थली के रूप में देशवासियों को नई प्रेरणा प्रदान कर रही है। लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल एक महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। उनका जन्म एक साधारण किसान परिवार में हुआ था। देश की आजादी के आंदोलन में उन्होंने बढ़-चढ़कर नेतृत्व प्रदान किया था। जब देश के प्रत्येक नागरिक में राष्ट्रभक्ति का भाव प्रबल रूप में होता है, तो राष्ट्र अखण्डता के सूत्र में बंध कर अपनी एकता को सुदृढ़ बनाए रखता है। सरदार पटेल ने कठिन और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अत्यन्त सहजता के साथ देश की 563 रियासतों को भारत गणराज्य का हिस्सा बनाकर अखण्ड भारत के निर्माण में अपना योगदान दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व व मार्गदर्शन में भारत के संविधान की धारा 370 को समाप्त कर जम्मू-कश्मीर को अखण्ड भारत का हिस्सा बनाया गया। अगर सरदार पटेल प्रथम प्रधानमंत्री होते, तो धारा 370 की जरूरत ही नही पड़ती। कहा कि 1946 मे अन्तरिम सरकार के गठन के समय सरदार पटेल को 15 मे से 14 मत मिले थे, फिर भी उस समय लौह पुरूष को प्रधानमंत्री नही बनने दिया गया।सरदार पटेल प्रधानमंत्री होते, तो भ्रष्टाचार देश को छू नही पाता, चीन के हांथ जमीन न गवानी पड़ती, कैलाश मानसरोवर की यात्रा के लिए अनुमति न लेनी पड़ती। कहा कि सरदार पटेल प्रधानमंत्री होते तो

अयोध्या काशी, मथुरा के लिए संघर्ष न करना पड़ता। वह प्रधानमंत्री होते, तो देश मे कोई घुसपैठिया प्रवेश नही कर पाता। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन दर्शन को आधार बनाकर प्रधानमंत्री द्वारा देश की रक्षा,सुरक्षा व प्रगति के लिए किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने महिला सशक्तिकरण की चर्चा करते हुए कहा माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 पारित किया गया।मोदी के नेतृत्व में 60 करोड़ से अधिक जन धन खाते खोले गए। किसान सम्मान निधि,पेंशन और हर योजना का पैसा डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभार्थी के खाते में जाता है एकता यात्रा के अवसर पर हम सबको भारत को गरीबी मुक्त करने का संकल्प लेना है। मोदी जी के नेतृत्व में 30 करोड लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं।गरीबों को पक्के आवास दिए गए हैं।आने वाले समय में एक भी कच्चा घर नहीं रहेगा, एक भी झुग्गी- झोपड़ी नहीं रहेगी। 2027 तक भारत तीसरी अर्थव्यवस्था बन जायेगा।प्रधानमंत्री के 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने के विजन को 2047 के पहले ही देशवासी साकार कर लेगे।पूरा विश्व भारत की ओर आशा भरी नजरो से देख रहा है। हम विश्व की महाशक्ति के रूप में उभर रहे हैं।आतंकवादियों को मुंह तोड़ जवाब दिया जा रहा है।देश हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है।विकसित भारत के लिए नागरिकों से सुझाव लिए जा रहे हैं। भारत विकसित ही नहीं होगा, बल्कि संस्कारवान,सामर्थ्यवान और बेहद शक्तिशाली होगा, भारत किसी को सताएगा नहीं, लेकिन जो छेड़ेगा,उसे छोड़ेगा भी नही।हम आत्मनिर्भर भारत की ओर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। सभी देशवासी वंदे मातरम् गीत के 150 वर्ष होने पर गर्व की अनुभूति कर रहे हैं। एक भारत-श्रेष्ठ भारत की कल्पना को साकार कर रहे हैं।सबका साथ -सबका विकास -सबका विश्वास के मंत्र के साथ समाज के सभी लोगों की भलाई का काम किया जा रहा है।देश का समग्र विकास हो रहा है। सरदार पटेल को नमन करते हुए उन्होंने उनके संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की।उन्होंने कहा कि एस आई आर के बारे मे लोग हकीकत व वास्तविकता को समझे व जाने और भ्रमित न हों, इसके लिए उन्होने युवाओं को विशेषकर जागरूक करने की अपील की।वंदे मातरम्, आत्मनिर्भर भारत व स्वदेशी के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।चिरगांव के राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त महाविद्यालय के भव्य मैदान में विशाल एकता मार्च की जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री मौर्य ने कहा कि आप पीएम नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करेंगे और भारत को शक्तिशाली बनाने में अपना योगदान देने का काम करेंगे। कार्यक्रम में उपस्थित भारी जन समुदाय को देखते हुए उन्होंने विधायक राजीव सिंह पारीछा की तारीफ की। एकता मार्च के आयोजक बबीना विधायक पारीछा ने लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र के प्रति योगदान को याद किया। उन्होंने उनके बताए रास्ते पर चलने का आह्वान किया। आज हम जो अखंड भारत का स्वरूप देखते है, उस भारत को अखंडता प्रदान करने का कार्य आदरणीय पटेल साहब ने ही किया है। इससे पूर्व वीर रस के चर्चित कवि राम भदावर ने अपनी उर्जावान रचनाओं से माहौल को भक्ति रस से सरोवर कर दिया। जनसभा के बाद निकली भव्य और विशाल एकता यात्रा में महाविद्यालय से मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य शामिल हुए। यात्रा मंडी रामनगर चौराहा,थाना, पहाड़ी चुंगी, पहाड़ी तिराहा मिश्रा ढाबा से अंतिम पड़ाव महेवा तिराहे पहुंची।

जहां पुनः जनसभा हुयी। प्रत्येक चौराहे पर यात्रा में शामिल लोगों पर पुष्पवर्षा की गई। यात्रा में देशभक्ति गीत, विभिन्न झांकियां भी सम्मिलित हुयी। यात्रा के माध्यम से सभी ने राष्ट्रपुरुष सरदार पटेल को श्रृद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान के उपाध्यक्ष दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री हरगोविंद कुशवाहा, उपभोक्ता सहकारी संघ लि के सभापति दर्जा प्राप्त राज्यमन्त्री जमुना प्रसाद कुशवाहा ,एमएलसी रमा निरंजन, रामतीर्थ सिंघल, डॉ. बाबूलाल तिवारी, विधायक रश्मि आर्य, जवाहरलाल राजपूत, मेयर झांसी बिहारी लाल आर्य, हेमंत परिहार, प्रदीप पटेल, चिरगांव नगर पालिका अध्यक्ष कुंवर राघवेंद्र सिंह, यात्रा प्रभारी मुकेश मिश्रा, ब्लॉक प्रमुख चंद्रकांतेश वर्मा, डॉ वैभव गुप्ता, संजीव श्रृंगीऋषि सहित प्रबुद्ध नागरिक जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भरा एसआईआर फॉर्म

शुद्ध की जा रही वोटर लिस्ट

लखनऊ,17 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के बाद अब उत्तर प्रदेश में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन की प्रक्रिया चल रही है। आगामी पंचायत और विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश में वोटर लिस्ट को शुद्ध करने का काम किया जा रहा है।एसआईआर फॉर्म भराए जा रहे हैं। रक्षा मंत्री व लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह ने भी एसआईआर फॉर्म भर दिया है।उन्होंने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन फॉर्म भरकर एसडीएम सदर को सौंप दिया। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह लखनऊ दौरे पर है। उन्होंने कई कार्यक्रमों में शिकरत की। राजनाथ सिंह का यह लखनऊ दौरा कई मायनों में अहम माना जा रहा है क्योंकि यूपी में एसआईआर प्रक्रिया चल रही है। राजनाथ सिंह लखनऊ से सांसद है और उनका वोट भी लखनऊ में ही है। वो नगर निगम, विधानसभा और लोकसभा चुनाव में वोट डालने के लिए लखनऊ आते है। इस वजह से एसआईआर प्रक्रिया के तहत उन्होंने फॉर्म भर दिया है।राजनाथ सिंह के एसआईआर फॉर्म भरने के समय एसडीएम सदर मनोज सिंह साथ मौजूद थे। यूपी में चल रही एसआईआर प्रक्रिया को लेकर राजनीति गरमाई हुई है। समाजवादी पार्टी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन देकर मांग की है कि प्रदेश के 15 करोड़ 44 लाख 30 हजार 092 वोटरों को जल्द से जल्द गणना प्रपत्र उपलब्ध कराया जाए।

समय रहते वोटरों का गणना प्रपत्र भरा हुआ जमा हो जाए और उनका नाम 9 दिसम्बर की वोटर लिस्ट ड्राफ्ट रोल में दर्ज रहे। चुनाव आयोग ने प्रदेश की 403 विधानसभाओं के 1 लाख, 62 हजार, 486 पोलिग स्टेशनो में 15 करोड़, 44 लाख, 30 हजार, 092 मतदाताओं को 4 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक बीएलओ द्वारा गणना प्रपत्र देने और भरा हुआ गणना प्रपत्र वापस लेने का निर्देश दिया है। मतदाता सूची ड्राफ्ट रोल का प्रकाशन 9 दिसम्बर को होगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने कहा था कि जिन मतदाताओं की मृत्यु हो चुकी है या जो स्थायी रूप से अन्य स्थान पर स्थानांतरित हो गए हैं, उनके परिवार के सदस्य बीएलओ को सूचना दें ताकि नामावली को अपडेट किया जा सके। वोटरों की सजगता और सहयोग से फाइनल वोटर लिस्ट 7 फरवरी 2026 को जारी होगी, जोकि त्रुटिरहित और अपडेट होगी।

ओबीसी युवाओं को तकनीकी रूप से सशक्त करेगी योगी सरकार

20 नवंबर से होंगे आवेदन, 12 दिसंबर से प्रशिक्षणः नरेन्द्र कश्यप

लखनऊ,17 नवंबर (एजेंसियां)। योगी सरकार द्वारा अन्य पिछड़े वर्ग के बेरोजगार युवक-युवतियों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना 'ओ'लेवल एवं 'सीसीसी' के द्वितीय चरण हेतु समय सारिणी जारी कर दी गई है। यह योजना उन प्रतिभागियों के लिए है जो इण्टरमीडिएट उत्तीर्ण हों तथा जिनके माता-पिता या अभिभावकों की वार्षिक आय अधिकतम 1 लाख रुपए हो।प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेन्द्र कश्यप ने बताया कि भारत सरकार की अधिकृत संस्था नीलिट से मान्यता प्राप्त ऐसी संस्थाओं का चयन वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए किया जा चुका है। इन संस्थाओं में प्रशिक्षण हेतु इच्छुक अभ्यर्थी 20 नवम्बर से 1 दिसम्बर तक विभागीय पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। योगी सरकार द्वारा ओबीसी युवाओं को डिजिटल कौशल प्रदान कर आत्मनिर्भर एवं रोजगारोन्मुख बनाने का यह महत्वपूर्ण कदम है। प्रशिक्षणार्थियों के जनपद-स्तरीय चयन के उपरांत 12 दिसम्बर

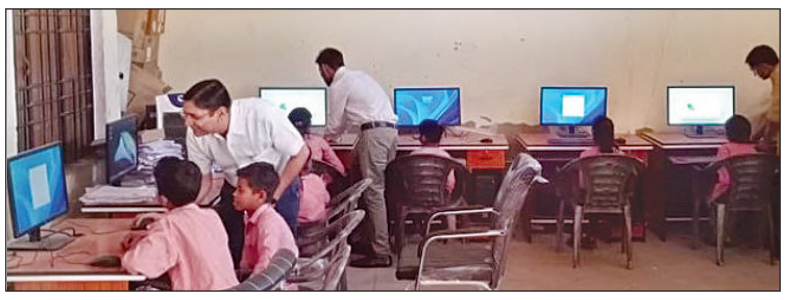

से पूरे प्रदेश में एक साथ प्रशिक्षण सत्र प्रारम्भ कराए जाएंगे। प्रक्रियाएं पूर्णतः ऑनलाइन एवं पारदर्शी होंगी, जिससे पात्र युवाओं को बिना किसी बाधा के लाभ मिल सके।निदेशक पिछड़ा वर्ग कल्याण डॉ. वन्दना वर्मा ने बताया कि द्वितीय चरण की प्रमुख कार्यवाही एवं समय-सारिणी के अंतर्गत 20 नवम्बर से 1 दिसंबर तक प्रशिक्षणार्थी 'ओ-लेवल' एवं 'सीसीसी' प्रशिक्षण हेतु आवेदन करेंगे तथा हार्ड कॉपी जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी के कार्यालय में जमा करेंगे। 2 दिसंबर से 6 दिसंबर तक आय, जाति, शैक्षिक अभिलेखों सहित सभी दस्तावेजों का ऑनलाइन सत्यापन कर पात्र अपात्र अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। 7 दिसंबर से 11 दिसंबर तक चयनित अभ्यर्थियों की सूची को डिजिटली लॉक किया जाएगा, प्रतीक्षा सूची तैयार होगी तथा संस्थाओं द्वारा नीलिट में रजिस्ट्रेशन कराते हुए प्रवेश प्रक्रिया पूरी की जाएगी। 12 दिसंबर से प्रदेशभर में चयनित प्रशिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षण एक साथ संचालित किया जाएगा। मंत्री नरेंद्र कश्यप ने अन्य पिछड़े वर्ग के सभी पात्र युवाओं से अपील की कि वे वेबसाइट backwardwelfareup.gov.in अथवा obccomputertraining.upsdc.gov.in के माध्यम से निर्धारित तिथियों में आवेदन अवश्य करें और योगी सरकार की महत्वपूर्ण योजना का लाभ उठाएं।

राष्ट्रवादी विचारधारा के पोषक थे अशोक सिंघल : मौर्य

लखनऊ,17 नवंबर (एजेंसियां)। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कैम्प कार्यालय 7-कालिदास मार्ग पर स्व.अशोक सिंघल की पुण्य तिथि पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मानवता की प्रतिमूर्ति अशोक सिंघल राष्ट्रवादी विचारधारा के पोषक थे। उन्होंने अपने परिश्रम व प्रेरक विचारों से सामाजिक समरसता के भाव पैदा किये। उन्होंने देश, समाज, सभ्यता, संस्कृति व संस्कारो के लिए अपना सर्वस्व समर्पित

कर दिया।वह अपनी संस्कृति व सभ्यता की रक्षा के लिए हमेशा संघर्षरत रहे। वे सादगी सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की अद्वितीय प्रतिमूर्ति थे, जिन्होंने जीवन के सभी सुखों को त्यागकर अपना पूरा जीवन राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित कर दिया।कहा उनका जीवन दर्शन अनुकरणीय है, और सदा अनुकरणीय रहेगा। भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण के लिए अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित करने वाले, श्री रामजन्मभूमि आंदोलन के महानायक व विश्व हिन्दू परिषद के पूर्व अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंघल की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये कहा कि उनकी तपस्या, नेतृत्व और अदम्य साहस ने श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन के संघर्ष को राष्ट्रचेतना का एक विराट स्वर दिया। उनके प्रयासों ने करोड़ों भारतवासियों के हृदय में सांस्कृतिक आत्मगौरव का एक नया प्रकाश फैलाया। अशोक सिंघल जीवनभर धर्म, समाज और राष्ट्र के उत्थान के लिए समर्पित रहे, उनका प्रेरक व्यक्तित्व आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। मातृभूमि की सेवा और धर्म रक्षा के लिए अशोक सिंघल के अद्वितीय योगदान को राष्ट्र युगों-युगों तक कृतज्ञ भाव से स्मरण करता रहेगा।

'सत्यं वदः, धर्मम् चरः' की मूल भावना को अपनाने की जरूरत : योगी

लखनऊ,17 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'सत्यं वदः, धर्मम् चरः' की मूल भावना को अपनाने की जरूरत पर जोर देते हुए सोमवार को कहा कि अपने बड़ों के प्रति कृतज्ञता का भाव हमारे मन में हमेशा होना चाहिए और यह हमारी पहचान बननी चाहिए। मुख्यमंत्री ने बाबू बनारसी दास विश्वविद्यालय लखनऊ के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की प्राचीन परंपरा में जब अपनी शिक्षा पूरी करके कोई स्नातक अपने गुरुकुल से बाहर निकलता था तो कुलगुरु उसे 'सत्यं वदः धर्मम् चरः' की दीक्षा और उपदेश देते थे। इसका अर्थ है कि जीवन में सत्य बोलना और धर्म का आचरण करना।उन्होंने कहा, ''किसी भी अच्छे कार्य के लिए हमेशा अपने आप को तैयार करना, अपने कर्तव्यों के प्रति सदैव ईमानदार बने रहकर उसका अनुपालन करना और अपने जीवन में सदैव अपने से बड़ों का सम्मान करना, यह संस्कार हमारे मन में सदैव बना रहना चाहिए।'' ''भारत का कोई स्नातक जब अपनी शिक्षा पूरी करके इस भाव को लेकर अपने गुरुकुल से बाहर निकलता था तब भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में अपने आप को स्थापित पाता था। भारत तब दुनिया की सबसे बड़ी ताकत था।

हर व्यक्ति को न्याय दिलाना सरकार की प्रतिबद्धता व प्राथमिकता : केशव

लखनऊ,17 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार अपने लखनऊ कैम्प कार्यालय पर जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए कई सैकड़ा लोगों की व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को उनके त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के स्पष्ट निर्देश दिए।जनता दर्शन में बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं, वृद्धजन व युवा उपस्थित रहे, जिन्होंने अपनी समस्याओं को सीधे उप मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया। अधिकतर प्रकरणों में भूमि विवाद, राजस्व संबंधित मुद्दे, चिकित्सा सहायता, पेंशन, आवास, सड़क, बिजली-पानी की समस्याएं, पुलिस कार्यवाही से सम्बन्धित, शिक्षा एवं रोजगार से जुड़े मामले रहे।श्री मौर्य ने कहा कि जनता दर्शन आमजन से सीधे संवाद का माध्यम है, जिससे जमीनी हकीकत सामने आती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही न हो। जिन मामलों में आवश्यक हो, वहां मौके पर जाकर निरीक्षण किया जाए और पीड़ितों को समयबद्ध राहत प्रदान की जाए। जरूरतमंदों व पात्र लोगों को हर सम्भव सरकारी सुविधाओं का भरपूर लाभ मिलना ही चाहिए। सरकार आम जनता की भलाई के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है और जनहित सर्वोपरि है।श्री मौर्य ने उपस्थित लोगों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं के समाधान हेतु सरकार हर संभव कदम उठाएगी और कोई भी पीड़ित निराश न लौटे,यही प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है।श्री मौर्य ने जनता दर्शन में आये फरियादियों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि हर व्यक्ति की हर समस्या का हर सम्भव निदान किया जायेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक फरियादी की समस्या का त्वरित व संतुष्टिपरक समाधान किया जाय। निर्देश दिए कि समस्याओं का सम्पूर्ण समाधान किया जाय और समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित की जवाबदेही तय होनी चाहिये। निर्देश दिए कि जन समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।उन्होंने कहा कि उत्पीड़न , भूमि पर अवैध कब्जों के मामलों को बेहद गंभीरता व संवेदनशीलता के साथ हल किया जाय और जहां जरूरत हो, कठोर कार्यवाही की जाय। एक-एक व्यक्ति की समस्या को पूरी गम्भीरता से सुना तथा समस्याओं के निराकरण हेतु सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। फरियादियों को विश्वास दिलाते हुये कहा कि परेशान न हो, समस्याओं का समाधान भी होगा, सरकार द्वारा प्रदत्त सुविधाएं भी मिलेंगी। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि समस्याओं का निराकरण इस प्रकार किया जाय कि समस्याग्रस्त व्यक्ति पूरी तरह से संतुष्ट रहें और उन्हें दुबारा कहीं भटकना न पड़े और बार -बार चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने महिलाओं, दिव्यांग जनो, बुजुर्गों आदि की समस्याओं व शिकायतों को सुना और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर अधिकारियों को त्वरित गति से निदान करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए ।उप मुख्यमंत्री फरियादियों के पास खुद चलकर गये और एक- एक व्यक्ति की समस्या को उनसे सीधे संवाद करते हुए सुना।जनता दर्शन मे 2 दर्जन से अधिक ज़िलों से आये लोगों ने समस्याएं रखी। उप मुख्यमंत्री ने उच्चाधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता करते हुए दिशा निर्देश दिए। जमीन सम्बन्धी प्रकरणों में उन्होंने सम्बन्धित जिलाधिकारियों को निर्देश दिए। राजस्व व पुलिस विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर भेजा जाय और सार्थक समाधान कराया जाय।

पहनावा

यदि हील्स पहनने से होती है परेशानी, तो आजमाएं ये 5 टिप्स

आजकल कई महिलाएं ऊंची हील्स के सैंडल पहनती हैं. दिन में कई घंटे वे ऐसे सैंडल पहने रहती हैं. लेकिन, ऊंची हील्स के सैंडल आपके शरीर पर काफी बुरा असर डालते हैं. लगातार ऐसी हील्स के सैंडल पहने रखने से पैरों में काफी दर्द हो सकता है.

हील्स पहनने से पैरों पर नाहक ही दबाव पड़ता है. इसके साथ ही पंजे की नाजुक मांसपेशियां भी इससे प्रभावित होती हैं. एक शोध के मुताबिक हर तीसरी महिला को लगातार हील्स पहने रखने के कारण कमर, घुटने और पैरों की स्थाई समस्या हो गई है.

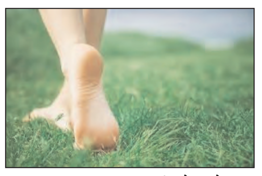

नंगे पैर चलें

हील्स को भूल जाइए और वीकएंड पर अपने पैरों को आराम दीजिए. जब भी संभव हो नंगे पैर चलिए. पैरों को जमीन पर रखकर चलिए. घास पर नंगे पैर सैर कीजिए. इससे आपके पैरों की सूजन कम हो जाएगी.

पानी में डुबोएं पैर

सप्ताह भर की थकान के बाद आपके पैरों को आराम चाहिए. आप अपने पैरों को टब में गर्म पानी में अच्छी तरह भिगोकर रखें. अगर आपको छाले हैं, तो हो सकता है कि आपको थोड़े समय के लिए तकलीफ होगी.

छालों का करें इलाज

खुले जख्म आपके लिए अच्छे नहीं. उन जख्मों पर एंटीसेप्टिक क्रीम लगाएं. इससे छालों में संक्रमण होने का खतरा कम हो जाएगा. किसी भी फफोले को न फोड़े कुछ समय बाद वे अपने आप ही समाप्त हो जाएंगे. हाला कि, आपका दिल ऐसा किया जाने को मचल रहा होगा, लेकिन खुद पर काबू रखिए.

इंतजार करें

बेशक, आपके पास बेहद खूबसूरत जूते हैं, जिन्हें आप पहनना चाहती हैं. लेकिन, कुछ समय इंतजार कीजिए. जल्दबाजी करने से आपकी समस्या बढ़ सकती है. तो आराम से काम करें.

पैरों की मसाज

यह पैरों की तकलीफ से राहत पाने का बहुत अच्छा तरीका है. स्पा में जाकर पैरों की मसाज करवाइए. विशेषज्ञ मसाज करने वाला आपके पैरों की मांसपेशियों को तकलीफ कम हो जाती है.

सर्दियों में बच्चों को खिलाएं लहसुन

सर्दी के मौसम में बच्चे बहुत जल्दी बीमार पड़ जाते हैं। इसका कारण बार-बार ठंड़ लगना और कमजोर इम्यूनिटी का होना भी हो सकता है। बच्चे को पौष्टिक आहार देकर उसकी शारीरिक कमजोरी को दूर किया जा सकता है। जिससे बच्चों में रोगों से लड़ने शक्ति मजबूत होगी और बीमारियों से भी बचाव रहेगा। पौष्टिक आहार में एक है लहसून, जिसे खाने से बच्चे कतराते हैं, सर्दियां शुरू होने पर बच्चे के गले में लहसून बांध देने से भी बीमारियों से बचाव रहता है। आइए जाने लहसून के फायदे।

सर्दियों में बच्चों को खिलाएं लहसुन मिलेंगे कई लाभ

प्रतिरोधक क्षमता मजबूत-बच्चे को बहुत जल्दी सर्दी और जुकाम हो जाता है तो सूप में लहसून डालकर बच्चे को पिलाएं। इससे शरीर मे सर्दी का असर कम हो जाता है।

पेट दर्द: पेट में गैस बन जाने पर भी बच्चे की तबीयत खराब हो जाती है। इससे बचने के लिए लहसून और शहद को मिक्स करके खिलाएं।

पेट के कीड़े : छोटे बच्चे के पेट में कीड़े जल्दी पनपने लगते हैं। आंतों में पैदा होने वाले कीड़ों से छुटकारा पाने के लिए बच्चे को लहसून खाने के लिए दें।

छोटे बच्चे के पेट में कीड़े :सर्दियां शुरू होने पर बच्चे के गले में लहसून बांध देने से भी बीमारियों से बचाव रहता है। इंफैक्शन से बचाव मौसम में आए बदलाव के कारण बच्चे जल्दी इंफैक्शन का शिकार हो जाते हैं। इस तरह के बैक्टीरिया से छुटकारा पाने के लिए खाने में लहसून का इस्तेमाल करें। इसमें मौजूद फाइटोकैमिकल्स आंतों में पनपने वाले बैक्टीरिया को भी खत्म करते हैं।

आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए जरूर खाएं ये 6 फूड्स

पहले के जमाने में बुजुर्ग लोगों की ही आंखें कमजोर होती थी। लेकिन आज, ऐसा कुछ है जिसके कारण युवा पीढ़ी भी इस समस्या से जूझ रही है। इसका मुख्य कारण कम्प्यूटर, मोबाइल और टीवी पर ज्यादा समय बिताना है। आजकल, कम उम्र में ही चश्मा लग जाता है। इसके कारण पैरेंट्स को चिंता रहती है और वे ऐसे प्राकृतिक तरीकों की तलाश में रहते हैं जिससे कि आंखों की रोशनी बढ़े।

अब इसके लिए सबसे पहले खानपान पर ध्यान देना जरूरी है। इसलिए आहार ऐसा ले जिससे आंखों की रोशनी बढ़े। जानिए ऐसे ही 6 फूड्स के बारे में जो यह काम कर सकते हैं।

आंवला

आंवला आंखों के लिए वरदान है। इसमें मौजूद तत्व आंखों की रोशनी को सालों-साल तक बनाए रखते हैं। आप कच्चे आंवले को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसके अलावा सुबह खाली पेट आंवले का रस पीना या फिर आंवले का मुरब्बा खाना भी फायदेमंद रहेगा।

बादाम का दूध

सप्ताह में कम से कम तीन बार बादाम का दूध पिएं। इसमें विटामिन ई होता है जो कि आंखों में किसी भी बीमारी से लड़ने के लिए फायदेमंद है। इससे त्वचा में भी निखार आता है। अगर आप चाहें तो एक चिमटी हल्दी भी डाल सकते हैं।

गाजर

गाजर का ज्यूस पीना सेहत के लिए तो अच्छा है ही साथ ही आंखों के लिए भी बहुत फायदेमंद है। रोजाना एक गिलास गाजर का ज्यूस पीने से आंखों पर चढ़ा चश्मा तक उतर सकता है।

हरी सब्जियां

अपनी डाइट में हरी पत्तेदार सब्जियों को शामिल करें। हरी पत्तेदार सब्जियों में आयरन की भरपूर मात्रा पायी जाती है, जो आंखों के लिए बहुत ही जरूरी है।

मेवे

मेवा खाने से हाई विटामिन मिलता है जो कोलेस्ट्रॉल को लो रखता है और सेलुलर मेम्बरेन में स्थिरता बनाए रखता है।

साथ ही यह लीवर में से विटामिन ए को आंखों के प्रयोग के लिये इस्तेमाल करने के लिये उसे बाहर निकालता है।

अंडे

अंडे में अमीनो एसिड, प्रोटीन, सल्फर, लैक्टिन, ल्युटिन, सिस्टीन और विटामिन बी2 होता है। विटामिन बी सेल के कार्य करने में महत्वपूर्ण होता है।

रिलेशन

थकान दूर करने के लिए ये 5 चीजें खाएं..

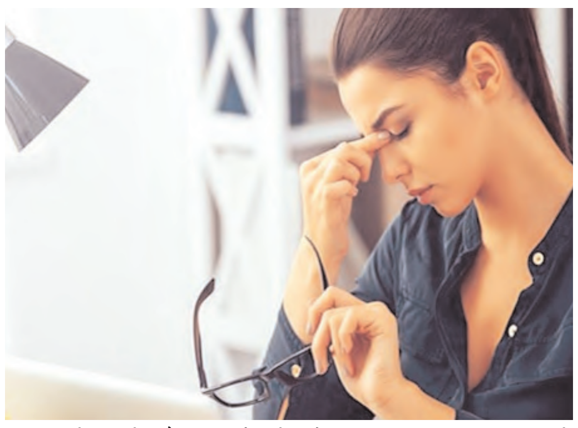

गर्मी में पसीने और काम के लोड के कारण जब आप पूरी तरह से थककर चूर हो जाते हैं और आपमें काम करने की बिल्कुल भी ताकत नहीं होती तो क्या किया जाए..? तो ये 5 चीजें खाएं और अपनी थकान को 5 मिनट में दूर करें।ओटमील-शरीर तब थकता है जब आपके शरीर में बिल्कुल एनर्जी नहीं रहती। लेकिन बैठे-बैठे अनाज का सेवन भी करना सही नहीं। ऐसे में ओटमील खाएं। इसमें विटामिन बी1, फॉस्फोरस, प्रोटीन और मैगनीशियम प्रचूर मात्र में होता है जो आपके शरीर में एनर्जी लेवल बढ़ाने में मदद करता है। साथ ही इसमें काफी मात्र में फाइबर व काबरेहाइड्रेट भी होते हैं जो शरीर को ऊर्जा प्रदान करते हैं।

अखरोट और अंजीर

थकान दूर करने के लिए अखरोट और अंजीर एक बेहतर उपाय है। अखरोट में प्रचूर मात्र में प्रोटीन, विटामिन और ओमेगा 3 फैटी एसिड होता है और अंजीर में नैचुरल शुगर होता है। इन दोनों को साथ में खाने से शरीर को जरूरी मात्र में ऊर्जा प्राप्त होती है जिससे शरीर फिर से ऊर्जावान महसूस करता है। थकावट का सबसे ज्यादा एहसास तब होता है जब शरीर पूरी तरह से एक्जॉस्ट हो जाता है। इस स्थिति में शरीर में पानी की कमी हो जाती है जिससे आपका दिमाग सबसे ज्यादा प्रभावित होता है। ऐसे में मीठे तरबूज का सेवन करें। तरबूज से आपके शरीर में पानी की कमी पूरी हो जाएगी और शरीर पूरी तरह से हाइड्रेट हो जाएगा। साथ ही इसमें नैचुरल शुगर होता है जिससे शरीर को तुरंत एनर्जी मिलती है।

कद्दू के बीज

आप ऑफिस में तरबूज नहीं खा सकते। ओटमील भी नहीं हो और अखरोट व अंजीर तो काफी महंगे होते हैं.. ऐसे में क्या किया जाए? ऐसे में कद्दू के बीज हमेशा अपने साथ रखें। इसमें प्रचूर मात्र में प्रोटीन, विटामिन और ओमेगा 3 फैटी एसिड होते हैं जिससे शरीर को तुंरत पोषकतत्व प्राप्त होते हैं जिससे शरीर को झट से एनर्जी मिलती है।

अदरक वाली चाय

थकान दूर करने का सबसे सस्ता और आसान उपाय है- अदरक वाली चाय। अदरक से आपकी नींद और थकान हट जाएगी। चाय में मौजूद कैफीन से आपको ताजगी महसूस होगी और चीनी से एक्जॉस्ट हुई ऊर्जा मिल जाएगी।

तरबूज

थकावट का सबसे ज्यादा एहसास तब होता है जब शरीर पूरी तरह से एक्जॉस्ट हो जाता है। इस स्थिति में शरीर में पानी की कमी हो जाती है जिससे आपका दिमाग सबसे ज्यादा प्रभावित होता है। ऐसे में मीठे तरबूज का सेवन करें। तरबूज से आपके शरीर में पानी की कमी पूरी हो जाएगी और शरीर पूरी तरह से हाइड्रेट हो जाएगा

ओटमील

शरीर जब थकता हैं जब आप के शरीर के एनर्जी नहीं होती हैं लेकिन बैठे-बैठे अनाज सेवन भी करना सही नहीं। ऐसे में ओटमील खाएं। इसमें विटामिन बी1, फॉस्फोरस, प्रोटीन और मैगनीशियम प्रचूर मात्रा में होता है जो आपके शरीर में एनर्जी लेवल बढ़ाने में मदद करता है। साथ ही इसमें काफी मात्रा में फाइबर व कार्बोहाइड्रेट भी होते हैं जो शरीर को ऊर्जा प्रदान करते हैं।

बच्चे के उज्जवल भविष्य के लिए अपनाएं ये 'वास्तु टिप्स'

बच्चे के उज्जवल भविष्य के लिए यह बेहद जरूरी है कि पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ वह अन्य गतिविधियों में भी सक्रिय रहे। उसका विजन और माइंडसेट क्लियर हो कि उसे भविष्य में क्या करना है। अगर आपका बच्चा अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा है। वह खुद भी अपने प्रयासों से पर्याप्त खुश नहीं हो रहा है तो ऐसे में उसकी प्रगति और विकास के लिए आप वास्तु की मदद भी ले सकते हैं। यह सच है कि पेरेंट्स बनने के बाद से ही बच्चों के भविष्य की चिंता हर किसी को सताने लगती है। मन में ढेरों सवाल उठते हैं कि किस तरह से हम अपने बच्चे के भविष्य को सुरक्षित कर सकें। कैसे हम उसे सर्वश्रेष्ठ करियर चुनने के लिए प्रेरित करें। कई बार सबकुछ ठीक होते हुए भी, पढ़ाई में कुशाग्र होने के बावजूद बच्चे अपनी पढ़ाई पर फोकस नहीं कर पाते हैं।

क्या आप चिंतित हैं बच्चों के भविष्य को लेकरङ्क भविष्य को लेकर वह हमेशा असमंजस की स्थिति में रहता है। पढ़ने बैठता है तो ध्यान सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर या दोस्तों की तरफ जाता है। एकाग्रता की कमी है और स्पष्टता का भी अभाव है। किसी से बात करते हुए हिचकिचाता है। अपने पेरेंट्स की बात नहीं सुनता।

ये हो सकते हैं कारण

उसके कमरे की दक्षिण-पश्चिम दिशा में गेम या खेलकूद का सामान रखा होना इसकी वजह हो सकता है। स्टडी के जोन में दोस्तों के साथ मस्ती की तस्वीरों का होना। उसकी स्टडी टेबल मनोरंजन के जोन माने जाने वाले पूर्व या उत्तर-पूर्व में होना। बच्चे का कमरा दक्षिण-पश्चिम में स्थित होना। उत्तर-पूर्व कटा होना या लाल रंग का होना। कमरे का पश्चिमी कोना कटा होना। अग्नि तत्व का व दक्षिण जोन का असंतुलित होना।

उपायों पर करें अमल

वास्तुशास्त्र में हर कार्य के प्रतिपादन के लिए अलग दिशा क्षेत्र है। बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए इन वास्तु के उपायों पर अमल करें।

अगर आपके बच्चे का विजन क्लियर नहीं है, तो आप उसका कमरा उत्तर-पूर्व में बनाएं। यहां रहने से मन में नए विचार आते हैं। बच्चा अपनी बात को किसी के भी समक्ष स्पष्टता से प्रस्तुत कर पाता हैं यहां रहने से उसकी सम्प्रेषण क्षमता बढ़ने के साथ-साथ उसका विजन क्लियर रहता है।

साथ ही हंस पर विराजमान सरस्वती माता का चित्र भी लगाएं।

बच्चे के उज्जवल भविष्य के लिए यह बेहद जरूरी है कि उसकी कम्यूनिकेशन स्किल बेहतर हो। जब भी वह पूर्व जोन में वाद-विवाद की प्रैक्टिस करेगा तो उसकी कम्यूनिकेशन स्किल बेहतर होगी।

उसके कमरे में दक्षिण-पश्चिम में गेम्स, दोस्तों की तस्वीरें या फिर मनोरंजन का कोई अन्य सामान रखने से परहेज करें। यहां पर जो भी सामग्री होगी उसी ओर उसका ध्यान केंद्रित होगा। इसीलिए उसकी रुचि व विषय से संबंधित चीजों को इस जोन में रखें।

कमरे की सजावट

उनके कमरे के पर्दों का रंग भी हरा, नीला या फिर पीला रखें।

उत्तर-पूर्व में उसके पसंदीदा विषय से जुड़ी कोई तस्वीर लगाएं।

बच्चों का बेड लगाते समय इस बात का खास ख्याल रखें कि उसका सिर शौचालय की ओर न हो। शौचालय अपशिष्ट पदार्थों के विसर्जन की जगह है इस ओर सिर करके सोने से बच्चे का ध्यान पढ़ाई से हट जाता है।

उनकी स्टडी टेबल इस तरह रखी होनी चाहिए कि पढ़ते समय उनका मुख पूर्व दिशा में ही रहे।

सोते समय पैर दक्षिण की ओर न करें। कमरे की दीवारों पर हल्के रंगों जैसे हरा, नीला या फिर हल्के पीले या ऑफ वाइट कलर का पेंट करवाना चाहिए।

अपने बच्चों को पढ़ाई में होशियार बनाने के लिए घर की उत्तर-पूर्व दिशा में ग्लोब रखें। इस क्षेत्र का तत्व पृथ्वी है अतः इस दिशा में पृथ्वी की प्रतिमा रखने से शिक्षा एवं ज्ञान का संचार होता है।

रेसिपी

मिर्ची का सालन

सामग्री

नारियल, तिल के बीज, मूंगफली: 2 बड़े चम्मच, प्याज- 70 ग्राम, पानी: 220 मिलीलीटर,हरी मिर्च : 100 ग्राम, तेल: 3 बड़े चम्मच, तेल- 110 मिलीलीटर लहसुन- 1 छोटा चम्मच, सूखी लाल मिर्च : 4-5,कलौंजी: 1/4 छोटा चम्मच, मेथी के बीज: 1/4 छोटा चम्मच,सरसों के बीज: 1 छोटा चम्मच, करी पत्ता: 6-8, अदरक-लहसुन का पेस्ट: 1 बड़ा चम्मच, हल्दी: 1/2 छोटा चम्मच, जीरा : 1 छोटा चम्मच,धनिया पाऊडर : 1/2 छोटा चम्मच, नमक: स्वादानुसार, इमली का गूदा: 130 ग्राम

विधि

एक पैन को मध्यम आंच पर रखें। इसमें 2 बड़े चम्मच मूंगफली, 2 बड़े चम्मच तिल के बीज, 2 बड़े चम्मच नारियल डालकर 2-3 मिनट तक फ्राई करें। एक अन्य पैन में मध्यम आंच पर 70 ग्राम प्याज डालकर भून लें। इसके बाद इस मिश्रण को एक बाउल में निकालकर इसमें 110 मिलीलीटर पानी डालें और इसे अच्छे से ब्लेंड कर लें। अब 100 ग्राम हरी मिर्च लें और इसे लंबाई में काट लें। ध्यान रहे कि मिर्च टूटे नहीं। मध्यम आंच पर एक पैन में 110 मिलीलीटर तेल डालकर गर्म करें और इसमें हरी मिर्च को 2 से 3 मिनट तक फ्राई करें। एक अन्य कड़ाही में 3 बड़े चम्मच तेल गर्म करें। फिर इसमें 1 छोटा चम्मच लहसुन, 4-5 सूखी लाल मिर्च, 1/4 छोटा चम्मच कलौंजी, 1/4 छोटा चम्मच मेथी के बीज, 1 छोटा चम्मच सरसों के बीज और 6-8 करी पत्ता डालकर 2 से 3 मिनट तक फ्राई करें। फिर इसमें 1 बड़ा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, 1/2 छोटा चम्मच हल्दी डालकर ब्लेंड कर लें। बाद में इसमें 1 छोटा चम्मच जीरा, 1/2 छोटा चम्मच धनिया पाऊडर, छोटा डेढ़ चम्मच नमक, 130 ग्राम इमली पल्प और हरी मिर्च डालकर 4-5 मिनट तक पकाएं। आपका हैदराबादी मिर्ची का सालन तैयार है। इसे गर्मा-गर्म परोसें।

चीज मीटबॉल मम्मी

सामग्री

मीटबॉल- 18 (पके हुए) पिज्जा क्रस्ट आटा- 1 रोल

बेम्बू स्वीकर्स

ब्लैक ऑलिव- 8

क्रीमी चीज- 2 टेबलस्पून पास्ता सॉस

विधि

सबसे पहले मीटबॉल को बेम्बू स्टिक के चारों तरफ अच्छी तरह से रेप कर दें। इसके बाद पिज्जा क्रस्ट को कुछ देर के लिए फ्रिज में रख दें। पिज्जा क्रस्ट को फ्रिज में से निकाल कर द इंच कर काट लें। अब इसे आंखो की जगहें छोड़ते हुए मीटबॉल के पर लपेट दें। इसमें से बेम्बू स्टिक को निकाल कर बेंकिग शीट रख दें। अब इन मम्मी को 350 डिग्री तक 22 मिनट के गोल्डन बाउन होने तक लिए बेक करें। इसके बाद इसे ओवन से निकाल कर ठंडा होने दे। क्रीमी चीज को फॉस्टिंग बैग में डालकर इसकी आंख वाली जगहें पर लगा कर उसके उपर से ब्लैक ऑलिव लगाएं। इनमें से कुछ ऑलिव को काट कर बेम्बू स्टिक में लगा दें। इन्हें प्लेट में लगा कर बेम्बू स्टिक ऑलिव से डेकोरेट करें। आपकी चीज मीटबॉल मम्मी बन कर तैयार है। अब आप इसे पास्ता सॉस के साथ सर्व करें।

संपादकीय

एक और टूट की कगार पर खड़ी है कांग्रेस

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस की वर्तमान स्थिति को देखते हुए एक बड़ा वक्तव्य दिया है। उन्होंने कांग्रेस को 'मुस्लिमलीगी माओवादी कांग्रेस' करार देते हुए कहा कि यह पार्टी एक और बड़े विभाजन की कगार पर खड़ी है। कांग्रेस के मौजूदा हालात, आंतरिक कलह और निराशा को देखते हुए, प्रधानमंत्री मोदी के इस बयान को बल मिलता दिख रहा है। याद रहे कि कांग्रेस के विभाजन का एक लंबा इतिहास रहा है। वर्ष 1969 में श्रीमती इंदिरा गांधी और निजलिंगप्पा के बीच मतभेद, 1978 में कांग्रेस (आई) का गठन और 1999 में एनसीपी के जन्म, कांग्रेस विभाजन के मुख्य अध्याय हैं। इसके अलावा 60 से अधिक बार कांग्रेस टूटी है। कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने पार्टी और नेतृत्व की नीतियों से नाराज होकर अलग होकर अपने दल बनाए। हालांकि सब सफल नहीं हो पाए लेकिन कांग्रेस को बड़ा नुकसान हुआ। कांग्रेस में आये विभाजनों के पीछे कांग्रेस की नीतियां और नेतृत्व मुख्य कारण रहे हैं। इस समय कांग्रेस पर नेहरू परिवार की गहरी पकड़ है। जनदबाव के कारण अध्यक्ष भले ही मल्लिकार्जुन खड़गे को बना दिया गया हो लेकिन आज भी निर्णायक भूमिका 'आलाकमान' की ही है। यह बात स्वयं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे स्वीकार कर चुके हैं। कांग्रेस की वर्तमान गति को देखें तो ध्यान आता है कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस लगातार न केवल हार रही है अपितु समाज का विश्वास भी खो रही है। ऐसे में भीतर से सवाल उठना स्वाभाविक ही है। पहले जी-23 समूह में शामिल नेताओं ने कांग्रेस में संगठनात्मक सुधार की आवाज उठायी। हालांकि, उनके स्वर धीरे-धीरे ठंडे पड़ गए लेकिन उनके मन में व्यथा अब भी बनी हुई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर आजकल लगातार कांग्रेस को आईना दिखा रहे हैं। उन्होंने भी हाल में कहा कि कांग्रेस वाम से भी ज्यादा वामी होती जा रही है। बहरहाल, बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की करारी हार, खासकर कांग्रेस के बेहद निराशाजनक प्रदर्शन (61 में से 6 सीट) ने देश की सबसे पुरानी पार्टी के भीतर की दरारों को चौड़ा कर दिया है। यह हार महज चुनावी पराजय नहीं है, बल्कि उस संगठनात्मक अस्थिरता और नेतृत्व संकट का ज्वलंत प्रमाण है जिससे कांग्रेस बीते कई वर्षों से जूझ रही है। नतीजे आते ही कांग्रेस के भीतर जो सिरफुटव्वल शुरू हुई है, वह अब खुलेआम दिख रही है। बिहार कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह जैसे नेताओं ने सीधे तौर पर टिकट बंटवारे और चुनावी रणनीति पर सवाल उठाए हैं और बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू तथा आरजेडी के संजय यादव को हार के लिए जिम्मेदार ठहराया है। वरिष्ठ नेताओं को किनारे करने और 'बाहर के लोगों को ठेके पर' बिहार कांग्रेस सौंपने का उनका आरोप गहरा असंतोष दर्शाता है। यह असंतोष केवल बिहार तक सीमित नहीं है। कृपानंद पाठक की 'गंभीर संकट' की चेतावनी हो या पूर्व राज्यपाल निखिल कुमार का संगठनात्मक कमजोरी को हार की मुख्य वजह बताना, ये सब एक ही दिशा में इशारा करते हैं—जवाबदेही का अभाव। सबसे तीखी टिप्पणी अहमद पटेल की बेटी मुमताज पटेल की ओर से आई है कि ₹सत्ता चंद लोगों के हाथों में केंद्रित होने के कारण लगातार असफलताएं ही मिलेंगी।₹ यह टिप्पणी सीधे तौर पर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के केंद्रीकरण पर सवाल खड़ा करती है। कांग्रेस के लिए यह गहन मंथन का समय है। यदि पार्टी ने इस बार भी अपनी हार की 'गहन समीक्षा' को महज कागज़ी कार्यवाही तक सीमित रखा, असंतुष्ट आवाज़ों को दबाया और प्रभावी आंतरिक सुधार नहीं किए, तो प्रधानमंत्री मोदी का दावा सच साबित हो सकता है।

कांग्रेस को 'मुस्लिमलीगी माओवादी कांग्रेस' करार देते हुए कहा कि यह पार्टी एक और बड़े विभाजन की कगार पर खड़ी है। कांग्रेस के मौजूदा हालात, आंतरिक कलह और निराशा को देखते हुए, प्रधानमंत्री मोदी के इस बयान को बल मिलता दिख रहा है। याद रहे कि कांग्रेस के विभाजन का एक लंबा इतिहास रहा है। वर्ष 1969 में श्रीमती इंदिरा गांधी और निजलिंगप्पा के बीच मतभेद, 1978 में कांग्रेस (आई) का गठन और 1999 में एनसीपी के जन्म, कांग्रेस विभाजन के मुख्य अध्याय हैं। इसके अलावा 60 से अधिक बार कांग्रेस टूटी है। कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने पार्टी और नेतृत्व की नीतियों से नाराज होकर अलग होकर अपने दल बनाए। हालांकि सब सफल नहीं हो पाए लेकिन कांग्रेस को बड़ा नुकसान हुआ। कांग्रेस में आये विभाजनों के पीछे कांग्रेस की नीतियां और नेतृत्व मुख्य कारण रहे हैं। इस समय कांग्रेस पर नेहरू परिवार की गहरी पकड़ है। जनदबाव के कारण अध्यक्ष भले ही मल्लिकार्जुन खड़गे को बना दिया गया हो लेकिन आज भी निर्णायक भूमिका 'आलाकमान' की ही है। यह बात स्वयं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे स्वीकार कर चुके हैं। कांग्रेस की वर्तमान गति को देखें तो ध्यान आता है कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस लगातार न केवल हार रही है अपितु समाज का विश्वास भी खो रही है। ऐसे में भीतर से सवाल उठना स्वाभाविक ही है। पहले जी-23 समूह में शामिल नेताओं ने कांग्रेस में संगठनात्मक सुधार की आवाज उठायी। हालांकि, उनके स्वर धीरे-धीरे ठंडे पड़ गए लेकिन उनके मन में व्यथा अब भी बनी हुई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर आजकल लगातार कांग्रेस को आईना दिखा रहे हैं।

पुरुषों की तुलना में महिलाओं का मतदान 8.15 प्रतिशत ज्यादा रहा

बिहार में बडबोली राजनीति की हार, सुशासन की नई सुबह

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करिश्माई व्यक्तित्व, गृहमंत्री अमित शाह की चुनावी रणनीति और उनकी जनस्वीकार्यता आज भी भारतीय राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाती है। यह जीत सिर्फ एक गठबंधन की सफलता नहीं, बल्कि बिहार के भविष्य की नई रूपरेखा का संकेत है। नीतीश कुमार के अनुभवी नेतृत्व, भाजपा की संगठनात्मक मजबूती और उभरते हुए युवा सितारे चिराग पासवान के प्रभावी प्रदर्शन ने मिलकर इस चुनाव को एनडीए के पक्ष में एक मिसाल बना दिया। एनडीए की जीत के पीछे उनके 10 प्रमुख वादे हैं जिनमें पंचामृत गारंटी, रोजगार सृजन, मुफ्त शिक्षा, महिलाओं के लिए योजनाएं, कृषि सुधार और बुनियादी ढांचे का विकास शामिल है। इस बार के चुनाव इसलिये भी ख़ास रहे क्योंकि 1951 के बाद बिहार में इस बार सबसे ज्यादा वोट पड़े। इस बार बिहार में 67.13 प्रतिशत मतदान हुआ जो कि पिछले विधानसभा चुनाव से 9.6 प्रतिशत ज्यादा है।

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक एवं अनूठी जीत ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करिश्माई व्यक्तित्व, गृहमंत्री अमित शाह की चुनावी रणनीति और उनकी जनस्वीकार्यता आज भी भारतीय राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाती है। यह जीत सिर्फ एक गठबंधन की सफलता नहीं, बल्कि बिहार के भविष्य की नई रूपरेखा का संकेत है। नीतीश कुमार के अनुभवी नेतृत्व, भाजपा की संगठनात्मक मजबूती और उभरते हुए युवा सितारे चिराग पासवान के प्रभावी प्रदर्शन ने मिलकर इस चुनाव को एनडीए के पक्ष में एक मिसाल बना दिया। एनडीए की जीत के पीछे उनके 10 प्रमुख वादे हैं जिनमें पंचामृत गारंटी, रोजगार सृजन, मुफ्त शिक्षा, महिलाओं के लिए योजनाएं, कृषि सुधार और बुनियादी ढांचे का विकास शामिल है। इस बार के चुनाव इसलिये भी ख़ास रहे क्योंकि 1951 के बाद बिहार में इस बार सबसे ज्यादा वोट पड़े। इस बार बिहार में 67.13 प्रतिशत मतदान हुआ जो कि पिछले विधानसभा चुनाव से 9.6 प्रतिशत ज्यादा है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं का मतदान 8.15 प्रतिशत ज्यादा रहा है। इस बार के मतदान में पुरुषों की हिस्सेदारी 62.98 प्रतिशत रही और महिलाओं की 71.78 प्रतिशत। बिहार में 3.51 करोड़ महिला वोटर हैं और 3.93 करोड़ पुरुष वोटर और कुल मतदाताओं की तादाद 7.45 करोड़ है। बिहार विधानसभा चुनाव के ताजा रुझानों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के 200 सीटों के आंकड़े को पार कर रहा है, इस जनादेश में महिला मतदाताओं की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसा प्रतीत होता है कि एकतरफा बिहार की महिलाओं का विश्वास जीत गया है, एनडीए विजयी हुआ है, बिहार विजयी हुआ है और महागठबंधन का बड़बोलापन हारा है। महागठबंधन की करारी हार अपने आप में कई सवाल छोड़ती है। चुनावी रैलियों में भीड़ जरूर इकट्ठी हुई, भाषणों में तीखे हमले भी हुए, लेकिन विपक्ष जनता का विश्वास जीतने में विफल रहा। नेतृत्व की अस्पष्टता, रणनीति की कमी, और विकास तथा सुशासन पर ठोस विजन की गैर-हाजिरी ने जनता को यह सोचने पर मजबूर किया कि सत्ता परिवर्तन से स्थिरता नहीं, बल्कि अनिश्चितता बढ़ सकती है। महागठबंधन बार-बार सामाजिक न्याय और पुराने नारों की दुहाई देता रहा, लेकिन आज का बिहार उन नारों से अधिक उम्मीदें रखता है-रोज़गार, सुरक्षा, कानून व्यवस्था और बुनियादी सेवाओं की निरंतरता। इन मुद्दों पर विपक्ष का स्पष्ट और भरोसेमंद खाका सामने नहीं आ सका। यही कारण है कि उसके नेताओं की बड़बोली बयानबाज़ी जनता पर असर नहीं डाल सकी, बल्कि कई जगह उलटा असर दिखा गई। इसके विपरीत एनडीए ने अपने चुनाव अभियान को "स्थिरता $ विकास" के सूत्र में पिरोया। मोदी की राष्ट्रव्यापी स्वीकार्यता, केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी

नीतियां-योजनाएं और नीतीश कुमार की सुशासन-छवि ने बिहार के मतदाता को यह भरोसा दिया कि यह गठबंधन अनुभव, विश्वास, विकास और नीतिगत दृढ़ता का सही मिश्रण है। नीतीश कुमार भले कई राजनीतिक मोड़ों के लिए आलोचित हुए हों, लेकिन जनता के मन में उनकी छवि एक ऐसे प्रशासक की बनी हुई है, जो लंबे समय से बिहार को कानून-व्यवस्था, महिला सशक्तिकरण, सड़क-निर्माण और शिक्षा सुधार जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ाने का प्रयास करता रहा है। इस छवि का लाभ एनडीए को व्यापक रूप से मिला। भाजपा की संगठनात्मक मशीनरी ने बूथ तक प्रभावी और लक्षित पहुंच बनाई, जिससे मतदाताओं में यह भरोसा मजबूत हुआ कि केंद्र व राज्य का समन्वय विकास की गति को और तेज करेगा। इन चुनावों का एक बड़ा आकर्षण चिराग पासवान का उभार रहा। उन्होंने यह साबित कर दिया कि वे किसी के "मोहरा" नहीं, बल्कि भविष्य के निर्णायक खिलाड़ी हैं। उनके आक्रामक और आत्मविश्वासी अभियान ने युवा और दलित वर्ग में नई ऊर्जा जगाई। एनडीए के भीतर उनकी भूमिका महज सांकेतिक नहीं थी, बल्कि वास्तविक जनाधार और असर से भरपूर रही। सीटों पर उनकी उल्लेखनीय पकड़ ने यह संदेश दिया कि वे आने वाले वर्षों में बिहार की राजनीति को नए सिरे से परिभाषित कर सकते हैं। यह भी सच है कि उनकी बढ़ती लोकप्रियता नीतीश कुमार के लिए संतुलन साधने की चुनौती भी बन सकती है, लेकिन यदि गठबंधन समन्वय बनाए रखता है, तो बिहार को इससे मजबूत नेतृत्व का लाभ मिल सकता है। अब सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि इस ऐतिहासिक जीत के बाद बिहार किस दिशा में आगे बढ़ेगा। जनता की अपेक्षाएँ बहुत ऊँची हैं- सुरक्षित समाज, संवेदनशील प्रशासन, भ्रष्टाचार पर अंकुश और विकास की तेज रफ्तार। कानून-व्यवस्था बिहार की राजनीति का सबसे संवेदनशील मुद्दा रहा है। लोग चाहते हैं कि अपराध-नियंत्रण में सुधार हो, पुलिस प्रशासन आधुनिक और जवाबदेह बने, और न्यायिक प्रक्रियाओं में तेजी आए। एनडीए के पास केंद्र और राज्य दोनों के संसाधन और राजनीतिक सामर्थ्य है, इसलिए उससे उम्मीद यह है कि वह "सुशासन का दूसरा अध्याय" लिखने की दिशा में ठोस कदम उठाएगा। भाजपा न सिर्फ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, बल्कि जेडीयू के बगैर भी वह एनडीए के अन्य सहयोगियों के साथ जादुई आंकड़े को पार करती नजर आ रही है। ऐसे में नीतीश कुमार के लिए भाजपा के साथ किसी तरह का बिहार में बार्गेनिंग करना आसान नहीं रह गया है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की ओर से यह बार-बार दोहराया गया है कि चुनाव के बाद भी परिणाम चाहे जो भी आएं, गठबंधन के चेहरे नीतीश कुमार ही बने रहेंगे। जेडीयू की ओर से भी यह बात दोहराई गई है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही होंगे। फिलहाल इस पूरे चुनाव में महिला वोटर्स गेम चेंजर बताई जा रही हैं और ऐसा हुआ बिहार चुनाव से पहले महिला रोजगार योजना के तहत बिहार सरकार द्वारा महिलाओं के खाते में 10 हजार रुपये भेजे जाने से। वहीं चुनाव में महागठबंधन को बड़ा झटका लगा है। निश्चित ही इन चुनाव परिणामों में बिहार का मतदाता अधिक सजग एवं विवेकशील दिखाई दिया हैं। वह जानता है कि सत्ता परिवर्तन से अधिक जरूरी है संस्कृति परिवर्तन, राजनीतिक शुचिता, विकास, कानून व्यवस्था और प्रशासनिक जवाबदेही। इस चुनाव ने केवल विधानसभा की सीटें तय नहीं की है, बल्कि यह तय किया है कि अब बिहार की जनता अपनी पुरानी परछाइयों से निकलकर प्रकाश की ओर बढ़ेगी। क्योंकि बिहार में पिछड़ेपन, भ्रष्टाचार, अराजकता की चर्चा तो होती रही है, लेकिन इन जटिल से जटिलतर होती समस्याओं से बाहर निकलने के रास्ते दिखाई नहीं दिये। बिहार की जनता का मोदी के प्रति एक नये तरह का विश्वास जागा है। पिछली सरकारों के दौर में बिहार बदहाली के दौर से काफी निकल चुका है और विगत दो दशक में यहां की स्थितियां काफी बदली है। इस बार बिहार चुनाव के परिणाम चौंकाने वाले इसलिये भी बने हैं कि इसकी आहट उन घोषणाओं से भी मिलती है, जो नीतीश सरकार ने की हैं। महिलाओं, दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए पहली बार इस पैमाने पर ऐलान किए गए हैं। इस चुनावी जनादेश को केवल राजनीतिक वर्चस्व के चश्मे से नहीं, बल्कि जनविश्वास की कसौटी से देखना जरूरी है। यह जीत भाजपा, जेडीयू और एलजेपी (रामविलास) के लिए अवसर भी है और चुनौती भी। अब उन्हें यह साबित करना होगा कि चुनावी नारों की चमक शासन की रोशनी में भी कायम रह सकती है। बिहार की जनता ने महागठबंधन की ऊँची-ऊँची बातों, वंशवादी दावों और बड़बोले नेताओं की कटुता को नकारकर यह संदेश दिया है कि उन्हें स्थिरता, ईमानदार नेतृत्व और विकास का भरोसा चाहिए। इन चुनाव परिणामों ने एक बार फिर कांग्रेस को करारी हार दी है, जो पार्टी के लिये आत्ममंथन का बड़ा कारण है। एनडीए की यह जीत केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि बिहार के नए भाग्य का उदय है। अब देखते हैं कि यह उदय सच्चे अर्थों में उजाला बिखेरता है या सिर्फ राजनीतिक रोशनी भर साबित होता है।

देश दुनिया से

आखिर क्या होता है-'व्हाइट कॉलर टेरेरिज्म?

10 नवंबर 2025 को राजधानी दिल्ली में लाल किले के पास हुए आतंकी धमाके में अब तक 13 लोगों की जानें गईं बता रहे हैं, यह बहुत ही दुखद है। वास्तव में, यह हमला कहीं न कहीं हमारे देश की सुरक्षा व्यवस्था पर भी एक प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। हालांकि, जांच एजेंसियां, सुरक्षा बल अपना काम लगातार कर रहें हैं, तथा हमले के तार कहां से लेकर कहां तक जुड़े हैं, इसके बारे में पता लगाने का पूरा प्रयास कर रहे हैं, लेकिन आज नक्सलवाद की भांति ही आतंकवाद पर भी नकेल कसने की जरूरत है।हाल फिलहाल, इस आतंकी हमले (10/11) के तार जहां तक पहुंच रहे हैं, उससे यह अवधारणा तो कहीं न कहीं टूटती नज़र आती है कि आर्थिक-सामाजिक रूप से हाशिए पर पहुंचे लोगों को धार्मिक कट्टरता का पाठ आसानी से पढ़ाया जा सकता है। दरअसल, हाल ही में भारत में पकड़े गए कुछ आतंकी मॉड्यूल/संदिग्धों ने इस प्रकार के आतंकवाद के विस्तार को उजागर किया है, जिसमें उच्च पदस्थ और संपन्न वर्ग के लोग शामिल पाए गए हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो दिल्ली धमाके में जांच एजेंसियों ने जो नाम उजागर किए हैं, उनमें विश्वविद्यालयों में पढ़ने-पढ़ाने वाले, टेक्नोलॉजी और सोशल नेटवर्किंग की गहरी समझ रखने वाले लोग हैं और इन्हें 'सफेदपोश आतंक तंत्र' (वाइट कॉलर टेरर इकोसिस्टम) के रूप में परिभाषित किया जा रहा है।पाठक इस बात को अच्छी तरह समझते हैं कि 'व्हाइट कॉलर आतंकवाद' शब्द आतंकवाद का वास्तविक रंग नहीं है, बल्कि यह एक प्रकार के आतंकवाद को परिभाषित करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक रूपक है। वैसे, यहां पाठकों को बताता चलूं कि व्हाइट-कालर आतंकवाद एक ऐसा शब्द है जो उन गतिविधियों के लिए प्रयोग किया जाता है, जिनमें आतंकवादी या अपराधी हथियारों या बमों का उपयोग नहीं करते, बल्कि आर्थिक (साइबर अटैक, बैंकिंग फ्रॉड, बड़े स्तर पर घोटाले, डेटा चोरी, फेक न्यूज़ फैक्टरी, शेयर बाजार में हेराफेरी आदि), तकनीकी, प्रशासनिक या डिजिटल माध्यमों से समाज, सरकार या किसी संस्था को गंभीर नुकसान पहुँचाते हैं। सरल शब्दों में कहा जा सकता है कि व्हाइट-कालर आतंकवाद वह आतंकवाद है जो कलम, कंप्यूटर और पैसे के जरिए किया जाता है-जिसका असर बंदूक, बम से चलाए गए आतंक जितना ही घातक हो सकता

है। बहरहाल, यह वाकई बहुत ही चिंताजनक है कि आज शिक्षित और पेशेवर लोग यदि आतंकवाद में शामिल हो रहे हैं, जैसा कि हाल ही में (आतंकी हमलों के तार जुड़े होने के क्रम में) यह सामने आया है।जब डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर या अन्य तकनीकी विशेषज्ञ आतंकी बनेंगे, या आतंकवादी घटनाओं में शामिल होंगे, तो यह तो ठीक वही बात हुई, कि बाड़ ही अब खेत को खाने लगी है या यूं कहें कि रक्षक ही अब भक्षक बन रहे हैं। वास्तव में, यहां कहना ग़लत नहीं होगा कि आज व्हाइट कालर आतंकवाद देश के लिए एक चुनौती है।दिल्ली धमाके मामले में अब तक जितने भी संदिग्धों के नाम सामने आए हैं, उनमें से अधिकतर पढ़े-लिखे, पेशेवर लोग हैं। कहने को तो ये पढ़े-लिखे और डिग्रीधारक (डॉक्टर) हैं, लेकिन इनका असली काम आतंकवाद फैलाना और आतंकी गतिविधियों में शामिल होना है। इनके तार दिल्ली, हरियाणा से लेकर जम्मू-कश्मीर तक जुड़े बताए जा रहें हैं, जो दर्शाता है कि देश में व्हाइट कॉलर आतंकियों का नेटवर्क बढ़ रहा है।अब तक आतंकवाद के प्रमुख कारणों में राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक और सामाजिक असमानता, धार्मिक या वैचारिक कट्टरता, राजनीतिक उत्पीड़न, विदेशी हस्तक्षेप और जातीय तनाव आदि को माना जाता रहा है। यह माना जाता रहा है कि इन सभी कारकों से समाज में असंतोष और निराशा पैदा होती है, जो लोगों को हिंसक रास्ते या आतंकवाद का रास्ता अपनाने के लिए उकसा सकती है, लेकिन व्हाइट कॉलर आतंकवाद इस धारणा को तोड़ता है। आज एआइ व आधुनिक तकनीक, सोशल मीडिया का जमाना है, और यह संभव है कि सोशल मीडिया के इस आधुनिक युग में कहीं भी दूर बैठे ही, संचार के आधुनिक साधनों/उपकरणों की मदद से इन पेशेवर व पढ़े लिखे लोगों के मन में कट्टरपंथियों/आतंकियों ने जहर भर दिया गया हो। अब हमारे देश के सुरक्षा बलों, हमारी सरकारों, हमें स्वयं और हमारी सभी खुफिया एजेंसियों को सिर्फ आतंकवाद से ही नहीं लड़ना है, बल्कि इसके उन्नत रूप 'व्हाइट कॉलर आतंकवाद' से भी लड़ना है।हम यदि मिलकर इस दिशा में काम करेंगे तो कोई दोराय नहीं कि हम इनको (आतंकियों व इनके आकाओं) न पकड़ पाएं। बहरहाल, ऐसा भी नहीं है कि 'व्हाइट कॉलर आतंकवाद' का कंसेप्ट कोई नया कंसेप्ट है। पहले भी दुनियाभर में कई मामले ऐसे सामने आए हैं, जहां आतंकी संगठनों को बौद्धिक या तकनीकी सहायता देने के बाद उच्च शिक्षित युवा खुद भी आतंकी हरकतों को अंजाम देने लगे हैं, लेकिन चिंताजनक बात यह है कि भारत में भी इस तरह का आतंकवाद अब सामने आने लगा है या यूं कहें कि भारत के खिलाफ इस तरह के आतंकवाद की साज़िश अब रची जाने लगी है, जैसा अब सामने आ रहा है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आतंकियों की जो लीडरशिप रही है, अमूमन वह भी उच्च शिक्षित, पेशेवर रही है। उदाहरण के तौर पर आतंकी संगठन अलकायदा का संस्थापक अल जवाहिरी मेडिकल सर्जन था, तो वहीं दूसरी ओर अल-कायदा नामक आतंकी संगठन का संस्थापक और प्रमुख ओसामा बिन लादेन, जो कि दुनिया का सबसे ख़तरनाक अंतरराष्ट्रीय आतंकी माना गया था, साथ ही जो 11 सितंबर 2001 को अमेरिका में हुए वर्ल्ड ट्रेड सेंटर हमलों का मुख्य साज़िशकर्ता था, तथा जो 2 मई 2011 को पाकिस्तान के एबटाबाद में अमेरिकी नेवी सील्स के ऑपरेशन में मारा गया, के पास भी इंजीनियरिंग की डिग्री थी।इसी प्रकार से आइएसआइएस के पूर्व सरगना अबू बकर बगदादी ने भी एक स्कॉलर के रूप में अपनी धाक जमा रखी थी। यहां पाठकों को बताता चलूं कि, जैसा कि मीडिया में भी यह खबरें आतीं रहीं हैं कि अलकायदा और आइएसआइएस जैसे संगठन तो डॉक्टरों और इंजीनियरों जैसे पेशेवरों की अपने संगठन में भर्ती का विशेष अभियान चलाते रहे हैं। अंत में, यही कहूंगा कि शिक्षा आतंकवाद के खिलाफ सबसे प्रभावी, दीर्घकालिक और शांतिपूर्ण हथियारों में से एक मानी जाती है, जैसा कि इसका प्रभाव सीधे व्यक्ति के सोचने, समझने और निर्णय लेने की क्षमता पर पड़ता है। वास्तव में, अशिक्षा और आधी-अधूरी जानकारी आतंकवादी संगठनों का सबसे बड़ा हथियार होती है।

आप का नजरिया

धरती की हरित माँ का अवसान, चेतना का पुनर्जागरण

कभी कभी इतिहास किसी साधारण व्यक्ति को चुनकर उसे असाधारण बना देता है। वह न अपने लिए पहचान माँगता है, न सम्मान की भूख रखता है—वह केवल कर्म करता है, और उसका कर्म ही उसकी अनश्वर पहचान बन जाता है। दुनिया ने खोया नहीं—उन्होंने पाया। पाया एक ऐसी विरासत, जो पत्तों की सरसराहट में चेतना का पुनर्जागरण गाती है। 114 वर्ष की यह वृद्धा, जिसे 'वृक्षमाता' कहा जाता है, न मरी—बल्कि पेड़ों की शाखाओं में विलीन हो गईं। उनका जाना एक अंत नहीं, बल्कि हर हरी डाल पर उभरता एक नया संकल्प है: प्रकृति की ममता कभी मिटती नहीं, वह बस रूप बदल लेती है। थिमक्का.का जीवन किसी पुस्तकालय की किताबों से नहीं, बल्कि धरती की धूल, धूप और हवा से लिखा गया था। वे गरीब थीं, पर मन से अमीर। एक साधारण स्त्री, हाथों में मिट्टी का कण, आंखों में अनंत हरियाली का सपना, और सीने में संतानहीनता का दर्द। लेकिन वह दर्द न मिटाया, बल्कि पेड़ों की जड़ों में उतार दिया। उन्होंने कभी स्कूल की चौखट नहीं देखी, पर प्रकृति की किताब उनसे ज्यादा किसी ने नहीं पढ़ी। जब समाज उन्हें "निसंतान" कहकर कटाक्ष करता था, तभी उन्होंने वह फैसला किया जिसने उन्हें अमर कर दिया—उन्होंने पेड़ों को अपने बच्चे मान लिया। वे अकसर कहा करती थीं, "मेरे बच्चे छाया देंगे, इसलिए वे मुझसे अधिक जीएँगे।" थिमक्का का जन्म 30 जून 1911 को हुआ था—तुमकुर जिले के गुम्मी गांव में, एक गरीब परिवार की कोख से। कोई स्कूल की घंटी न सुनी, कोई किताब का स्पर्श न किया। बचपन से ही खदानों में मजदूरी, भेड़-बकरियों को चराना—जीवन की धूल और धूप ही उनकी पहली गुरु बनीं। शादी चिक्का मुद्दप्पा से हुई, एक रेलवे मजदूर से। लेकिन संतान का सुख न मिला। समाज के कटाक्ष चुभते, ताने काटते। "निसंतान," वे चिल्लाते। लेकिन थिमक्का ने आंसू नहीं बहाए—उन्होंने बीज बोए। 1940 के दशक में शुरू हुई यह यात्रा, एक मां की पुकार थी। पति के साथ मिलकर, हुलिकल से कुडुर तक फैली 4.5 किलोमीटर लंबी सड़क पर बरगद के 385 पेड़ लगाए। हर पौधा एक शिशु, हर पानी की बूंद एक दूध की धारा। वे रविवारों को, जब दुनिया सोती, पैदल 4-5 किलोमीटर चलकर पानी ढोतीं। तपती कर्नाटक की धूप में खड़ी होकर मिट्टी सींचतीं, जैसे कोई देवी अपनी संतानों को जीवन का आशीर्वाद दे रही हो। और संख्या? वह तो सिर्फ आंकड़े हैं। वास्तव में, थिमक्का ने 8,000 से अधिक पेड़ लगाए—नीम, नीलगिरी, शीशम, आकेशिया। हर एक ने मिट्टी को बांधा, हवा को शुद्ध किया, पक्षियों को आश्रय दिया। उनके 'सावलुमाराडा'—कन्नड़ में 'पेड़ों की पंक्ति'—आज भी रामनगर जिले की उस सड़क पर खड़े हैं, यात्रियों को ठंडी छांव देते, माइक्रोक्लाइमेट को संतुलित रखते। शोध बताते हैं कि इन पेड़ों ने मिट्टी कटाव रोका, वर्षा पैटर्न सुधारा, जैव-विविधता बढ़ाई। कीटों का घर, छोटे जीवों का आश्रम—यह सब थिमक्का की ममता का फल है। 1991 में पति के निधन के बाद भी वे न रुकीं। 2020 में हिप सर्जरी, अक्टूबर 2023 से गंभीर अस्थमा—फिर भी, 111वीं जयंती पर, 30 जून 2022 को, डॉ. बी.आर. अंबेडकर भवन में मुस्कुराईं। उनका जीवन कोई साधारण कथा नहीं—एक यज्ञ था, जहां आहुति थी मेहनत, और प्रसाद था हरियाली। यह मेहनत व्यर्थ न गई। पुरस्कार बरसे जैसे वर्षा। 2019 में पद्मश्री—भारत का चौथा सर्वोच्च नागरिक सम्मान। नेशनल ग्रीन आर्मी अवॉर्ड, वनमित्र अवॉर्ड, बार्ट ब्रूंस अवॉर्ड, ग्रीनिस्ट आइकन अवॉर्ड। 2016 में बीबीसी ने दुनिया की सबसे प्रभावशाली महिलाओं में गिना। 1999 में डॉक्यूमेंटरी 'तिम्मक्का मठु 284 मक्कालु' बनी, जो अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में चमकी। जब उनसे सम्मान और पुरस्कारों के बारे में पूछा जाता था, तो वे सरलता से कहती थीं—"पेड़ सबसे बड़ा पुरस्कार हैं।" ऐसी विनम्रता आज के दौर में दुर्लभ है, जहाँ लोग छोटे कामों का भी ढोल पीटते हैं। जब सड़क चौड़ीकरण की योजना बनी, 100 वर्ष की उम्र में वे लड़ीं। तत्कालीन मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री से मिलीं, गुहार लगाई। योजना रद्द। यह जीत सिर्फ पेड़ों की नहीं—पर्यावरण के अधिकार की थी। कर्नाटक सरकार ने उनके नाम पर थिमक्का फाउंडेशन बनाया, जो ग्रामीण महिलाओं को जागरूक करता है।

114 वर्ष की यह वृद्धा, जिसे 'वृक्षमाता' कहा जाता है, न मरी—बल्कि पेड़ों की शाखाओं में विलीन हो गईं। उनका जाना एक अंत नहीं, बल्कि हर हरी डाल पर उभरता एक नया संकल्प है: प्रकृति की ममता कभी मिटती नहीं, वह बस रूप बदल लेती है। थिमक्का.का जीवन किसी पुस्तकालय की किताबों से नहीं, बल्कि धरती की धूल, धूप और हवा से लिखा गया था। वे गरीब थीं, पर मन से अमीर। एक साधारण स्त्री, हाथों में मिट्टी का कण, आंखों में अनंत हरियाली का सपना, और सीने में संतानहीनता का दर्द। लेकिन वह दर्द न मिटाया, बल्कि पेड़ों की जड़ों में उतार दिया। उन्होंने कभी स्कूल की चौखट नहीं देखी, पर प्रकृति की किताब उनसे ज्यादा किसी ने नहीं पढ़ी। जब समाज उन्हें "निसंतान" कहकर कटाक्ष करता था, तभी उन्होंने वह फैसला किया जिसने उन्हें अमर कर दिया—उन्होंने पेड़ों को अपने बच्चे मान लिया। वे अकसर कहा करती थीं, "मेरे बच्चे छाया देंगे, इसलिए वे मुझसे अधिक जीएँगे।"

कुछ अलग

महाभारत में अर्जुन ने किया था सुभद्रा का हरण

श्रीकृष्ण बलराम और इनकी बहन सुभद्रा से जुड़ा किस्सा है। बलराम चाहते थे कि सुभद्रा का विवाह दुर्योधन से हो। वे मानते थे कि ये गठबंधन कौरवों और यादवों के बीच मित्रता को मजबूत करेगा, लेकिन सुभद्रा अर्जुन से विवाह करना चाहती थीं। अर्जुन उस समय वनवास में थे, अर्जुन द्वारका आए और श्रीकृष्ण से मिले। श्रीकृष्ण ने अर्जुन के मन की बात जान ली। उन्होंने मुस्कराते हुए कहा कि पार्थ। सुभद्रा भी तुमसे विवाह करना चाहती है। तुम उसका हृदय जीत चुके हो। अब तुम्हें उसका हाथ भी जीतना होगा। श्रीकृष्ण ने समझाया कि परिस्थिति मुश्किल है, लेकिन सच्चे प्रेम और योग्य निर्णय में साहस की आवश्यकता होती है। श्रीकृष्ण की अनुमति पाकर अर्जुन ने सुभद्रा का अपहरण किया। जब ये बात यदुवंशियों को मालूम हुई तो बलराम क्रोधित हो गए। उन्होंने आदेश दिया कि युद्ध की तैयारी करो। अर्जुन ने हमारे कुल का अपमान किया है। बलराम का आदेश मानकर यदुवंश के सभी योद्धा शस्त्र संभालने लगे, लेकिन श्रीकृष्ण मौन बैठे रहे। श्रीकृष्ण को मौन देखकर बलराम ने पूछा कि कृष्ण। तुम मौन क्यों हो? तुम्हारे कहने पर हमने अर्जुन का सत्कार किया और आज उसने जिस थाली में खाया, उसी थाली में छेद कर दिया है। श्रीकृष्ण बोले कि भैया, क्रोध में निर्णय कभी सही नहीं होता। सोचिए, अर्जुन को मार देंगे तो सुभद्रा विधवा हो जाएगी और अर्जुन कोई साधारण व्यक्ति नहीं है। वह कुंतीपुत्र, महान धनुर्धर और धर्म का रक्षक है। क्या अपनी बहन का जीवन ऐसे व्यक्ति के साथ बंधना बुरा है? उन्होंने आगे कहा कि रिश्तों का निर्णय केवल वर्तमान देखकर नहीं करना चाहिए।

दृष्टि कोण

अमीरी में अभिवृद्धि विद्रोह एवं संकट का बड़ा कारण

विश्व अर्थव्यवस्था पर किए गए हालिया अध्ययन विशेषकर जी-20 पैनल की रिपोर्ट ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि धन और संपत्ति के वितरण में असमानता अब चरम पर पहुंच चुकी है। रिपोर्ट के अनुसार आज दुनिया की नई बनी संपत्तियों का लगभग तिरेसठ प्रतिशत हिस्सा मात्र एक प्रतिशत अमीर लोगों के पास है जबकि निचले पचास प्रतिशत गरीब लोगों के हिस्से में केवल एक प्रतिशत संपत्ति आई है। यह असमानता केवल आर्थिक नहीं बल्कि नैतिक, सामाजिक और मानवीय संकट का भी संकेत है। यह स्थिति एक आदर्श विश्व संरचना के लिये भी बड़ी बाधा है। यह ऐसी त्रासद, विद्रोहपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण स्थिति है जिसमें एक तरफ लोग मूलभूत सुविधाओं के अभाव में सड़कों पर उतर रहे हैं तो दूसरी ओर अमीर से और अमीर होते लोगों की विलासिता के किस्से तमाम हैं। उदारीकरण व वैश्वीकरण के दौर के बाद पूरी दुनिया में आर्थिक असमानता रूकने का नाम नहीं ले रही है, इससे एक बड़ी आबादी में विद्रोह एवं क्रांति के स्वर उभर रहे हैं। सन् 2000 से 2024 के बीच विश्व अर्थव्यवस्था में अभूतपूर्व वृद्धि हुई, तकनीकी विकास हुआ, उत्पादन बढ़ा और वैश्वीकरण के नाम पर बाजारों का विस्तार हुआ, लेकिन इस विकास का लाभ समान रूप से नहीं बंटा। अमीर और अमीर होते गए, गरीब और गरीब। सन 2000 में जहां विश्व की कुल संपत्ति का पैंतालीस प्रतिशत हिस्सा शीर्ष एक प्रतिशत लोगों के पास था, वहीं 2024 तक यह बढ़कर तिरेसठ प्रतिशत से भी ऊपर पहुंच गया। इसी अवधि में आधी से अधिक आबादी के हिस्से की संपत्ति घटकर केवल एक प्रतिशत रह गई। यह आंकड़े केवल संख्या नहीं, मानवता की दिशा के संकेत हैं कि हम प्रगति के नाम पर असंतुलन का साम्राज्य खड़ा कर रहे हैं। जो विद्रोह का कारण बन रहा है, हिंसा एवं अलगाव का भी कारण बन रहा है। जी-20 पैनल के अध्ययन के अनुसार, वर्तमान में वैश्विक स्तर पर असमानता भयावह स्तर तक जा पहुंची है। निस्संदेह, भारत भी इस स्थिति में अपवाद नहीं है। देश

के सबसे अमीर एक फीसदी लोगों ने केवल दो दशक में अपनी संपत्ति में 62 फीसदी की वृद्धि की है। दुनिया की इस चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में अमीर लगातार अमीर होते जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर गरीब अभाव, तंगी एवं जहालत के दलदल से बाहर आने के लिए छटपटा रहे हैं। इस आर्थिक असमानता का ही नतीजा है कि अमीर व गरीब के बीच संसाधनों का असमान वितरण और बदतर स्थिति में पहुंच गया है। ऑक्सफैम इंडिया की रिपोर्ट बताती है कि देश के शीर्ष दस प्रतिशत लोगों के पास कुल संपत्ति का लगभग सतहत्तर प्रतिशत हिस्सा है जबकि निचले साठ प्रतिशत लोगों के हिस्से में मात्र 4.7 प्रतिशत संपत्ति आती है। बीते दशक में अरबपतियों की संख्या दोगुनी हो गई लेकिन मजदूर, किसान और मध्यम वर्ग की आमदनी स्थिर रही या घटी। एक ओर महानगरों में गगनचुंबी इमारतें, विलासिता और अति उपभोग की चकाचौंध है, तो दूसरी ओर गाँवों और झुग्गियों में रोटी और दवा के लिए संघर्षरत लोग हैं। यही विरोधाभास हमारी विकास यात्रा का सबसे बड़ा प्रश्न बन गया है। निस्संदेह, पैनल की हालिया रिपोर्ट नीति-निर्माताओं को असमानता के इस बढ़ते अंतर को पाटने के तरीके तलाशने और नये साधन खोजने के लिये प्रेरित करेगी। पिछले ही हफ्ते, केरल सरकार ने दावा किया था कि राज्य ने अत्यधिक गरीब तबके की गरीबी का उन्मूलन कर दिया है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञों ने इन दावों को लेकर संदेह जताया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गरीबी मुक्त भारत के निर्माण का संकल्प भी आश्चर्यकारी सफलता के साथ आगे बढ़ रहा है। करीब 25 करोड़ लोगों को गरीब से बाहर लाया गया है।

बेंजामिन नेतन्याहू की अमेरिका को दो टूक कहा–अलग देश नहीं बन पाएगा फिलिस्तीन

तेल अवीव, 17 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में फिलिस्तीन राष्ट्र को लेकर अपना प्रस्ताव पेश करने जा रहा है। इस पर वोटिंग से पहले ही इजरायली राष्ट्रपति बेंजामिन नेतन्याहू ने कसम खा ली है कि वह किसी भी कीमत पर फिलिस्तीन राष्ट्र का समर्थन नहीं करने वाले हैं। नेतन्याहू लंबे समय से यह कहते रहे हैं कि फलस्तीनी राष्ट्र बनाने से हमास को लाभ होगा और इजराइल की सीमाओं पर अंततः हमास द्वारा संचालित एक और भी बड़ा राष्ट्र बनेगा। हालांकि, गाजा में युद्धविराम के प्रस्ताव को आगे बढ़ाने की अमेरिका की कोशिशों के बीच नेतन्याहू को लचीलापन दिखाने के लिए भारी अंतरराष्ट्रीय दबाव का सामना करना पड़ रहा है।

बयान में अमेरिकी प्रस्ताव में गाजा को निरस्त्र करने के हर संदर्भ को खारिज कर दिया गया। नेतन्याहू ने रविवार को इस प्रस्ताव का उल्लेख किया जिसमें गाजा को सेना से मुक्त करने और हमास को निरस्त्र करने का आह्वान किया गया है। उन्होंने अपने मंत्रिमंडल से कहा, यह या तो आसान तरीके से होगा, या कठिन तरीके से। नेतन्याहू ने रविवार को कहा कि फलस्तीनी राष्ट्र की स्थापना के प्रति इजराइल के विरोध में जरा भी बदलाव नहीं आया है और उसे बाहरी या आंतरिक दबाव से बदला नहीं जा सकता। उन्होंने कहा, मुझे किसी की पुष्टि, किसी के ट्वीट या किसी के भाषण की जरूरत नहीं है। सुरक्षा परिषद द्वारा अमेरिका के प्रस्ताव पर मतदान किए जाने की संभावना है, जिसके तहत रूस, चीन और कुछ अरब देशों के विरोध के बावजूद गाजा में एक अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल की स्थापना की जाएगी। हमास और फलस्तीनी गुटों ने रविवार को अमेरिकी प्रस्ताव के खिलाफ चेतावनी दी और इसे गाजा पर एक ऐसा अंतरराष्ट्रीय शासनादेश थोपने का प्रयास बताया जो इजराइल के प्रति पक्षपाती है और फलस्तीनियों को अपने मामलों का प्रबंधन करने के अधिकार से वंचित करता है। इन गुटों ने एक बयान में कहा कि इस बल में इजराइल शामिल नहीं होना चाहिए और यह सीधे संयुक्त राष्ट्र की निगरानी में होना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल में आगामी चुनाव के लिए अब तक 150 राजनीतिक दलों का पंजीकरण

काठमांडू। नेपाल में अगले वर्ष 5 मार्च को होने वाले आम चुनाव के लिए अब तक 150 राजनीतिक दल पंजीकृत हो चुके हैं। रविवार को राजनीतिक दल पंजीकरण के आखिरी दिन 28 नए दलों का पंजीकरण कराया है। सोमवार को आयोजित प्रेस ब्रीफिंग में निर्वाचन आयोग ने बताया कि पंजीकरण प्रक्रिया में शामिल दल आवश्यक दस्तावेजों की जमा एवं सत्यापन की प्रक्रिया पूरी कर रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, इसी अवधि में सात राजनीतिक दलों की मान्यता को रद्द किया गया है। प्रतिनिधि सभा चुनाव के उद्देश्य से आयोग ने दल पंजीकरण के लिए आह्वान किया था। इसके जवाब में कई नए दलों ने भी औपचारिक रूप से पंजीकरण कराया है, जिनमें कुलमान घिसिंग, दुर्गा परसाई और हर्क सम्पाँग के नेतृत्व वाले दल भी शामिल हैं। नेपाल में जेन जी समूह के प्रदर्शन के बाद ओली की सत्ता से बहिर्गमन और पूर्व प्रधान न्यायाधीश सुशीला कार्की के नेतृत्व में अंतरिम सरकार गठन के बाद 5 मार्च को आम चुनाव की घोषणा की गई थी। जिसके बाद निर्वाचन आयोग ने 16 अक्टूबर से 16 नवंबर तक नए राजनीतिक दल का पंजीकरण कराने का आह्वान किया था। इन नए दलों में करीब एक दर्जन दल जेन जी आंदोलन में सहभागी युवाओं का है।

मदीना के पास बस हादसा, 42 भारतीय उमराह तीर्थयात्रियों के मारे जाने की आशंका

रियाद (सऊदी अरब)। मक्का से मदीना जा रहे भारतीय उमराह तीर्थयात्रियों की बस भारतीय समयानुसार रविवार रात लगभग डेढ़ बजे एक डीजल टैंकर से टकरा गई। टक्कर के बाद बस में आग लग गई। इस हादसे में कम से कम 42 लोगों के मारे जाने की आशंका है। इनमें 11 महिलाएं और 10 बच्चों के शामिल होने की बात कही जा रही है। फिलहाल स्थानीय अधिकारियों ने संख्या की पुष्टि नहीं की है। गल्फ न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, यह हादसा मदीना से लगभग 160 किलोमीटर दूर मुहरास–मुफरीहाट के पास हुआ। सऊदी अरब के बचाव दल ने पुष्टि की है कि बस पूरी तरह से जलकर खाक हो गई। किसी भी पीड़ित की पहचान करना बेहद मुश्किल है। एक व्यक्ति बचा लिया गया है। वह बुरी तरह झुलसा हुआ है। सऊदी नागरिक सुरक्षा और पुलिस दल सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचे। भारतीय अधिकारी और उमराह एजेंसी के प्रतिनिधि पीड़ितों के परिवारों से समन्वय बनाने की कोशिश कर रहे हैं। भारत के हैदराबाद शहर में तीर्थयात्रियों के रिश्तेदार चिंता से घिर गए हैं। वह ट्रैवल ऑपरेटरों और अधिकारियों से संपर्क कर रहे हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने हादसे पर गहरा दु:ख व्यक्त किया।

जॉर्डन के साथ रक्षा संबंधों को मजबूत कर रहे पाकिस्तानी सेना प्रमुख मुनीर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर जॉर्डन के साथ रक्षा संबंध मजबूत करने में जुटे हैं। मुनीर ने बयान जारी करके फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और जॉर्डन के किंग के बीच मुलाकात की जानकारी दी। बयान के मुताबिक फील्ड मार्शल ने जॉर्डन के प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया और पाकिस्तान और हाशमी साम्राज्य के बीच में मजबूत रक्षा साझेदारी पर जोर दिया। पाकिस्तान के राष्ट्रपति भवन में जॉर्डन किंग के लिए भोज का आयोजन भी किया गया। पाकिस्तानी सेना के कहा, फील्ड मार्शल ने जॉर्डन के साथ सैन्य सहयोग को और बढ़ाने तथा एक स्थिर और शांतिपूर्ण क्षेत्र के लिए पारस्परिक दृष्टिकोण को संयुक्त रूप से साकार करने की पाकिस्तान की प्रतिबद्धता दोहराई। पाकिस्तान अखबार से बात करते हुए मुनीर ने अपनी कट्टर इस्लामिक सोच को एक बार फिर से जाहिर किया। फील्ड मार्शल ने कहा, पाकिस्तान की सेना अल्लाह की सेना है, और (उसके) सैनिक अल्लाह के नाम पर लड़ते हैं। मुनीर के ये बयान ऐसे समय में आए हैं जब पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने मुनीर की शक्ति को काफी बढ़ा दिया है। संविधान में संशोधन करके मुनीर के लिए चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज नामक एक नया पद बनाया गया है, जिसके बाद मुनीर की पाकिस्तान के ऊपर पकड़ और भी ज्यादा मजबूत हो गई है।

अब खुद ही कैदियों की अदला–बदली शुरू करने की कोशिश कर रहे रुस और यूक्रेन

मॉस्को, 17 नवंबर (एजेंसियां)।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा, हमें युद्धबंदियों के अदला-बदली शुरू किये जाने का भरोसा है। इसे सुनिश्चित करने के लिए वर्तमान में कई बैठकें एवं वार्ताएं हो रही हैं। ऐसे में अब रूस और यूक्रेन मिलकर कुछ हद तक माहौल को हल्का बनाते हुए नजर आ रहे हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रविवार को कहा कि उनका देश रूस के साथ कैदियों की अदला-बदली फिर शुरू करने की कोशिश कर रहा है, जिससे लगभग 1,200 यूक्रेनी कैदी वापस आ सकते हैं।

रूस और यूक्रेन का युद्ध लगातार लंबा खिंचता जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी इस मुद्दे पर अब कम ही बात करते हुए नजर आते हैं। गौरतलब है कि इस मुद्दे पर यूक्रेन की राष्ट्रीय सुरक्षा एवं रक्षा परिषद के सचिव रुस्तम उमेरोव ने एक दिन पहले वार्ता में प्रगति की घोषणा की थी। उमेरोव ने शनिवार को कहा था कि उन्होंने कैदियों का आदान–प्रदान पुनः शुरू करने के लिए तुर्कीए और संयुक्त अरब अमीरात की मध्यस्थता में बात की जा रही है। दोनों देश इस्तांबुल की मध्यस्थता में 1,200 यूक्रेनवासियों को हिरा करने के लिए कैदियों के आदान–प्रदान के लिए सहमत हुए हैं। यूक्रेन की तरफ से भले ही इस पर सहमति जता दी गई हो, लेकिन रूस की तरफ से फिलहाल कोई बयान सामने नहीं आया है। बता दें रूस और यूक्रेन दोनों ही इस्तांबुल समझौते 2022 के तहत कैदियों के आदान–प्रदान का सम्मान करते हैं। इसके तहत ही पिछले तीन सालों में दोनों देश हजारों सैनिकों का आदान–प्रदान कर चुके हैं। यूक्रेन लगातार हो रहे रूसी हवाई हमलों से बचने के लिए जी–जान से प्रयास कर रहा है, जिसके कारण सर्दियों के शुरू होते ही समूचे यूक्रेन में बिजली गुल हो गई है। यूक्रेन की वायु सेना ने रविवार को बताया कि रूस ने रातभर में कुल 176 ड्रोन और एक मिसाइल दागी ।

आसमान के हाथी से कांप रहे रूस और चीन, 600 किमी रेंज में कर लेता है टारगेट

वॉशिंगटन। अमेरिकी कांग्रेस ने वॉर–रूम जैसा संदेश देकर ई–7 वेडगेटेल प्रोग्राम को किसी भी कीमत पर जारी रखने का आदेश थोप दिया है। अमेरिकी वायुसेना की रीढ़ बनने वाले ई–7 वेडगेटेल को बचाने की जंग अब खुलेआम राजनीतिक भिड़ंत में बदल चुकी है और इस बार कांग्रेस ने ऐसा प्रहार किया है जिसने पेंटागन की योजनाओं को हिला दिया। इसकी मारक क्षमता दुश्मन की पूरी वायु रणनीति को ध्वस्त कर देती है। ई–7 वेडगेटेल कोई साधारण हथियार प्रणाली नहीं, बल्कि आसमान में उड़ता हुआ कमांड सेंटर है। इसे आसमान का 'हाथी' कहें, तो इसमें कुछ गलत नहीं होगा क्योंकि जिस तरह से जंगल में हाथी के सामने कोई नहीं टिकता। ठीक उसी तरह से आसमानी जंग में भी ई–7 वेडगेटेल के सामने कोई आने की हिम्मत नहीं करता। आधुनिक युद्ध में सूचना ही असली हथियार है और वेडगेटेल यही हथियार दुश्मन के सिर पर गिराता है। पेंटागन पहले 2026 के बजट में ई–7 प्रोग्राम को खत्म करने की तैयारी कर चुका था। लेकिन यह कदम इतने भारी प्रतिरोध के सामने आ गया कि 19 शीर्ष जनरल, जिनमें छह पूर्व एयर फ़ोर्स चीफ़ ऑफ़ स्टाफ शामिल हैं, ने सीधे सांसदों को चिट्ठी ठोक दी। यह कदम रक्षा इतिहास में लगभग विद्रोह जैसा माना जा रहा है।अब सीनेट ने इस विद्रोही चेतावनी को हथियार बनाते हुए एक बेहद आक्रामक विधायी निर्देश जारी किया है कि वायुसेना को 199.6 मिलियन डॉलर आरडीटी एंड ई फंड 'फुल थ्रस्ट' पर खर्च करने होंगे। यानी ई–7 वेडगेटेल की तेज़ रफ्तार प्रोटोटाइपिंग किसी भी हाल में नहीं रुकेगी। 2025 के बचे हुए ई–7 प्रोक्योरमेंट फंड भी जबरन शिफ्ट किए जाएंगे और वो भी बिना किसी बहाने के। सीधे शब्दों में कहा जाए तो अमेरिकी कांग्रेस ने पेंटागन को साफ बता दिया है कि ई–7 वेडगेटेल को मारने की इजाज़त किसी कीमत पर नहीं मिलेगी।

ऑस्कर विजेता एक्टर ने जोहरान ममदानी पर कसा तंज, कहा- वामपंथी मूर्ख

न्यूयॉर्क, 17 नवंबर (एजेंसियां)।

ऑस्कर विजेता अभिनेता और हॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री एंजलिना जोली के पिता जॉन वोइट ने ममदानी को एक कम्युनिस्ट मूर्ख करार दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि न्यूयॉर्क नव निर्वाचित 35 वर्षीय मेयर इस खूबसूरत शहर को बर्बादी की ओर ले जाएंगे। इतना ही नहीं वोइट ने सोशल मीडिया के जरिए अमेरिका के राष्ट्र्पति डोनाल्ड ट्रंप से शहर को बचाने का अनुरोध किया है। एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो संदेश में वोइट ममदानी को जमकर लताड़ लगाते हुए नजर आए। उन्होंने कहा, ममदानी इस खूबसूरत और कभी न सोने वाले शहर को तबाह कर देंगे और इसे अंधकार से भर देंगे।

वोइट ने कहा कि न्यूयॉर्क को अमेरिकियों ने अपनी सदियों की मेहनत के बाद बनाया है। ऐसे में ममदानी को यहां पर समाजवाद के नियम लागू करने का कोई अधिकार नहीं है। वोइट ने ममदानी को मेयर पद से तुरंत ही बर्खास्त किए जाने की भी मांग की। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को संबोधित करते हुए वोइट ने कहा कि अब केवल वह ही न्यूयॉर्क शहर को इस समाजवादी बर्बादी से बचा सकते हैं। वोइट ने आरोप लगाया कि नए मेयर समाजवाद की बात करते हैं, लेकिन उनके पास इसको लागू करने का कोई अधिकार नहीं है। वह इस शहर के कल्चर, विकास और सुरक्षा को पूरी तरह से बर्बाद कर देंगे। वोइट ने न्यूयॉर्क की आम जनता से अपील करते हुए कहा कि हमें अपने शहर को बचाने के लिए अब उठ खड़ा होना होगा। बता दें, न्यूयॉर्क में मेयर पद पर जीतने वाले जोहरान ममदानी को लेकर अमेरिका में दो धड़ बने हुए हैं। हॉलीवुड के कलाकारों का भी यही हाल है। ममदानी ने मेयर पद जीतने के बाद अपने पहले भाषण में ही राष्ट्रपति ट्रंप को सीधा निशाना बनाया था, इसके बाद पहले से ही रिपब्लिकंस के निशाने पर बने ममदानी को और भी ज्यादा आलोचना का सामना करना पड़ा। ममदानी के वामपंथ की तरफ झुकाव रखने वाले नेता हैं। इनकी जड़ें भारत से मिलती हैं।

महिला के पेट में मिले 9 भ्रूण, अल्ट्रासाउंड देखकर हैरान रह गए डॉक्टर

काहिरा। यहां एक महिला के पेट में डॉक्टरों को बच्चे नहीं बल्कि पूरा कुनबा ही पलता हुआ मिला। यह जानकारी रिपोर्ट में दी गई कि महिला गई तो रेगुलर चेकअप के लिए थी, लेकिन डॉक्टरों के लिए ये चेकअप किसी सदमे से कम नहीं था। उन्हें यकीन ही नहीं हुआ कि जो उन्हें रिपोर्ट में दिखा, वो सच है।जब महिला की नियमित अल्ट्रासाउंड जांच की गई, तो डॉक्टरों ने सिर को चकरा देने वाला दृश्य देखा। न नॉर्मल प्रेग्नेंसी, न जुड़वा, न ट्रिपलेट बल्कि महिला की कोख में एक साथ नौ भ्रूण दिखाई दिए। ये कोई सामान्य घटना नहीं है कि इंसानी कोख में इतने बच्चे पलते हुए मिल जाएं। इस खबर ने पूरे मेडिकल समुदाय में चर्चा छेड़ दी है। डॉक्टरों ने महिला का चेकअप किया और जैसे ही अल्ट्रासाउंड में भ्रूणों की संख्या सामने आई, वे दंग रह गए। इतना ही नहीं महिला के माता–पिता को भी यकीन नहीं हुआ। दरअसल यह मामला इतना दुर्लभ है कि कई डॉक्टरों ने इसे अपने करियर की सबसे असामान्य घटना बताया। स्त्रीरोग विशेषज्ञ वाइल अल–बन्नो ने कहा कि यह मेडिकल साइंस में मिलने वाले सबसे दुर्लभ मामलों में से एक है।

शेख हसीना को मौत की सजा सुनाए जाने से पहले बांग्लादेश में हिंसा

यूनुस के सलाहकार के घर पर बम से हमला, देखते ही गोली मारने के आदेश

ढाका, 17 नवंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश के पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को फांसी देने की मांग लंबे समय से उठ रही है। हसीना के आरोपों पर हो रही सुनवाई में उन्हे सजा ए मौत का फैसला सुनाया जा सकता है। इससे पहले ढाका में हिंसा भड़की और उपद्रवियों ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के सलाहकार के घर बम फेंककर हमला किया गया है। वहीं इस तरह की हिंसा करने वालों को देखते ही गोली मारने के आदेश दिए गए हैं।

सोमवार को ही बांग्लादेश का इंटरनेशल क्राइम ट्राइब्यूनल शेख हसीना पर लगे मानवता के खिलाफ अपराध मामले में अपना फैसला सुना सकता है। सरकार ट्राइब्यूनल से लगातार उन्हें फांसी की सजा देने की मांग कर रहा है। बांग्लादेश में इंटरनेशनल क्राइम्स ट्राइब्यूनल के वकील ने कहा कि शेख हसीना को ज्यादा से ज्यादा सजा दी जा सकती है। उन्होंने कहा, हमने यह मांग भी की है कि शेख हसीना की संपत्ति को सीज करके और उसकी नीलामी करके पिछले साल हुई हिंसा में मारे गए लोगों के परिवारों में बांट दी जाए। उन्होंने कहा है कि हो सकता है कि आईसीटी शेख हसीना को सरेंडर करने के लिए 30 दिनों का समय दे दे। अगर वह ऐसा नहीं करेंगी तो उन्हें सुप्रीम कोर्ट जाने का भी अधिकार नहीं दिया जाएगा।खबर के मुताबिक, गृह सलाहकार जहांगीर आलम चौधरी ने कहा, देश भर में अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने अपनी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। फैसले से पहले कानून और व्यवस्था की स्थिति को लेकर तनाव पैदा होने के बीच फोर्स की तैनाती के अलावा, ढाका में पुलिस को हिंसक प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने का आदेश दिया गया है।

यूनुस के सलाहकार के घर हमला – इस बीच बांग्लादेश में कई जगहों से हिंसा और प्रदर्शन की खबरें मिल रही हैं। ढाका में मोहम्मद यूनुस के सलाहकार सैयद रिजवाना हसन के घर के बाहर क्रूड बमों से हमला किया गया है। यहां आगजनी भी हुई है। वहीं कॉक्सबाजार में भी हिंसा की खबरें हैं। यहां शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया है। कई शहरों में हंगामा और हिंसा की खबरें हैं।

देखते ही गोली मारने का आदेश – खबरों के अनुसार, ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) आयुक्त एसएम सज्जात अली ने कहा, 'मैंने वायरलेस पर संदेश दिया कि जो कोई भी बसों में आग लगाए या जान से मारने के इरादे से देसी बम फेंके, उसे गोली मार दी जानी चाहिए। हमारे कानून में यह अधिकार स्पष्ट रूप से दिया गया है। हसीना, उनके गृह मंत्री असद–उज–जमां खान कमाल और तत्कालीन पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) चौधरी अब्दुल्ला अल–मामून पर पिछले वर्ष सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान मानवता के विरुद्ध अपराध करने का आरोप है। इनमें हत्या, हत्या की कोशिश, प्रताड़ित करना और अन्य अमानवीय कृत्य शामिल हैं।

शेख हसीना बोलीं– यह सब मेरे खिलाफ साजिश – उन्होंने कहा, मुझे परवाह नहीं है, अल्लाह ने मुझे जीवन दिया है और एक दिन मेरी मौत आएगी, लेकिन मैं देश के लोगों के लिए काम कर रही हूं और ऐसा करना जारी रखूंगी। अपदस्थ प्रधानमंत्री ने सामूहिक हत्याओं के आरोपों से इनकार किया और अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस पर जिम्मेदारी डालते हुए कहा कि उन्होंने स्वयं कहा था कि उन्होंने एक 'सुनियोजित योजना के तहत मेरी सरकार को अपदस्थ किया था।

किर्गिस्तान में झील के तट पर अटलांटिस जैसे शहर की खोज, इस्लामी रिवाजों के मिले लिंक

बिश्केक, 17 नवंबर (एजेंसियां)।

प्लेटो की अटलांटिस की कहानी फिर चर्चा में है। इस चर्चा की वजह एक नई खोज है। रूसी विज्ञान अकादमी के पुरातत्वविदों ने किर्गिस्तान की इस्सिक कुल झील के नीचे 15वीं शताब्दी के विनाशकारी भूकंप में नष्ट हुए एक डूबे हुए शहर के निशान खोल निकले हैं। यह दुनिया की आठवीं सबसे गहरी झील है, जिससे यह कमाल की खोज हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, झील के उत्तर–पश्चिमी बिंदु के पास बाढ़ग्रस्त तोरु–अयगीर परिसर में स्थित शहर को खोजकर्ताओं ने खुदाई के दौरान ढूंढ़ निकाला है। जानकार ने झील के तटरेखा के आसपास 3 से 13 फीट की उथली गहराई पर चार पानी के नीचे के क्षेत्रों का सर्वेक्षण किया है। यहां उन्हें यह प्राचीन शहर मिला है। एक्सपर्ट को खुदाई स्थल से रोजमर्रा की चीजों का बड़ ढ़ेर मिला है। यह किसी समय के संपन्न महानगर या बड़े कारोबारी समूह को दिखाता है। खोज में पकी हुई ईंटों से बनी कई संरचना मिली है। इसमें एक चक्की का पाट भी है, इसका इस्तेमाल अनाज को कुचलने और पीसने के लिए होता था। इसके अलावा धंसी हुई पत्थर की संरचनाएं और लकड़ी के बीम हैं।

अमेरिका द्वारा गाजा को दो हिस्सों में बांटने की संभावित योजना उजागर

वॉशिंगटन। गाजा पट्टी में लगातार बढ़ते मानवीय संकट के बीच अमेरिका एक ऐसे दीर्घकालिक मॉडल पर काम कर रहा है, जिसके तहत गाजा को दो प्रशासनिक और सुरक्षा क्षेत्रों, ग्रीन जोन और रेड जोन में विभाजित किया जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट में अमेरिकी सैन्य खुफिया दस्तावेजों और अधिकारियों के हवाले से दावा किया गया है कि इस योजना पर प्रारंभिक स्तर पर काम पहले ही शुरू हो चुका है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, गाजा का पूर्वी हिस्सा, जो अपेक्षाकृत कम नष्ट हुआ है और इजराइल की सुरक्षा आवश्यकताओं के निकट स्थित है, 'ग्रीन जोन' के रूप में विकसित किया जाएगा। इस क्षेत्र में इजरायली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) के साथ विदेशी सैनिकों की तैनाती होगी। शुरुआत में कुछ सौ सैनिक तैनात किए जाएंगे, जिसे आगे 20,000 तक बढ़ाया जा सकता है। यह अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल (आईएसएफ) संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की संभावित मंजूरी के बाद कार्य करेगा। विदेशी सैनिकों की गतिविधियां केवल ग्रीन जोन तक सीमित होंगी। इस हिस्से में री–डेवलपमेंट (पुनर्निर्माण) की शुरुआत होने की भी योजना है। यह मॉडल एक प्रकार के सुरक्षित क्षेत्र की तरह होगा, जिसमें बुनियादी ढांचे और प्रशासनिक ढांचे को फिर से खड़ा करने पर जोर होगा। वेस्ट गाजा होगा रेड जोन गाजा का पश्चिमी हिस्सा, जो वर्षों से इजराइल के हमलों की जद में रहा है और ज्यादा खंडहर होने के साथ ही जिसमें जनसंख्या का बड़ा हिस्सा विस्थापित होकर यहां ठहरा हुआ है, उसे रेड जोन नाम दिया गया है। यह क्षेत्र, लगभग दो वर्षों से लगातार बमबारी का शिकार, बड़े पैमाने पर खंडहर और लगभग 20 लाख विस्थापित फिलिस्तीनियों से घनी आबादी वाला है।

नॉर्वे ने इटली को हराकर 1998 के बाद पहली बार फीफा विश्व कप के लिए किया क्वालीफाई

मिलान (इटली), 17 नवंबर (एजेंसियां)।

नॉर्वे ने रविवार रात इटली को उसके घर में 4-1 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया। नॉर्वे ने 1998 के बाद पहली बार फुटबॉल विश्व कप में जगह बनाई है, जबकि मेजबान इटली को लगातार तीसरी बार प्लेऑफ का रास्ता अपनाना पड़ा।

नॉर्वे ने क्वालीफाइंग अभियान को आठों मैच जीतकर पूरा किया और चार बार की विश्व चैंपियन इटली से छह अंक आगे रहते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। इटली को बेहतर गोल अंतर के चलते अगले दौर में जाने के लिए नौ गोल से जीत की जरूरत थी, इसलिए उसने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया।

मैच के 10वें मिनट में फ्रांसेस्को पियो एस्पोसिटो ने नजदीकी दूरी से गोल कर इटली को बढ़त दिलाई। पहली पारी के अधिकांश समय तक मेजबान टीम हावी रही और कई मौके बनाए, जबकि नॉर्वे को केवल एक आधा मौका मिला, जब एंटोनियो नुसा का शॉट बार के ऊपर चला गया।

दूसरे हाफ में नॉर्वे ने पूरी तरह बदला हुआ खेल दिखाया। 63वें मिनट में नुसा ने बॉक्स के भीतर से शानदार लेफ्ट-फुट शॉट लगाकर बराबरी कर ली। खेल के अंतिम चरणों में नॉर्वे ने नियंत्रण हासिल कर लिया और 78वें मिनट में इटली की रक्षा में हुई बड़ी गलती के कारण एर्लिंग हालांड को खाली जगह मिल गई। उन्होंने क्रॉस को आसानी से वॉली करते हुए टीम को बढ़त दिलाई। सिर्फ एक मिनट बाद हालांड ने अपना दूसरा गोल दागा और अभियान में अपने गोलों की संख्या 16 कर ली। इंजरी टाइम में जॉर्गन स्ट्रैंड लार्सन ने चौथा गोल कर नॉर्वे की बड़ी जीत सुनिश्चित की।

इस जीत के साथ नॉर्वे ने साबित कर दिया है कि वह अगले वर्ष होने वाले विश्व कप में किसी भी टीम के लिए आसान प्रतिद्वंद्वी नहीं होगा।

न्यूज ब्रीफ

आईपीएल 2026: राजस्थान रॉयल्स ने कुमार संगकारा को दोबारा मुख्य कोच नियुक्त किया

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स ने श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा को इंडियन प्रीमियर लीग 2026 (आईपीएल) सीज़न के लिए एक बार फिर से टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। संगकारा इससे पहले 2021 से 2024 तक मुख्य कोच रहे थे। पिछले सीज़न (आईपीएल 2025) में उन्हें डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट की भूमिका में पदोन्नत किया गया था, जबकि राहुल द्रविड़ टीम के कोच थे। फ्रेंचाइजी ने सोमवार को कोचिंग स्टाफ में कई बदलावों की भी घोषणा की। फ्रेंचाइजी के मुताबिक विक्रम राठौर को लीड असिस्टेंट कोच बनाया गया है। ट्रेवर पेनी और सिड लाहिड़ी क्रमशः असिस्टेंट कोच और परफॉर्मेंस कोच के रूप में टीम से जुड़े रहेंगे, जबकि शेन बॉन्ड फास्ट बॉलिंग कोच की भूमिका निभाते रहेंगे। खिलाड़ियों के मोर्चे पर भी राजस्थान ने बड़ा कदम उठाया है। टीम ने अपने लंबे समय से कप्तान रहे संजू सैमसन का ट्रेड करते हुए रवींद्र जडेजा और सैम करन को चेन्नई सुपर किंग्स से शामिल किया है, जो सीज़न से पहले सबसे चर्चित बदलावों में से एक माना जा रहा है ।

दूसरे वनडे से बाहर हुए मिचेल, निकोल्स कवर के तौर पर टीम में शामिल

वेलिंगटन। न्यूज़ीलैंड के ऑलराउंडर डेरिल मिचेल वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे वनडे के लिए नेपियर नहीं जाएंगे। रविवार को खेले गए पहले वनडे के दौरान उन्हें जांघ में तकलीफ हुई थी, जिसके बाद न्यूज़ीलैंड क्रिकेट ने पुष्टि की कि मिचेल अब क्राइस्टचर्च में अपने बाएं ग्रोइन की स्कैन जांच करवाएंगे। स्कैन के बाद ही उनकी आगे की उपलब्धता पर फैसला किया जाएगा। मिचेल ने हैगले ओवल में वेस्टइंडीज के खिलाफ सात रन की जीत में अपना सातवां वनडे शतक लगाया, लेकिन बल्लेबाजी के दौरान जांघ में दर्द महसूस होने के कारण वह दूसरी पारी में फील्डिंग के लिए मैदान पर नहीं उतरे। उनकी जगह हेनरी निकोल्स को कवर के रूप में टीम में शामिल किया गया है। निकोल्स सोमवार को नेपियर में टीम के साथ जुड़ेंगे। निकोल्स ने आखिरी बार इस साल अप्रैल में वनडे खेला था। घरेलू फोर्ड ट्रॉफी में वह इस समय सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं—306 रन औसत 76.50 के साथ, जिसमें ओटागो और ऑकलैंड के खिलाफ लगातार दो शतक (117* और 138*) शामिल हैं।

27वीं राज्य स्तरीय गर्ल्स खेलकूद प्रतियोगिता, कृषि मंत्री ने किया शुभारंभ

धर्मशाला। कृषि एवं पशुपालन मंत्री प्रो. चन्द्र कुमार ने सोमवार को राजकीय महिला बहुतकनीकी महाविद्यालय, रेहन में आयोजित की जा रही 27वीं राज्य स्तरीय गर्ल्स खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में प्रदेश के 16 बहुतकनीकी महाविद्यालयों की 212 खिलाड़ी छात्राएं भाग ले रही हैं। प्रतियोगिता में वॉलीबॉल, बैडमिंटन तथा टेबल टेनिस की विभिन्न स्पर्धाएं आयोजित की जा रही हैं, जिनमें बड़ी संख्या में छात्राएं अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं। शुभारंभ अवसर पर कृषि मंत्री ने कहा कि यह संस्थान पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय राजा वीरभद्र सिंह की दूरदृष्टि का परिणाम है, जिन्होंने लड़कियों की तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस महाविद्यालय के निर्माण और सुविधाओं के विस्तार हेतु 42 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की थी। प्रो. चन्द्र कुमार ने कहा कि वर्तमान समय टेक्नोलॉजी का है और यह अत्यंत तेजी से आगे बढ़ रही है। ऐसे में शिक्षकों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है कि वे स्वयं भी नियमित रूप से अपने ज्ञान को अपडेट करें और छात्राओं को नवीनतम तकनीकी जानकारी उपलब्ध करवाएं। उन्होंने कहा कि महिलाएं तकनीकी क्षेत्र में पुरुषों के समान दक्षता और क्षमता के साथ योगदान दे रही हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : सात्विक–चिराग पर भारत की उम्मीदें टिकीं, लक्ष्य और प्रणय लय की तलाश में

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)।

सिडनी में मंगलवार से शुरू हो रहे ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में एक बार फिर भारत की सबसे बड़ी उम्मीद पुरुष युगल के शीर्ष वरीय सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी पर रहेगी। यह जोड़ी इस सीजन का अपना पहला खिताब जीतने की कोशिश करेगी।

एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता सात्विक–चिराग इस वर्ष भारतीय बैडमिंटन के कठिन दौर में लगातार चमकते रहे हैं। उन्होंने विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता और हांगकांग सुपर 500 तथा चाइना मास्टर्स सुपर 750 में उपविजेता रहे। विश्व नंबर एक की रैंकिंग में 18 सप्ताह बिताने के बाद मई में 27वें स्थान तक खिसकने वाली यह जोड़ी अब वापसी करते हुए तीसरे स्थान पर पहुंच चुकी है। वे अपने अभियान की शुरुआत चीनी ताइपे के चांग को–ची और पो ली–वेई के खिलाफ करेंगे।

लक्ष्य सेन और एच.एस. प्रणय को लय की तलाश

भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन और एच.एस. प्रणय के लिए यह टूर्नामेंट निरंतरता हासिल करने का मौका होगा। लक्ष्य ने लंबे समय के खराब दौर के बाद हांगकांग ओपन में फाइनल तक पहुंचकर दमदार वापसी की थी। जापान में पिछले सप्ताह वह सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य पहले दौर में चीनी ताइपे के सू ली यांग से भिड़ेंगे।

2023 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता प्रणय पिछले साल इस टूर्नामेंट के उपविजेता रहे थे। चोट से उबरकर लौटे प्रणय ने कुमामोटो (जापान) में अच्छा प्रदर्शन किया था। वह पहले मैच में कनाडा के ब्रायन यांग का सामना करेंगे।

अन्य भारतीय खिलाड़ी

किदांबी श्रीकांत, जो इस साल मलेशिया मास्टर्स में उपविजेता रहे थे, पहले दौर में पांचवीं वरीयता प्राप्त लिन चुन–यी से भिड़ेंगे। अमेरिका ओपन चैंपियन आयुष शेट्टी का मुकाबला मलेशिया के जस्टिन होह से होगा। किरण जॉर्ज को छठी वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोतो की चुनौती मिलेगी। वहीं थरुण मननेपल्ली डेनमार्क के मैग्नस जोहानसन के खिलाफ अभियान शुरू करेंगे।

महिला एकल और युगल

महिला एकल में अकेली भारतीय आकर्षी कश्यप को कठिन शुरुआत मिलेगी, जहां उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त और ओलंपिक चैंपियन आन से यंग से होगा। लंबे अंतराल के बाद वापसी कर रही गैत्री गोपीचंद और ट्रीसा जॉली की जोड़ी महिला युगल में चौथी वरीय चीनी ताइपे की यान फेई चेन और लिआंग चिंग सन से भिड़ेगी।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम सुल्तान अजलान शाह कप के लिए मलेशिया रवाना हुई

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम सोमवार तड़के बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से मलेशिया के इपोह रवाना हुई। टीम यहां 23 से 30 नवंबर तक होने वाले 31वें सुल्तान अजलान शाह कप 2025 में भाग लेगी। सुल्तान अजलान शाह कप को लंबे समय से विश्व हॉकी के सबसे प्रतिष्ठित आमंत्रण टूर्नामेंटों में से एक माना जाता है, जो टीमों को उच्च–स्तरीय प्रतिद्वंदियों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक मूल्यवान मंच प्रदान करता है। टूर्नामेंट में भारत 23 नवंबर को अपने पहले मैच में कोरिया से भिड़ेगा। उसके बाद राउंड–रॉबिन चरण में बेल्जियम, मेजबान मलेशिया, न्यूजीलैंड और कनाडा के खिलाफ मैच होंगे। लीग चरण के अंत में शीर्ष दो टीमें 30 नवंबर को होने वाले फाइनल में जगह पक्की करेंगी। पिछले कुछ हफ्तों से भारतीय टीम बेंगलुरु में अभ्यास कर रही थी, जहां उसने डिफेंडर संजय के नेतृत्व में सामरिक फिटनेस, सुव्यवस्थित खेल और बेहतरीन संयोजनों पर ध्यान केंद्रित किया। संजय टूर्नामेंट में टीम की कप्तानी करेंगे। टीम गहन तैयारी के बाद आत्मविश्वास और एक सुनियोजित योजना के साथ इस आयोजन में उतर रही है। हॉकी इंडिया की तरफ से जारी बयान में कप्तान संजय ने आत्मविश्वास जताते हुए कहा, 'हम सुल्तान अजलान शाह कप का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

इंग्लैंड ने अल्बानिया को हराकर परफेक्ट रिकॉर्ड के साथ वर्ल्ड कप क्वॉलिफायर्स अभियान समाप्त किया

तिराना, 17 नवंबर (एजेंसियां)।

इंग्लैंड फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन ने अंतिम पलों में दो गोल दागकर अपनी टीम को अल्बानिया पर 2-0 की जीत दिलाई और फीफा वर्ल्ड कप क्वॉलिफायर्स अभियान को एक ऐतिहासिक परफेक्ट रिकॉर्ड के साथ समाप्त किया।

मैच लंबे समय तक गोलरहित रहा और ऐसा लग रहा था कि इंग्लैंड पहली बार अंक गंवा सकता है लेकिन 74वें मिनट में एक कॉर्नर पर अल्बानिया की डिफेंस चूक गई और केन ने नजदीक से गेंद को गोल में डाल दिया। आठ मिनट बाद केन ने मार्कस रैशफोर्ड के लंबे क्रॉस पर सटीक हेडर मारकर बढ़त को 2–0 कर दिया।

इस जीत के साथ इंग्लैंड टीम यूरोप की पहली ऐसी टीम बन गई जिसने छह या उससे अधिक मैचों वाले वर्ल्ड कप क्वॉलिफ़ाइंग ग्रुप में सभी मुकाबले जीतकर और एक भी गोल खाए बिना क्वॉलिफाई किया हो। इंग्लैंड ने ग्रुप–के के आठों मैच जीतकर कुल 24 अंक हासिल किए।

मैच के बाद हैरी केन ने कहा, 'यह वाकई मुश्किल मुकाबला था, शायद इस ग्रुप का सबसे कठिन। हमें धैर्य रखना था और मजबूत डिफेंस भी करना था। 2–0 की जीत और एक और क्लीन शीट — हम बेहद खुश हैं। हार के साथ अंत नहीं करना चाहते थे।'

कोच थॉमस ट्यूशेल ने पहले से ही क्वॉलिफिकेशन सुनिश्चित होने के कारण टीम में कई बदलाव किए थे। अल्बानिया ने कड़ा मुकाबला दिया, लेकिन कप्तान केन के दो गोलों ने इंग्लैंड को जीत दिला दी। केन अब इंग्लैंड के लिए 112 मैचों में 78 अंतरराष्ट्रीय गोल कर चुके हैं। अल्बानिया अब प्लेऑफ के ज़रिए क्वॉलिफाई करने की कोशिश करेगा।

अपनी धरती पर हार को स्वीकार नहीं किया जा सकता : पुजारा

कोलकाता। भारतीय टीम के पूर्व टेस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही टेस्ट में भारतीय टीम को मिली हार से बेहद निराश हैं। इस मैच में कमेंट्री करने वाले पुजारा ने कहा कि अगर इतने अच्छे बल्लेबाज होने के कारण भी टीम अपनी ही धरती पर हारे तो कहीं न कहीं कमी है। भारतीय टीम पहले टेस्ट में 124 रनों का लक्ष्य भी हासिल नहीं कर पायी जिसके लिए उसकी काफी आलोचना हुइ है। पुजारा ने कहा है कि ये हार पचने वाली नहीं है और यह अस्वीकार्य है। हालांकि वह मानते हैं कि आर अश्विन, विराट कोहली, रोहित शर्मा के जाने के बाद से ही टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है। पुजारा ने कहा कि भारत में कई अच्छे खिलाड़ी हैं जिससे बदलाव के कारण हारने की बात जम नहीं रही। पुजारा ने कहा, 'मैं इससे सहमत नहीं हूं। बदलाव की वजह से भारतीय टीम का भारत में हारने जैसी बात को स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

फीफा विश्व कप 2026 : पुर्तगाल ने लगातार सातवीं बार किया क्वालीफाई

नई दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)।

पुर्तगाल ने रविवार को पोर्टो के एस्टादियो डो द्रागाओ में खेले गए अपने अंतिम वर्ल्ड कप क्वालिफायर मुकाबले में आर्मेनिया को 9–1 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई कर लिया। यह पुर्तगाल का लगातार सातवां विश्व कप होगा।

रोबर्टो मार्टिनेज़ की टीम ने निलंबित क्रिस्टियानो रोनाल्डो की गैरमौजूदगी में शानदार प्रदर्शन किया। अगले साल होने वाले विश्व कप में जगह पक्की करने के लिए पुर्तगाल को जीत की जरूरत थी और टीम ने इसे दो हैट्रिक की मदद से बेहद प्रभावशाली अंदाज में हासिल किया—एक ब्रूनो फर्नांडीस ने और दूसरी युवा जोआओ नेवेस ने लगाई।

फीफा विश्व कप में पुर्तगाल का अब तक का प्रदर्शन

फीफा विश्व कप इतिहास में पुर्तगाल का प्रदर्शन उतार–चढ़ाव भरा रहा है। टीम ने पहली बार 1966 में हिस्सा लिया और शानदार खेल दिखाते हुए तीसरा स्थान हासिल किया, जहां उसने छह मैचों में पाँच जीत दर्ज कीं और सिर्फ एक मुकाबला हारा।

इसके बाद 1986 और 2002 के विश्व कप में पुर्तगाल का सफर ग्रुप स्टेज तक ही सीमित रहा, दोनों ही बार टीम ने तीन मैचों में एक–एक जीत हासिल की और दो मुकाबलों में हार का सामना किया। 2006 विश्व कप में पुर्तगाल ने अपने इतिहास का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान पाया। इस अभियान में टीम ने कुल सात मैच खेले, जिनमें चार जीते, एक ड्रॉ रहा और दो में हार मिली। 2010 में टीम प्री–क्वार्टर फाइनल तक पहुंची, जहां उसने चार मैचों में एक जीत, दो ड्रॉ और एक हार दर्ज की। 2014 में पुर्तगाल ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गया, इस दौरान उसने तीन मैचों में एक जीत, एक ड्रॉ और एक हार दर्ज की। 2018 में एक बार फिर टीम प्री–क्वार्टर फाइनल में पहुंची और चार मैचों में एक जीत, दो ड्रॉ और एक हार मिली।

सबसे हालिया 2022 विश्व कप में पुर्तगाल ने अच्छा प्रदर्शन किया और क्वार्टरफाइनल तक का सफर तय किया, जहां उसने पांच मैचों में तीन जीत हासिल कीं। अब 2026 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने के बाद टीम से एक और मजबूत अभियान की उम्मीद है।

एटीपी फाइनल्स: जैनिक सिनर ने अल्कारेज को सीधे सेटों में हराकर लगातार दूसरी बार जीता खिताब

ट्यूरिन, 17 नवंबर (एजेंसियां)।

साल 2025 में 'सिनकाराज़' प्रतिद्वंद्विता के अंतिम मुकाबले में बाज़ी जैनिक सिनर के नाम रही। विश्व नंबर 2 सिनर ने शीर्ष वरीय कार्लोस अल्कारेज़ को 7–6(4), 7–5 से हराते हुए रविवार देर रात एटीपी फाइनल्स का खिताब अपने नाम किया। यह इस साल दोनों के बीच छठा मुकाबला था। सिनर ने अपने घरेलू इटालियन दर्शकों के सामने लगातार दूसरा एटीपी फाइनल्स खिताब जीता। यह अल्कारेज़ के खिलाफ उनकी इस साल मात्र दूसरी जीत है—पहली जीत उन्होंने विंबलडन फाइनल में दर्ज की थी।

सिनर ने कहा, 'यह एक अविश्वसनीय सीजन रहा। इस तरह अपने इटालियन प्रशंसकों के सामने इसे खत्म करना मेरे लिए बेहद खास है।'

अल्कारेज़ पहले ही वर्ष के अंत का नंबर 1 रैंकिंग सुनिश्चित कर चुके थे और एटीपी फाइनल्स में पहली बार खिताबी मुकाबला खेल रहे थे। कुल करियर भिड़ंत में अल्कारेज़ अभी भी 10–6 से आगे हैं।

दोनों खिलाड़ी इस साल के सभी तीन ग्रैंड स्लैम फाइनल में आमने–सामने आए।

फ्रेंच ओपन: अल्कारेज़ ने पांचवें सेट के टाईब्रेक में जीत दर्ज की

विंबलडन : सिनर ने जीतकर बदला चुकाया

यूएस ओपन: अल्कारेज़ ने फिर बाज़ी मारी

इटालियन ओपन और सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में भी दोनों भिड़े, दोनों बार अल्कारेज़ विजेता रहे (सिनसिनाटी में सिनर बीमारी के चलते रिटायर हुए थे)।

सिनर ने इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन भी जीता—जहां उन्होंने फाइनल में एलेक्जेंडर ज्वेरेव को मात दी। इस तरह दोनों ने 2025 में दो–दो मेजर खिताब जीते। कुल मिलाकर अल्कारेज़ के नाम छह और सिनर के नाम चार ग्रैंड स्लैम हैं।

पहले सेट में ही दर्शक 'ओले, ओले, ओले, ओले; सिन–नर, सिन–नर' के नारों से गूंज उठे। एक दर्शक तो सिनर को संत के रूप में दर्शाने वाला पोस्टर भी लेकर आया था। पहले सेट में 5–6 पर सिनर ने सेट प्वॉइंट बचाया और टाईब्रेक में शानदार लॉब शॉट से बढ़त बनाई, जिसके बाद उन्होंने सेट जीता। अल्कारेज़ को दाहिनी जांघ में दो बार मेडिकल ट्रीटमेंट भी लेना पड़ा और पहला सेट खत्म होने के बाद उन्होंने टेपिंग करवाई। सेट की शुरुआत में अल्कारेज़ ने ब्रेक किया, लेकिन सिनर ने 3–3 पर वापसी की। इसके बाद एक लंबी रैली जीतकर सिनर ने दर्शकों को और शोर मचाने का संकेत दिया। अंततः अल्कारेज़ की बैकहैंड वाइड जाने पर सिनर ने मैच जीता और कोर्ट पर लेटकर जश्न मनाया।

यह एटीपी फाइनल्स में सिनर की लगातार 10वीं जीत है—और उन्होंने इन सभी मैचों में एक भी सेट नहीं गंवाया है। इनडोर हार्ड कोर्ट पर उनकी जीत की लय 31 मैचों तक पहुंच गई है।

डबल्स फाइनल में, हैरी हेलियोवारा और हेनरी पैटेन ने जो सालिसबरी और नील स्कप्स्की को 7–5, 6–3 से हराया।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

एसयू-30एमकेआई को हवा में अजेय बनाते हैं उसके छोटे पंख

नयी दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना का घातक विमान एसयू-30एमकेआई की असली ताकत सिर्फ उसके इंजन या मिसाइलों में नहीं, बल्कि उन छोटे-छोटे पंखों कानार्डस में छिपी है जो उसके कॉकपिट के पास लगे होते हैं। इनकी भूमिका इतनी अहम है कि यही एसयू-30एमकेआई को हवा में अजेय बनाते हैं। कानार्डस एक छोटा सहायक पंख होता है जो विमान के मुख्य पंखों से आगे लगाया जाता है। इसका काम उड़ान के दौरान स्थिरता और नियंत्रण बढ़ाना होता है। सामान्य फाइटर जेट अपने पीछे के फ्लैप्स और रडर से दिशा बदलते हैं, जबकि कानार्डस हवा के दबाव को संतुलित रखकर विमान को तेज़ी से मोड़ने या झुकाने में मदद करते हैं। एसयू-30एमकेआई के कानार्डस विशेष रूप से इस तरह डिज़ाइन किए गए हैं कि वे विमान की 'लिफ्ट' यानी उठान बढ़ाते हैं और 'ड्रैग' यानी हवा की रुकावट घटाते हैं।

इसी वजह से यह जेट ऊँचाई पर भी स्थिर रहकर बेहद फुर्ती से दिशा बदल सकता है। एसयू-30एमकेआई में थ्रस्ट वेक्टर कंट्रोल और कानार्डस का संयोजन इसे 'सुपरमान्यूवरेबल' बनाता है। यानी यह हवा में किसी भी दिशा में घूम सकता है, अचानक रुक सकता है या लगभग सीधा खड़ा होकर भी संतुलन बनाए रख सकता है। यही तकनीक 'कोबरा मान्यूवेर' और 'कुलबीट' जैसे शानदार हवाई करतबों को संभव बनाती है, जिनसे दुश्मन अक्सर चौंक जाते हैं। इन करतबों के दौरान कानार्डस विमान को गिरने या असंतुलित होने से बचाते हैं जिससे पायलट को नियंत्रण बनाए रखने में मदद मिलती है। ये कानार्डस न केवल उड़ान के दौरान बल्कि मिसाइल फायरिंग के समय भी विमान को स्थिर रखते हैं।

जब पायलट एक साथ कई लक्ष्य पर वार करता है, तब ये पंख विमान को अपने कोर्स पर बनाए रखते हैं। यही कारण है कि एसयू-30एमकेआई हवा और जमीन दोनों पर समान रूप से प्रभावी है। यूरोफाइटर टाइफोन, डसाल्ट राफेल और ग्रीपेन जैसे आधुनिक फाइटर जेट भी कानार्डस डिज़ाइन अपनाते हैं, लेकिन एसयू-30एमकेआई में इनका संयोजन टवीन-इंजिन थ्रस्ट वेक्टोरिंग के साथ इसे सच्चा 'एयर डोमिनेंस फाइटर' बनाता है।

न्यूज़ ब्रीफ

भारत में डीपीडीपी नए नियम, कंपनियों की डेटा सुरक्षा लागत बढ़ेगी

नई दिल्ली। भारत में डिजिटल व्यक्तिगत डेटा सुरक्षा (डीपीडीपी) अधिनियम के नए नियम 14 नवंबर को अधिसूचित हो गए हैं, जो कंपनियों के लिए डेटा प्रबंधन और सुरक्षा प्रक्रिया को मजबूत बनाने पर केंद्रित हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इन नियमों से अगले 18 महीनों में कंपनियों की परिचालन लागत बढ़ सकती है। नए नियमों के तहत कंपनियों को सभी उपयोगकर्ताओं के डेटा की मैपिंग करनी होगी, सहमति प्रबंधन प्रणाली लागू करनी होगी और डेटा सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करना होगा। इसके अलावा कंपनियों को डेटा प्रिंसिपल अधिकारों को सक्षम करने वाले उपाय भी लागू करने होंगे। नियमों के अनुसार, कंपनियों को नवंबर 2026 तक डेटा संरक्षण और सहमति प्रबंधन तंत्र तैयार करना होगा और मई 2027 तक डेटा मैपिंग व व्यक्तिगत सहमति तंत्र लागू करना होगा। उद्योग विशेषज्ञों ने यूरोप के जीडीपीआर अनुभव का हवाला देते हुए बताया कि वहां कंपनियों को 2,50,000 डॉलर से 1 करोड़ डॉलर तक का खर्च उठाना पड़ा। भारत में यह लागत कंपनी के आकार और डेटा की मात्रा पर निर्भर करेगी।

टाटा नेक्सन 22,083 यूनिट्स की बिक्री के साथ प्रथम स्थान पर

नई दिल्ली। अक्टूबर 2025 की बिक्री रिपोर्ट के मुताबिक, टाटा नेक्सन ने 22,083 यूनिट्स की बिक्री के साथ एक बार फिर बाजार में नंबर-1 पोजिशन हासिल की।रुपए 7.99 लाख की शुरुआती कीमत वाली यह एसयूवी अपने डिजाइन, सुरक्षा और परफॉर्मेंस के कारण ग्राहकों की पहली पसंद बनी हुई है। कंपनी जल्द इसका नेक्स्ट-जेनरेशन मॉडल भी लॉन्च करने जा रही है। मारुति सुजुकी की फ्रोंक्स ने भी अपनी पकड़ बनाए रखी और 17,003 यूनिट्स की बिक्री के साथ 4प्रतिशत की हल्की बढ़त दर्ज की। वहीं, टाटा पंच ने 16,810 यूनिट्स बेचकर माइक्रो एसयूवी सेगमेंट में अपना दबदबा कायम रखा। इसके फेसलिफ्ट मॉडल के लॉन्च से इसकी मांग और बढ़ने की उम्मीद है। दूसरी ओर, मारुति ब्रेजा की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ी और अक्टूबर में इसकी बिक्री घटकर 12,072 यूनिट्स रह गई, जो 27प्रतिशत की गिरावट को दर्शाती है। हुंडई वेन्यू ने 11,738 यूनिट्स की बिक्री के साथ स्थिर प्रदर्शन किया, जबकि एक्सटर की डिमांड 12प्रतिशत घटकर 6,294 यूनिट्स पर पहुंची। एसयूवी बाजार में नए खिलाड़ी स्कोडा कायलाक ने शानदार शुरुआत करते हुए 5,078 यूनिट्स बेचीं, जबकि टोयोटा टेजर ने 4,561 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की। कुल मिलाकर, अक्टूबर 2025 के आंकड़े बताते हैं कि कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में प्रतिस्पर्धा और भी तेज हो चुकी है। टाटा, मारुति और हुंडई अपने पुराने मॉडलों को अपडेट कर नए फीचर्स ला रही हैं, वहीं स्कोडा और टोयोटा जैसी कंपनियां नए डिजाइन और प्रीमियम फील के साथ ग्राहकों को लुभा रही हैं। आने वाले महीनों में यह मुकाबला और रोमांचक होने की उम्मीद है। मालूम हो कि भारत का कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट इस समय जबरदस्त प्रतिस्पर्धा के दौर से गुजर रहा है, जहां टाटा, मारुति, हुंडई, किआ और स्कोडा जैसी कंपनियां एक-दूसरे से आगे निकलने की कोशिश में हैं।

छोटी कारों की सीएएफई छूट पर उलझी इंडस्ट्री

नई दिल्ल। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) की सीईओ काउंसिल ने हाल ही में हुई बैठक में छोटी कारों के लिए वजन आधारित औसत कार्बन डाइऑक्साइड छूट पर मतदान किया। 19 कंपनियों में से मारुति सुजुकी इंडिया और रेनॉल्ट ने हां कहा, टोयोटा ने कंसेंसस के पक्ष में और मर्सिडीज-बेंज ने न्यूट्रल रुख अपनाया। बाकी 15 कंपनियां इस प्रस्ताव के खिलाफ थीं। बीईई के ड्राफ्ट सीएएफई-3 और सीएएफई-4 के अनुसार, अप्रैल 2027 से लागू होने वाले नियमों में पहली बार 909 किलोग्राम तक वजन वाली पेट्रोल कारों को 3 ग्राम प्रति किमी अतिरिक्त औसत कार्बन डाइऑक्साइड छूट देने की बात कही गई है। इसका उद्देश्य हल्की कारों को उत्सर्जन लक्ष्य में राहत देना है। सीईओ काउंसिल की बैठक के बाद सियाम ने बीईई को लिखा कि इंडस्ट्री में इस प्रस्ताव को लेकर मिश्रित राय हैं। बैठक में अन्य सवालों में फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों के सुपर क्रेडिट और कंपनियों को मिलकर औसत कार्बन डाइऑक्साइड लक्ष्य पूरा करने की अनुमति पर भी चर्चा हुई ।

ब्लूस्मार्ट की 4,000 इलेक्ट्रिक कारें जल्द दिल्ली-एनसीआर में दौड़ेंगी

सिग्नोड्राइव ने जेनसोल की कारों का अधिग्रहण किया

नयी दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)।

नोएडा की कंपनी सिग्नोड्राइव टेक्नोलाजी पीवीटी. ने दिवालिया हुई जेनसोल इंजीरियरिंग लिमिटेड (जेनसोल) की 4,000 इलेक्ट्रिक कारों को 24 महीने के लिए लीज पर लेने का सौदा किया है। इस अवधि में 18 महीने का लॉक-इन पीरियड होगा, जिसका मतलब है कि कंपनी इस दौरान सौदे से पीछे नहीं हट सकती। जेनसोल के प्रवर्तकों ने फंड का गलत इस्तेमाल किया, जिसके कारण कंपनी अपने लोन का भुगतान नहीं कर सकी और दिवालिया हो गई। सेबी ने दोनों प्रवर्तकों को कंपनी से बाहर कर दिया और उन्हें किसी भी प्रकार के प्रबंधन में दखल से रोक दिया।

जेनसोल पर लगभग 500 करोड़ रुपये का लोन डिफॉल्ट दर्ज है। सिग्नोड्राइव इन कारों को बी2सी (बिजनेस टू कंज्यूमर) मॉडल पर चलाने की योजना बना रही है। इसके लिए वह रेपिडो जैसे ऑनलाइन कैब प्लेटफॉर्म के साथ करार कर सकती है। कारें पूरी तरह से इलेक्ट्रिक हैं, और ऑपरेशन वैल्यू प्रति कार 16,000 रुपए प्रति माह तय की गई है, जिससे मासिक कमाई लगभग 154 करोड़ रुपए होने का अनुमान है। जेनसोल की 4,000 कारें अप्रैल से खड़ी हैं। तीन कंपनियों ने इस फ्लीट पर बोली लगाई थी, जिसमें सिग्नोड्राइव की बोली सबसे अधिक थी। कंपनी के पास पहले से ही ई-टैक्सी स्टार्टअप ईवार का मालिकाना हक है। वित्त वर्ष 2025 में कंपनी की ऑपरेशन इनकम 20 करोड़ थी, जो चालू वित्त वर्ष में 45-50 करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान है। कंपनी को बीबी स्टेबल रेटिंग मिली है और बैंक फैसिलिटी 12 करोड़ रुपए है।

साइबर सुरक्षा में नौकरी के अवसर बढ़े, 90 फीसदी कंपनियां निकालेंगी जॉब

नई दिल्ली। रिपोर्ट के अनुसार अगले 12 महीनों में लगभग 90 फीसदी भारतीय कंपनियां साइबर सुरक्षा पेशेवरों को हायर करने की योजना बना रही हैं। डिजिटलाइजेशन के बढ़ते कदम और एआई आधारित सिस्टम की वजह से कंपनियों के लिए डेटा और पहचान की सुरक्षा अब प्राथमिकता बन गई है। सीआईओ और सीआईएसओ जैसे तकनीकी प्रमुख अब पहचान और डेटा से जुड़े साइबर खतरों पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। आइडेंटिटी क्राइसिस: अंडरस्टैंडिंग एंड बिल्डिंग रेजिलिएंस' रिपोर्ट में बताया गया है कि कंपनियां सिस्टम और मशीनों की पहचान को सुरक्षित रखने के लिए विशेष पेशेवर नियुक्त कर रही हैं।साइबर सुरक्षा में पढ़ाई करने वाले पेशेवरों के लिए अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। इस क्षेत्र में साइबर सिक्योरिटी एनालिस्ट, एथिकल हैकर, पेनेट्रेशन टेस्टर और इंफॉर्मेशन सिक्योरिटी मैनेजर जैसी भूमिकाएं प्रमुख हैं। मल्टीनेशनल कंपनियों के साथ-साथ इसरो और डीआरडीओ जैसी सरकारी संस्थाओं में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं। रिपोर्ट के अनुसार, साइबर सुरक्षा सेक्टर में अगले कुछ वर्षों में करीब 35 लाख नई नौकरियां पैदा होने की संभावना है। कंपनियां न केवल नियुक्ति कर रही हैं, बल्कि पेशेवरों को बनाए रखने के लिए अच्छे वेतन और लाभ भी दे रही हैं।

जिंस कंपनियों के दम पर दूसरी तिमाही में कॉरपोरेट मुनाफा बढ़ा

धातु, तेल-गैस और सीमेंट ने नतीजों को सहारा दिया

नयी दिल्ली, 17 नवंबर (एजेंसियां)। वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही जुलाई-सितंबर में भारतीय कंपनियों के नतीजों में सुधार दर्ज हुआ है, लेकिन यह वृद्धि मुख्य रूप से जिंस (कमोडिटी) उत्पादकों की मजबूत कमाई से प्रेरित रही। बिज़नेस स्टैंडर्ड के नमूने में शामिल 2,647 सूचीबद्ध कंपनियों का कुल शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 10.8 फीसदी बढ़कर लगभग 3.62 लाख करोड़ रुपये पर पहुंचा, जो पिछली छह तिमाहियों में सर्वश्रेष्ठ है। हालांकि यह प्रदर्शन वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के 3.77 लाख करोड़ रुपये से कम रहा। बीएफएसआई (बैंक, वित्तीय सेवाएं, बीमा और ब्रोकिंग) को छोड़ दें तो बाकी कंपनियों का कुल लाभ 15.3 फीसदी बढ़ा, जो वित्त वर्ष 24 की तीसरी तिमाही के बाद सबसे मजबूत वृद्धि है। लेकिन जब जिंस कंपनियों को भी अलग कर दिया जाए तो तस्वीर काफी कमजोर दिखती है। गैर-बीएफएसआई और गैर-जिंस कंपनियों का कुल शुद्ध लाभ सिर्फ 6.3 फीसदी बढ़ा, जो पिछले 17 तिमाहियों में सबसे धीमी वृद्धि है। पिछले वर्ष की समान तिमाही में यह वृद्धि 11.4 फीसदी थी, जबकि वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में 6.8 फीसदी रही थी।

अमेरिका-भारत के बीच बड़ा एलपीजी करार

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ विवाद कम होने के साथ ही द्विपक्षीय संबंधों में नई गति आई है। इसी सकारात्मक माहौल के बीच भारत ने अमेरिकी कंपनियों के साथ साल 2026 से शुरू होने वाले 22 लाख टन प्रतिवर्ष एलपीजी आयात का बड़ा करार किया है। यह मात्रा भारत के कुल वार्षिक एलपीजी आयात का करीब 10 फीसदी होगी। यह समझौता भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों और अमेरिकी कंपनियों के बीच हस्ताक्षरित हुआ है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप पुरी ने इस करार को दोनों देशों के ऊर्जा सहयोग में महत्वपूर्ण कदम बताया है, विशेषकर उस समय जबकि अमेरिका के टैरिफ मुद्दे चर्चा में थे। इससे पहले अमेरिकी प्रशासन ने ट्रेड डील को आगे बढ़ाने के लिए भारतीय कृषि उत्पादों पर अपनी सख्त शर्तें भी नरम की थीं।

चीन में घरेलू लग्जरी ब्रांडों का जोर, विदेशी ब्रांड्स पीछे रह गए

नई दिल्ली। सितंबर में दुनिया के सबसे अमीर लोगों में से एक और एलवीएमएच के चेयरमैन बर्नार्ड अर्नॉल्ट शंघाई पहुंचे। आम उम्मीद के विपरीत, उन्होंने अपनी मशहूर ब्रांड्स की बजाय चीन के घरेलू लग्जरी ब्रांडों में खरीदारी की। अर्नॉल्ट ने सांगमोंट से दो बैग खरीदे और लोपु गोल्ड की ज्वेलरी में काफी समय बिताया। यह कदम संकेत देता है कि चीन का लग्जरी बाजार तेजी से बदल रहा है। पिछले दो वर्षों में कई स्थानीय ब्रांडों की ऑनलाइन बिक्री में जबरदस्त वृद्धि हुई है। लोपु गोल्ड और सांगमोंट की बिक्री कई गुना बढ़ गई है, जबकि अन्य विदेशी कंपनियों की बिक्री लगातार घट रही है। कुछ चीनी ब्रांड अब विदेशी ब्रांडों से अधिक कमाई कर रहे हैं, जिससे बाजार में उपभोक्ता पसंद में बड़ा बदलाव दिखाई दे रहा है। आज के युवा चीनी ग्राहक केवल बड़े पश्चिमी लोगो से प्रभावित नहीं होते। वे ऐसे उत्पाद पसंद करते हैं जिनमें संस्कृति, कहानी और उनकी पहचान झलकती हो।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी के भाव में मामूली गिरावट नजर आ रही है। कीमत में आई इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,25,070 रुपये से लेकर 1,25,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,14,640 रुपये से लेकर 1,14,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,68,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,25,220 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,14,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,25,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,14,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,25,120 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,14,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,25,070 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,14,640 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। वहीं कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,25,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,14,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,25,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,14,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,25,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,14,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,25,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,14,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,25,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,14,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,25,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,14,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

शेख हसीना को मौत...

जबकि इसी मामले में दोषी ठहराए गए पूर्व आईजीपी ममून पर नरमी बरती गई। उन्हें महज पांच साल की सजा सुनाई गई।कोर्ट ने हसीना के साथ उनके दो करीबियों को भी दोषी माना था। इनमें से पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमान खान कमाल और पूर्व पुलिस महानिरीक्षक यानी आईजीपी चौधरी अब्दुला अल ममून शामिल थे। ममून सरकारी गवाह बन गए और उन्हें माफी मिल गई।बांग्लादेश के पूर्व आईजीपी ममून ने माफी मांगते हुए कहा कि उन्होंने कोर्ट का पूरा साथ दिया। उन्होंने माना कि वे हिंसा में शामिल थे। उन्होंने यह भी कहा कि 4 लोगों ने मिलकर साजिश की और सभी पीएम के आवास पर रोज बैठक भी करते थे। ममून ने अपनी नौकरी की दुहाई दी और कहा कि उन्होंने 36 साल की सर्विस में कोई जुर्म नहीं किया, लेकिन इस घटना ने उनकी छवि खराब कर दी।2010 में न्यायाधिकरण की स्थापना के बाद माफी मांगकर गवाह बनने वाले ममून पहले अभियुक्त बन गए।

सऊदी अरब बस...

जिसके संपर्क नंबर इस प्रकार हैं: वंदना (रेजिडेंट कमिश्नर की निजी सचिव एवं संपर्क प्रमुख): +91 98719 99044

सीएच. चक्रवर्ती (जनसंपर्क अधिकारी): +91 99583 22143

रक्षित नेल (संपर्क अधिकारी): +91 96437 23157

जेद्दाह में भारतीय वाणिज्य दूतावास का नियंत्रण कक्ष

जेद्दा में भारतीय वाणिज्य दूतावास द्वारा भी एक 24/7 नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। हेल्पलाइन नंबर इस प्रकार हैं: 0556122301 (व्हाट्सएप), 8002440003 (टोल-फ्री), 0122614093, 0126614276

भारत केवल एक...

वो अधीरता, जो ठहरे हुए पानी में भी हलचल पैदा कर देती है, ठीक वैसे ही आज का भारत विकसित होने के लिए अधीर है। भारत आत्मनिर्भर होने के लिए अधीर है।उन्होंने कहा कि मैं आज इस मंच से कह सकता हूं कि भारत सिर्फ एक उभरता बाजार ही नहीं है, एक उभरता हुआ मॉडल है। आज दुनिया भारतीय विकास मॉडल को आशा का मॉडल मान रही है।पीएम मोदी ने कहा कि चाहे केंद्र सरकार हो या क्षेत्रीय दलों के नेतृत्व वाली राज्य सरकारें, उनका प्राथमिक ध्यान विकास पर होना चाहिए। मैं राज्य सरकारों को निवेश आकर्षित करके और विकास को बढ़ावा देकर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करता हूं। व्यापार करने में आसानी बढ़ाने के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन इस दिशा में एक बड़ा कदम हो सकता है।

सेना प्रमुख की...

तीनों सेनाओं के बीच एकीकरण पर जोर देते हुए उन्होंने कहा , एकीकरण का अर्थ है कि चाहे वह थलसेना हो, नौसेना हो, वायुसेना हो, सीएएएफ हो, साइबर हो, अंतरिक्ष हो, हम जितनी जल्दी इसे एकीकृत करेंगे, उतनी ही आसानी से हम इस लड़ाई को लड़ सकेंगे।क्योंकि आज का युद्ध बहु-क्षेत्रीय है। अगर मैं कहूँ कि केवल सेना ही लड़ सकती है, तो सेना नहीं लड़ सकती। हम सभी को मिलकर लड़ना होगा। उपग्रह हमें बताएगा कि कौन कहाँ बैठा है। इसी तरह, हमारा साइबर हमें बताएगा कि अगर कोई ड्रोन आ रहा है, तो क्या मुझे उसे दागना होगा? या क्या मैं उसे विद्युत चुम्बकीय स्पेक्ट्रम या लेज़र से मार सकता हूं? बहुत सी चीजें ऐसी हैं जो एक-दूसरे से इतनी जुड़ी हुई हैं कि हमें एक साथ बैठकर इस पर विचार करना होगा। सेना के लंबी और छोटी सभी तरह की लड़ाईयों के लिए तैयार रहने पर बल देते हुए उन्होंने कहा , लड़ाई कितनी देर तक चलेगी? हम आज ऐसा नहीं कह सकते। हमने यह लड़ाई लगभग 88 घंटों में लड़ी। यह चार महीने या चार साल तक चल सकता है। इसे ध्यान में रखते हुए, क्या हमारे पास उस लड़ाई को लड़ने के लिए सामग्री है? क्या हमारे पास इसके लिए हथियार हैं? अगर नहीं, तो हमें इसके लिए तैयारी करनी होगी। हमें चार साल की लड़ाई के लिए तैयारी करनी होगी।

सूर्य-मंगल-बुध की युति से बनेगा त्रिग्रही योग, इन पांच राशियों होगा लाभ

मंगलवार का दिन कई राशियों के लिए बेहद ही शुभ रहने वाला है। वृश्चिक राशि में सूर्य, मंगल और बुध का दुर्लभ संयोग बना है। ग्रहों के राजा सूर्य, बुध और मंगल की महायुति से त्रिग्रही योग का निर्माण हुआ है। इस योग से कई राशियों की किस्मत चमकने वाली है। इसे महत्वपूर्ण योग के प्रभाव से करियर में सफलता मिलेगी और आर्थिक लाभ होगा।

मेष राशि –मेष राशि के जातकों के लिए दिन परेशानियों से छुटकारा दिलाने वाला रहेगा। योजनाबद्ध तरीके से किए गए कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। अपनी कुशलता के दम पर आप कारोबार में आ रही परेशानियों पर काबू पा लेंगे। आज के दिन विरोधियों की मदद लेनी पड़ सकती है। आपको छोटे मोटे कार्यों के लिए इन लोगों पर भरोसा करना पड़ेगा।

वृष राशि –आज आपको अपने कार्यक्षेत्र में कुछ कठिनाई से सामना हो सकता है। एक साथ कई प्रकार के काम हाथ में ले लेने से आपको परेशानी हो सकती है। आज का दिन आपके लिए मिश्रित फल देने वाला रहेगा। इस दौरान आपको रिस्क लेने के लिए तैयार रहना होगा। समय के साथ कार्य करने से आपको सफलता प्राप्त होगी।

मिथुन राशि –मिथुन राशि के जातकों को आज लंबे समय के बाद फुर्सत के पल मिलेंगे। इस दौरान आपको अपने व्यक्तिगत जीवन पर सोच विचार करने का मौका मिलेगा। आने वाले दिनों में मांगलिक कार्यक्रमों में शामिल होने का मौका मिलेगा। ऐसे में आपके लिए बेहतर होगा कि वस्त्र और आभूषण आदि पहने से ही तैयार कर लें।

कर्क राशि –कर्क राशि वालों का आज का दिन व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आज के दिन आपको ढेर सारे कार्यों को करने के लिए तैयार रहना पड़ेगा। इस दौरान आपके लिए यात्रा के भी योग बन रहे हैं। अपने काम को बढ़ाने के लिए संपर्क और गठजोड़ भी करने पड़ सकते हैं। यह यात्रा भविष्य में आपके लिए लाभदायक साबित होगी।

सिंह राशि –सिंह राशि वालों को आज के दिन भाग्य का साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में कामकाज अच्छा होता दिखेगा। अपने कामकाज के अलावा आपको रोमांस और मन की इच्छाओं का भी ध्यान रखना पड़ेगा। कभी कभी ज्यादा परिश्रम करने से आप बोर हो सकते हैं। ऐसे में मनोरंजन आपके लिए बेहतर विकल्प साबित होगा।

कन्या राशि –कन्या राशि वालों के लिए दिन आर्थिक मामलों में मिश्रित रहने वाला है। आपने अब तक जीवन में करियर से ज्यादा प्रेम, रोमांस और भाग्य पर भरोसा किया है, लेकिन अब समय है कि आप अपने कौशल और मेहनत पर ध्यान दें। यदि शुरुआत से ही आप अपने काम में अधिक गंभीर होते, तो शायद परिवार का पूरा सहयोग भी सहज ही मिल जाता। वर्तमान परिस्थितियों में प्रियजनों का नाराज़ होना भी संभव है।

तुला राशि –तुला राशि के जातकों के लिए आज आर्थिक मामलों में सतर्क रहना होगा। स्वास्थ्य पर भी आपको ध्यान देने की जरूरत है। ऐसे में लापरवाही न करें और जरूरत पड़ने पर तुरंत चिकित्सक से सलाह लें। कार्यक्षेत्र में विवाद या तनाव की स्थिति पैदा हो सकती है। आर्थिक संतुलन बनाए रखने के लिए योजनाबद्ध ढंग से खर्च करें।

वृश्चिक राशि –वृश्चिक राशि के जातकों के लिए आज का दिन उतार-चढ़ाव से भरा रहने वाला है। हाल ही में आपके जीवन में कई परिवर्तन आए हैं, जिनका असर अब भी महसूस हो रहा है। प्रेम से संबंधित किसी प्रकार के निर्णय में अस्थिरता आ सकती है। ऐसे में चीज़ों से बचने का मन भी हो सकता है। धैर्य और समझदारी से काम लें।

धनु राशि –रोमांस के मामले में आपके जीवन में नफरत और प्रेम का लेखा जोखा बराबर रहता है। आपमें से कईं लोग ऐसे हैं जिनको इन दिनों अपने गृहस्थ जीवन को संवारने में काफी मेहनत करनी पड़ रही है। कुछ लोग अपने प्रेम संबंधों को विवाह में तब्दील करने की कोशिश भी कर सकते हैं।

मकर राशि –आज के दिन आप अपने करियर दाम्पत्य जीवन तथा माता पिता सहित संतान और परिवार के सदस्यों पर अधिक केन्द्रित हो सकते हैं। यदि आप नौकरी पेशा हैं तो आपको किसी अच्छे काम का पुरस्कार भी मिल सकता है। घर में आपका माहौल बहुत शान्त है और यह सब आगे चलकर आपके लिए कुछ ऐसी खुशियां ला सकता है।

कुंभ राशि – आपको अपने मन पर पूरा ही नियंत्रण रखना पड़ेगा। किसी साथी या पड़ोसी के द्वारा कही गई बात पर आप अचानक ही भड़क सकते है, लेकिन ध्यान रखें कि झगड़ा मोल लेने के बाद सुलह सफाई करने की भी गुंजाइश रखनी चाहिए।

मीन राशि –बृहस्पति ग्रह की सहायता से आप अपने कार्यक्षेत्र में इस समय अच्छी ख्याति और यश बटोर सकते हैं। अगर गंभीर होकर अपने कार्य में तत्पर हैं तो उन्नति की उच्च सीमा तक भी जा सकते हैं। समय का सहयोग अगर मिलता रहा और आपकी इच्छा शक्ति इसी तरह से कायम रही तो वह समय भी दूर नहीं होगा।

हनुमान चालीसा का पाठ ब्रह्म मुहूर्त में करना रहता है सबसे उत्तम

हनुमान चालीसा का पाठ करना बहुत लाभकारी माना गया है। इसका पाठ किसी भी वक्त किया जा सकता है। लेकिन पूरे दिन में एक समय ऐसा है जब हनुमान चालीसा का पाठ करने से साधक को कोई फल प्राप्त नहीं होता है। इसी तरह एक वक्त ऐसा होता है जब हनुमान चालीसा के पाठ से आपको उत्तम फल प्राप्त हो सकता है।

हनुमान चालीसा का पाठ करने का सही समय

ब्रह्म मुहूर्त में हनुमान चालीसा का पाठ करना सबसे उत्तम माना गया है। शास्त्रों की मानें तो इस अवधि के दौरान वातावरण में सबसे शुद्ध ऊर्जा, शांति और शक्ति मौजूद होती है। ऐसे में ब्रह्म मुहूर्त यानी सुबह 4 बजे से लेकर 5 बजकर 30 मिनट तक के बीच में हनुमान चालीसा का पाठ करना सबसे शक्तिशाली और फलदायी माना गया है। इस समय को ध्यान, मंत्र जाप, पूजा आदि कार्यों के लिए सबसे उत्तम माना जाता है। ऐसा करने से जातक के जीवन से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही, भगवान हनुमान की विशेष कृपा भी प्राप्त हो सकती है। अगर आपके लिए ब्रह्म मुहूर्त में ऐसा कर पाना संभव न हो तो शाम को 8 बजे भी हनुमान चालीसा का पाठ किया जा सकता है। इससे शुभ फल की प्राप्ति होती है।

हनुमान चालीसा का पाठ करने की विधि

हनुमान चालीसा के पाठ से नवग्रहों की बाधा से रक्षा होती और मानसिक अशांति दूर होती है। इसका पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए सही विधि से पाठ करना बेहद महत्वपूर्ण माना गया है। मान्यता है कि ब्रह्म मुहूर्त या शाम के 8 बजे, आप जब भी हनुमान चालीसा का पाठ करें तब एक लाल रंग की बाती और घी का दीपक जरूर जलाएं। घी के दीये के साथ नियमित रूप से 21 दिनों तक ऐसा करना सर्वश्रेष्ठ माना गया है। इससे आपको जीवन की कई बाधाओं से मुक्ति मिल सकती है।

हनुमान चालीसा का पाठ कब नहीं करना चाहिए?

दिन में कभी भी हनुमान चालीसा का पाठ किया जा सकता है, लेकिन एक समय ऐसा भी है जब इसका पाठ करने से फल की प्राप्ति न्यून होती है। मान्यता है कि कभी भी दोपहर के समय हनुमान चालीसा का पाठ नहीं करनी चाहिए क्योंकि पीछे रामायण काल की एक खास वजह छिपी हुई है। कहा जाता है कि हनुमानजी ने विभीषण को वचन दिया था कि वह प्रतिदिन दोपहर के समय उनके पास जाएंगे। ऐसे में बजरंगबली नियमित रूप से दोपहर के समय लंका रहते हैं और विभीषण के अनुरोध पर वहीं रुकते हैं। यही कारण है कि दिन के समय हनुमान चालीसा का पाठ करने से इसके पूर्ण फल की प्राप्ति नहीं होती है। इसलिए सुबह और शाम के समय इसका पाठ करना चाहिए उत्तम माना गया है। हनुमानजी सुबह के वक्त प्रभु श्रीराम की सेवा में रहते हैं और शाम 8 बजे के बाद अपने स्थान पर वापस चले जाते हैं।

हनुमान चालीसा पढ़ने के फायदे

नियमित रूप से केवल हनुमान चालीसा के पाठ से जातक को जीवन की कई बाधाओं और समस्याओं से मुक्ति मिल सकती है। रात के समय इसका पाठ करने से जातक को बुरे स्वप्नों से छुटकारा मिल सकता है। ऐसे में बच्चों को शाम को इसे सुनाना भी उत्तम माना गया है। इससे मानसिक अशांति और अज्ञात भय दूर होता। साथ ही, इससे मानसिक और शारीरिक रोग दूर हो सकते हैं। हनुमान चालीसा के पाठ से बजरंगबली के साथ-साथ प्रभु श्रीराम की भी विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है।

लव लाइफ में आएंगे कई बदलाव, धैर्य और आपसी समझ से रिश्ते होंगे मजबूत

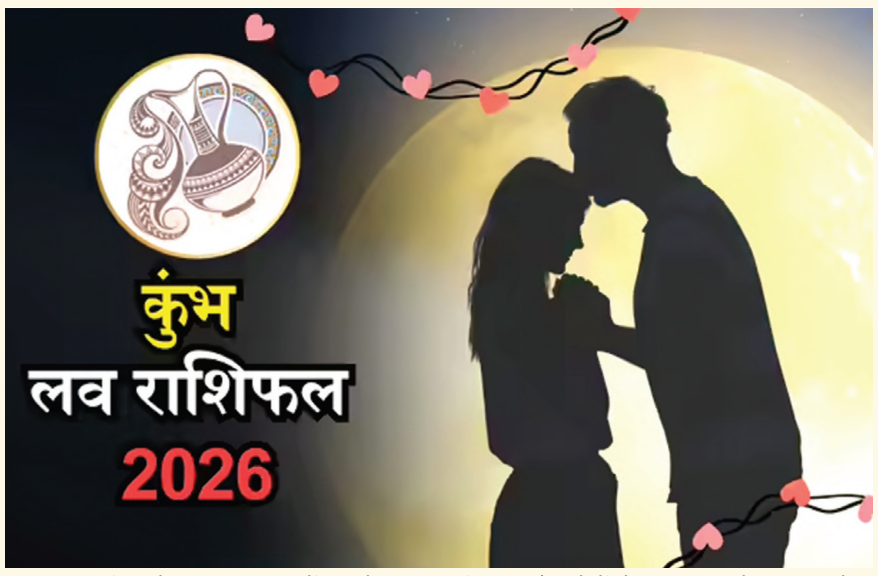

कुंभ राशि को साल 2026 में अपने लव लाइफ में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। वैवाहिक जीवन को खुशहाल बनाए रखने के लिए आपसी समझ और शांति से परिस्थितियों को संभालना बेहद जरूरी होगा। साल की शुरुआत में जीवनसाथी के साथ दूरी महसूस हो सकती है। ऐसे में गलतफहमियां भी आपके बीच आएंगी, जिससे भावनात्मक जुड़ाव कम हो सकता है। अपने रिश्ते को मजबूत बनाए रखने के लिए, भरोसा, शांत स्वभाव और आपसी समझ सबसे जरूरी होगी। हालांकि, साल का मध्य से लेकर अंत का समय आपके वैवाहिक जीवन में खुशियां भरेगा। वहीं, लव लाइफ बिता रहे लोगों को शुरुआत में कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है और रिश्ते में दूरियां आने की भी संभावनाएं हैं। लेकिन एक दूसरे की बात समझने से रिश्ते स्थिरता बनी रहेगी। वहीं, साल का अंत आपके लव लाइफ को सुखद बना सकता है। इस साल में मार्च, जून, अगस्त और नवंबर का महीना आपके लिए बेहतरीन रहेगा।

कुंभ लव राशिफल 2026 विवाहित लोगों के लिए

कुंभ राशि वालों को साल 2026 की शुरुआत में अपने दांपत्य जीवन को सुखमय बनाए रखने के लिए अधिक प्रयास करने होंगे। आप जीवनसाथी के साथ मिलकर पारिवारिक जिम्मेदारियों को पूरा करेंगे। हालांकि, दोनों के बीच कुछ गलतफहमियां और विवाद उत्पन्न होने की भी संभावना है, जिससे रिश्ते में दूरियां आ सकती हैं। ऐसे में आपको धैर्य, विश्वास और प्रेम के साथ विपरीत परिस्थितियों को संभालना होगा। अन्यथा आपको अकेलापन महसूस हो सकता है। अगर आप इस साल किसी बड़ी ट्रिप की प्लानिंग कर रहे हैं, तो उसमें देरी होने की संभावना है। आपको इस समय कोई भी बात अपने जीवनसाथी से छुपाने से बचना होगा, अन्यथा समस्याएं खड़ी हो सकती हैं। कोई भी फैसला जल्दबाजी में लेने से बचें।

वैवाहिक जीवन की समस्याएं होंगी कम

कुंभ राशि के वैवाहिक जीवन में जून माह में गुरु गोचर के पश्चात दोबारा खुशहाली लौट सकती है। रिश्ते मजबूत होंगे और आपसी तालमेल भी बनना शुरू हो सकता है। हालांकि, इसके लिए आपको प्रयास करने होंगे और एक दूसरे की भावनाओं को समझना जरूरी होगा। इससे जीवन में सकारात्मकता आएगी और दांपत्य जीवन में सुखद अनुभव रहेंगे। आप एक साथ अच्छा समय व्यतीत कर सकते हैं और एक दूसरे को समझने का प्रयास भी करेंगे, जिससे दोनों का रिश्ता गहरा होगा। अगर छोटी-मोटी अनबन थी तो वह भी साल के मध्य में दूर हो सकती है और नजदीकियां बढ़ने लगेंगी।

जीवनसाथी के साथ प्रेम होगा गहरा

कुंभ राशि वालों के लिए इस साल के अंतिम महीने बेहद सुखद रहने वाले हैं। अक्टूबर में गुरु का दूसरा गोचर होगा, जिसके पश्चात आपके वैवाहिक जीवन में सकारात्मक बदलाव आने की संभावना है। दोनों के बीच का प्रेम गहरा होगा और सारे गिले शिकवे दूर होने लगेंगे। ऐसे में आप एक साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे और भावनात्मक जुड़ाव भी बढ़ेगा। अपने दांपत्य जीवन में सुखद अनुभव महसूस करेंगे और घर का माहौल भी खुशनुमा रहेगा। आप दोनों साथ में समस्याओं का हल खोजेंगे और हर मुश्किल से बाहर निकलने में सक्षम होंगे। मार्च और अगस्त का महीना आपके दांपत्य जीवन के लिए स्पेशल रहेगा।

कुंभ लव राशिफल अविवाहित लोगों के लिए

कुंभ राशि के जो जातक साल 2026 में नया रिश्ता शुरू करने जा रहे हैं या इस बारे में विचार बना रहे हैं उनके लिए साल की शुरुआत कुछ कम अच्छी हो सकती है। ऐसे में आपके लिए कुछ देर रुकना बेहतर होगा। वहीं, लव लाइफ बिता रहे लोगों के लिए भी यह समय कम अनुकूल रहने वाला है। आपको शुरुआत में अपने रिश्ते में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही, पार्टनर से जुड़ाव महसूस न कर पाने के कारण उदास रह सकते हैं। आपको अपने रिश्ते को संभालने के लिए प्रयास करने होंगे और एक दूसरे की भावनाओं को समझना होगा। वहीं, सिंगल लोगों को इस समय किसी भी प्रकार की जल्दबाजी करने से बचना चाहिए। सभी समस्याओं का समाधान ढूंढने के बाद कोई भी फैसला लेना बेहतर होगा।

गुरु गोचर से आएगा सकारात्मक बदलाव

कुंभ राशि के लव लाइफ में साल के मध्य में प्रेम और उत्साह बढ़ सकता है। आपके रिश्ते में आने वाली समस्याएं कम होने लगेंगी और दोनों के बीच की नजदीकियां भी बढ़ेंगी। हालांकि, इस अवधि के दौरान आपको किसी की भी बातों में आने से बचना होगा क्योंकि, भरोसे से ही यह रिश्ता मजबूत बनेगा। सिंगल लोगों की मुलाकात कुछ नए लोगों से हो सकती है। लेकिन उनसे जुड़ाव कम महसूस होगा। हालांकि, गुरु गोचर आपके जीवन में अच्छे बदलाव लेकर आ सकता है।

लव लाइफ में बढ़ेगा रोमांस

कुंभ राशि के जीवन में अक्टूबर माह में गुरु गोचर के बाद सुखद अनुभव रहेंगे। आपके मन की उलझनें दूर हो सकती हैं और कोई अच्छा पार्टनर मिलने की संभावनाएं हैं। कुंडली में योग होने पर इस अवधि के दौरान कुछ लोगों की सगाई भी हो सकती है। हालांकि, आपको इस समय भी जल्दबाजी में फैसले लेने से बचना होगा। अपने जीवन के बारे में कोई भी निर्णय सोच-समझकर लेना महत्वपूर्ण होगा। लव लाइफ के मामले में पार्टनर के साथ आप अच्छा समय व्यतीत कर सकते हैं और रिश्ते में आने वाली समस्याओं को बातचीत के माध्यम से सुलझाने का प्रयास कर सकते हैं। इसी के चलते साल के अंत में आपके जीवन में सुखद अनुभव रहेंगे। लव लाइफ के मामले में मई और जून का महीना आपके लिए रोमांस से भरा हो सकता है।

बुध गोचर से बनेगा लक्ष्मी नारायण योग

नवंबर के अंतिम सप्ताह में निम्न राशियों को होगी खूब कमाई

मेष राशि, नौकरी में प्रमोशन के योग

मेष राशि के सप्तम भाव में यह गोचर हो रहा है। लक्ष्मी नारायण योग मेष राशि के लिए अत्यंत शुभ रहने वाला है। इस दौरान आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और रुके हुए कार्य पूरे होंगे। नौकरी में प्रमोशन के योग भी बनते हुए दिख रहे हैं। परिवार का भी इस समय आपको पूरा साथ मिलेगा। इससे आपका मानसिक तनाव कम होगा। किसी यात्रा पर जाने का भी योग बन रहा है। यह यात्रा भविष्य में आपके लिए जो लाभदायक साबित होगी। वहीं, निवेश से भी आपको अच्छा मुनाफा मिल सकता है।

मिथुन राशि, वरिष्ठ अधिकारी से प्रशंसा मिलेगी

मिथुन राशि वालों के लिए बुध-शुक्र की युति सौभाग्य लेकर आने वाली है। मिथुन राशि के पंचम भाव में बुध का गोचर हो रहा है। इससे व्यापार और कार्यक्षेत्र में लिए गए फैसले भविष्य में लाभदायक साबित हो सकते हैं। ऑफिस में आपके कार्य की सराहना होगी और किसी वरिष्ठ अधिकारी से प्रशंसा मिलने के शुभ संकेत दिख रहे हैं। इस गोचर के दौरान आपके प्रेम जीवन में मधुरता आएगी और पार्टनर के साथ रिश्ता मजबूत होगा। किसी नई योजना को लागू करने के लिए यह सही समय है। हालांकि आपके अपनी सेहत पर थोड़ा ध्यान देना होगा।

23 नवंबर को तुला राशि में बुध का गोचर होने जा रहा है। शुक्र पहले से ही अपनी स्वराशि तुला में विराजमान हैं। ऐसे में बुध-शुक्र की युति से बेहद ही शुभ लक्ष्मी नारायण योग बनने जा रहा है। लक्ष्मी नारायण योग को ज्योतिष में अत्यंत शुभ और सौभाग्यशाली योग माना जाता है। यह योग को भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी के दिव्य स्वरूप का प्रतीक भी माना जाता है। यह योग व्यक्ति के जीवन में धन, समृद्धि, और समाज में मान-सम्मान दिलाता है। कुंडली में इस योग के बनने से जातक को माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु की विशेष कृपा मिलती है। बुध का यह गोचर 23 नवंबर 2025, रविवार को शाम 07 बजकर 58 मिनट पर होगा। वहीं, शुक्र 2 नवंबर से 6 दिसंबर तक तुला राशि में ही रहेंगे।

कर्क राशि, धन लाभ की प्रबल संभावना

कर्क राशि के जातकों के लिए लक्ष्मी नारायण योग अत्यंत लाभकारी रहने वाला है। आपकी राशि के चतुर्थ भाव में हो रहा इस गोचर के प्रभाव से घर की सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। इस दौरान धन लाभ की प्रबल संभावना नजर आ रही है। जमीन-जायदाद से जुड़े मामले आपके पक्ष में रहेंगे। ऑफिस में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा और सहकर्मियों का सहयोग प्राप्त होगा। स्वास्थ्य का आपको पूरा साथ मिलेगा, लेकिन खाने-पीने में आपको थोड़ी सावधानी रखनी होगी। पूजा-पाठ और आध्यात्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी।

तुला राशि, विदेश यात्रा के योग

तुला राशि के लग्न भाव बुध का गोचर हो रहा है, जिसका आपको विशेष लाभ प्राप्त होगा। इसके प्रभाव से आपके जीवन में सुख और समृद्धि की वर्षा होगी। विदेश यात्रा के भी योग बन रहे हैं। यह यात्रा आपके लिए भविष्य में लाभकारी साबित होगी। किसी पुराने काम में सफलता मिलने से आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। व्यापारियों के लिए यह सकारात्मक परिणाम देने वाला रहेगा। वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा और कुंवारे लोगों को इस दौरान कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

मकर राशि, करियर में उन्नति होगी

मकर राशि के दशम भाव में हो रहा यह गोचर करियर में उन्नति के अवसर लेकर आ रहा है। इस दौरान आपको नेतृत्व क्षमता दिखाने का मौका मिलेगा। धन लाभ के प्रबल योग बन रहे हैं। सोच-समझकर किया गया निवेश आपके लिए फायदेमंद साबित होगा। परिवार में प्रमुख सदस्य का सहयोग मिलेगा। विदेशी कार्य से जुड़े लोगों को लिए यात्रा के योग भी बन रहे है। मकर राशि के छात्रों प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त होगी। स्वास्थ्य भी आपका सामान्य रहेगा।

अनुपम खेर ने जिसे कभी कहा था धोखेबाज, वो बन गया उनकी ताकत

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने हिंदी सिनेमा में 500 से अधिक फिल्मों में काम किया है। उन्होंने हमेशा अपनी सफलता का श्रेय भारतीय फिल्म निर्माता और निर्देशक महेश भट्ट को दिया है, हालांकि 90 के दशक में एक समय ऐसा भी आया जब दोनों के बीच मनभेद की खबरें आईं, लेकिन समय के साथ सब कुछ ठीक हो गया। हाल ही में महेश भट्ट और अनुपम खेर की मुलाकात एयरपोर्ट पर हुई। अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर अपनी और महेश भट्ट की फोटो शेयर की, जिसमें दोनों एक साथ बहुत खुश दिख रहे हैं। एक्टर ने फोटो के कैप्शन में लिखा, अगर आपको समझ नहीं आ रहा कि आप कहां जा रहे हैं, तो किसी ऐसे व्यक्ति से पूछिए जो पहले वहां गया हो। हमेशा साथ रहने के लिए शुक्रिया भट्ट साब। आप मेरे लिए बहुत बड़ी ताकत रहे हैं। स्क्रीन पर और स्क्रीन के बाहर! आपसे प्यार करता हूं। महेश भट्ट की फिल्म 'सारांश' से ही अनुपम खेर को हिंदी सिनेमा में पहचान मिली थी, लेकिन इसी फिल्म के समय महेश भट्ट और अनुपम खेर के बीच बड़ा विवाद हो गया था। अनुपम खेर अपने इंटरव्यू में इस बात का जिक्र कई बार कर चुके हैं कि महेश भट्ट उनके लिए पिता समान हैं और हमेशा उनका गुस्सा सिर-माथे पर है। एक बार एक्टर ने बताया था कि जब उन्हें 'सारांश' फिल्म ऑफर हुई थी, तो वे बहुत खुश थे।

फिल्म की शूटिंग शुरू होने वाली थी, तभी मुझे पता चलता है कि मुझे फिल्म से हटाकर संजीव कुमार को कास्ट कर लिया गया है। ये सुनकर मैं आग बबूला हो गया था और मैंने मुंबई शहर को ही छोड़ने का फैसला कर लिया था। अनुपम ने आगे बताया कि गाड़ी में अपना सामान पैक करके वे महेश भट्ट के घर पहुंचे और उन्हें धोखेबाज से लेकर चालबाज तक कह दिया।

उन्होंने कहा, मेरी आंखों में आंसू थे और मैं कह रहा था कि आपने मेरे साथ गलत किया। इसके बाद महेश भट्ट ने फिल्म के प्रोड्यूसर को फोन किया और कहा कि अनुपम ही रोल करेगा, संजीव कुमार को मना कर दो। बहुत सारे लोगों को लगता है कि अनुपम खेर की पहली फिल्म 1984 की 'सारांश' थी, लेकिन उनके करियर की पहली फिल्म 1982 में आई 'आगमन' थी। इस फिल्म से एक्टर को खास पहचान नहीं मिली थी, बल्कि 'सारांश' में 65 साल के आदमी का रोल करके उन्होंने अपनी पहचान बनाई थी।

संजय मिश्रा और महिमा चौधरी की

फिल्म दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी 19 दिसंबर को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

अभिनेता संजय मिश्रा और महिमा चौधरी की अपकमिंग फिल्म 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। सोमवार को मेकर्स ने फिल्म के पोस्टर के साथ रिलीज डेट की घोषणा की। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर लिखा, शादी की खुशियां शुरू होने वाली हैं! प्यार, परिवार और नए अवसरों का जश्न मनाने के लिए तैयार हो जाइए। फिल्म 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' 19 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।शेयर किए गए पोस्टर में अभिनेत्री महिमा चौधरी और संजय मिश्रा दूल्हा-दुल्हन के लुक में नजर आ रहे हैं। जहां अभिनेत्री कैमरे की तरफ देखते हुए पोज दे रही हैं, वहीं अभिनेता हाथ में वरमाला लिए अभिनेत्री को देख रहे हैं। कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' का निर्देशन सिद्धांत राज सिंह ने किया है। फिल्म में पहली बार अभिनेत्री महिमा चौधरी और संजय मिश्रा एक-दूसरे के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। एका एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी इस फिल्म में महिमा चौधरी और संजय मिश्रा के अलावा, पलक लालवानी, प्रवीण सिंह सिसोदिया और श्रीकांत वर्मा मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म एक ऐसे पिता के ईर्द-गिर्द घूमती है, जिसका बेटा उसकी दूसरी शादी करवाना चाहता है, जिसके लिए वह न्यूजपेपर में इश्तियार निकलवाता है।

अब देखना होगा कि ये कॉमेडी ड्रामा दर्शकों के दिलों में कैसा जादू बिखेरेगी। वहीं, अभिनेता संजय मिश्रा जल्द ही फिल्म 'वध 2' में नजर आएंगे। फिल्म का वर्ल्ड प्रीमियर 23 नवंबर को गोवा में 56वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) 2025 में होगा। 'वध 2' साल 2022 में रिलीज हुई सस्पेंस थ्रिलर 'वध' का सीक्वल है।

पहली फिल्म में नीना गुप्ता और संजय मिश्रा ने आम दंपति की भूमिका निभाई थी, जो अप्रत्याशित परिस्थितियों में फंस जाते हैं। दर्शकों ने एक्टर्स के किरदार को काफी पसंद किया था। अभिनय शैली के साथ कहानी की गहराई को भी खूब सराहना मिली थी। 'वध 2' में नीना गुप्ता और संजय मिश्रा के साथ सौरभ सचदेवा, नदीम खान, मानव विज, सुमित गुलाटी जैसे एक्टर्स अहम भूमिका में हैं।

फिल्म इंडस्ट्री में रचनात्मक आजादी जरूरी हुमा कुरैशी ने साझा किए विचार

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने फिल्मों और ओटीटी सीरीज के जरिए अलग पहचान बनाई है। वह हमेशा उन कलाकारों में से रही हैं, जो न सिर्फ चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं को स्वीकार करती हैं, बल्कि अपनी सोच और पसंद के अनुसार काम करने की आजादी को सबसे आगे रखती हैं। इस कड़ी में जागरण फिल्म फेस्टिवल के दौरान हुमा ने फिल्म इंडस्ट्री में रचनात्मक आजादी के महत्व पर अपने विचार रखे। हुमा कुरैशी ने कहा कि एक मजबूत फिल्म इंडस्ट्री तभी संभव है, जब हर तरह की फिल्में बनाने का मौका मिले। इंडस्ट्री में सिर्फ बड़ी फिल्में या ब्लॉकबस्टर ही नहीं, बल्कि छोटी, मध्यम दर्जे की और इंडिपेंडेंट फिल्मों की भी काफी अहमियत होती है। फिल्म निर्माता दर्शकों को ध्यान में रखते हुए नई कहानी और शैली में तरह-तरह के प्रयोग कर सकते हैं। ऐसा करने से न केवल इंडस्ट्री मजबूत बनती है, बल्कि दर्शकों को भी अलग-अलग तरह की फिल्मों का अनुभव मिलता है।''

उन्होंने कहा, ''हमें दर्शकों को देखकर फिल्म बनानी चाहिए। बड़ी फिल्में बननी चाहिए, छोटी फिल्में, सामान्य फिल्में, और इंडिपेंडेंट फिल्मों पर भी ध्यान देना चाहिए। जब हर तरह की फिल्मों को बनाने की आजादी होती है और लोग उन्हें देखने का मौका पाते हैं, तब ही फिल्म इंडस्ट्री मजबूत और जीवंत बनती है।''

हुमा ने 'दिल्ली क्राइम सीजन 3' में अपने खलनायिका के रोल के बारे में भी बात की। उन्होंने आईएएनएस को बताया कि यह उनके करियर में पहली बार था, जब उन्होंने इस तरह का नकारात्मक किरदार निभाया है। जब उन्हें इस शो के लिए कॉल आया, तो वह उस समय 'महारानी' की शूटिंग कर रही थीं।

उन्होंने कहा, ''मैं इस शो को लेकर पहले सोच रही थी कि शायद मुझे पुलिस वाले का मुख्य रोल मिलेगा, लेकिन मुझे बताया गया कि यह एक नेगेटिव रोल है।''

हुमा ने कहा, ''खलनायिका का रोल निभाना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन इसे करने में बेहद मजा आया। दर्शक इस किरदार में मुझे एक बिल्कुल अलग अंदाज में देखेंगे। 'महारानी' और 'दिल्ली क्राइम' जैसे दोनों शोज लगातार आने की वजह से मुझे रोजाना कई कॉल और मैसेज मिल रहे हैं, जिसमें लोग दोनों किरदारों की तारीफ कर रहे हैं।''

फिल्म कहीं प्यार न हो जाए के 25 साल पूरे होने पर जैकी श्रॉफ ने शेयर की पुरानी यादें

रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'कहीं प्यार न हो जाए' ने अपनी रिलीज के 25 साल पूरे कर लिए हैं। सोमवार को अभिनेता जैकी श्रॉफ ने फिल्म की पुरानी यादों को ताजा किया। अभिनेता ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म के सीन की क्लिप शेयर की, जिसके साथ उन्होंने लिखा, फिल्म 'कहीं प्यार न हो जाए' के 25 साल पूरे। साल 2000 में रिलीज हुई फिल्म 'कहीं प्यार न हो जाए' का निर्देशन मुरलीमोहन राव ने किया है। इसमें जैकी के अलावा, सलमान खान, रानी मुखर्जी, पूजा बत्रा, कश्मीरा शाह, रवीना टंडन और इंदर कुमार जैसे कलाकार शामिल थे।

फिल्म के गानों और कहानी ने दर्शकों के दिलों में खास पहचान बनाई थी। वहीं, फिल्म का गाना 'ओ प्रिया, ओ प्रिया' आज भी लोगों को पसंद आता है।फिल्म में भी सलमान प्रेम ही बने थे। यह फिल्म अमेरिकी फिल्म 'द वेडिंग सिंगर' की रीमेक है। फिल्म की कहानी प्रेम (सलमान खान) और रानी मुखर्जी के ईर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें सलमान को रानी से प्यार हो जाता है, लेकिन रानी की सगाई हो चुकी होती है।फिल्म में भले ही जैकी ने साइड रोल निभाया था, लेकिन उन्होंने अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का अच्छा खासा ध्यान खींचा था।अभिनेता जैकी श्रॉफ की कुछ फिल्में और सीरीज रिलीज हो चुकी हैं और कुछ रिलीज के लिए लाइन पर हैं। इससे पहले वे उनकी सीरीज 'हंटर-2' और अनुपम खेर की फिल्म 'तन्वी-द-ग्रेट' में नजर आए थे, और वे जल्द ही समीर विद्वांस की अपकमिंग फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा' में नजर आएंगे।

फिल्म में जैकी के अलावा, नीना गुप्ता, कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे भी नजर आएंगी। इसका निर्माण धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले किया गया है। करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता, शरीन मंट्री केडिया और किशोर अरोड़ा द्वारा निर्मित फिल्म 25 दिसंबर को रिलीज होगी।

किसी व्यक्ति को बिना पहचाने उसके बारे में गलत बातें न फैलाएं : ऐश्वर्या शर्मा

टीवी एक्ट्रेस ऐश्वर्या शर्मा और नील भट्ट की शादीशुदा जिंदगी में आए मनमुटाव और अलगाव की खबरों के बीच ऐश्वर्या शर्मा ने ट्रोलर्स को जवाब दिया। सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उन्होंने अपने ऊपर लगे आरोपों और अफवाहों पर अपना पक्ष रखा। ऐश्वर्या शर्मा ने सोमवार को इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में कहा, ''मैंने कभी किसी को परेशान नहीं किया या किसी के साथ भी बुरा व्यवहार नहीं किया, बल्कि अपने प्रोफेशनलिज्म को हमेशा बनाए रखा। बावजूद इसके मुझे लगातार ट्रोल किया गया, जिसे मैंने हमेशा हंसते-हंसते सहन किया है। मेरे खिलाफ जो अफवाहें फैलाई जा रही हैं, वे गलत हैं और उन पर विश्वास करने से पहले लोगों को सच जानना चाहिए।'' ऐश्वर्या ने अपने पोस्ट में कहा कि उन्होंने कभी किसी को बुली नहीं किया। वे खुद ही बुली की शिकार हैं, जो आम लोगों की नजर में क्यों नहीं आ पाता। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे किसी व्यक्ति को बिना पहचाने उसके बारे में गलत बातें न फैलाएं। नील भट्ट और ऐश्वर्या शर्मा की पहली मुलाकात टीवी सीरियल 'गुम है किसी के प्यार में' के सेट पर हुई थी।

इस सेट पर उनकी दोस्ती ने धीरे-धीरे प्यार का रूप ले लिया और सिर्फ एक साल के भीतर दोनों ने शादी कर ली। शादी के बाद दोनों कई बार साथ में टीवी शो में नजर आए। वे 'बिग बॉस 17' में भी दिखाई दिए, जहां उनके बीच की केमिस्ट्री को लोगों ने खूब सराहा, हालांकि बिग बॉस के दौरान ऐश्वर्या को कई बार नील पर गुस्सा करते हुए देखा गया, लेकिन हर बार नील प्यार और समझदारी से उनके गुस्से को शांत कर देते थे।

पिछले कुछ महीनों से उनके रिश्ते में दूरियां बढ़ने लगीं और दोनों के अलग रहने की खबरें सामने आने लगीं। सोशल मीडिया पर दोनों ने एक-दूसरे के साथ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करना भी बंद कर दिया है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

पुरानी परियोजनाओं की सफलता आत्मविश्वास में वृद्धि करेगी। आज आप अपने घर के सदस्यों को कहीं घुमाने ले जा सकते हैं और आपका काफी धन खर्च हो सकता है। बहन का स्नेह आपको प्रोत्साहन देगा। लेकिन छोटी–मोटी बातों पर आपा खोने से बचें, क्योंकि इससे आपके हितों को नुक़सान पहुँचेगा। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। आज जीवनसाथी के साथ समय बिताने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा। आपके प्रेम को देखकर आज आपका प्रेमी गदगद हो जाएगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है ।अगर आप सीधा जवाब नहीं देंगे तो आपके सहयोगी आपसे नाराज़ हो सकते हैं। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता–पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है। आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

नफ़रत की भावना महंगी पड़ सकती है। यह न केवल आपकी सहन–शक्ति घटाती है, बल्कि । आज धन लाभ होने की संभावना तो बन रही है लेकिन ऐसा हो सकता है कि अपने गुस्सैल स्वभाव के कारण आप पैसा कमाने में सक्षम न हो पाएं। बच्चे को रोमांचक समाचार ला सकते हैं। आज आप ऐसे इंसान से मिल सकते हैं, जो आपको ख़ुद अपनी ज़िन्दगी से ज़्यादा चाहता होगा। कार्यक्षेत्र में आपका कोई प्रतिद्वंदी आज आपके खिलाफ साजिश कर सकता है, इसलिए आज आपको आंख कान खोलकर काम करने की जरुरत है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप खाली समय का आनंद ले सकेंगे। धन की आवश्यकता कभी भी पड़ सकती है इसलिए आज जितना हो अपने पैसे की बचत करने का विचार बनाएं। आपके बच्चे के पुरुस्कार वितरण समारोह का बुलावा आपके लिए ख़ुशनुमा एहसास रहेगा। वह आपकी उम्मीदों पर खरा उतरेगा और आप उसके ज़रिए अपने सपने साकार होते हुए देखेंगे। आप महसूस करेंगे कि प्यार में बहुत गहराई है और आपका प्रिय आपको सदा बहुत प्यार करेगा। पैसे बनाने के उन नए विचारों का उपयोग करें, जो आज आपके ज़ेहन में आएँ। यात्रा आपके लिए आनन्ददायक और बहुत फ़ायदेमंद हैं

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

मौज–मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। आज सफलता का मंत्र यह है कि उन लोगों की सलाह पर पैसे लगाएँ, जो मौलिक सोच रखते हों और अनुभवी भी हों। पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। बुरा दौर ज़्यादा सिखाता है।अगर आप अपने काम पर ध्यान दें तो क़ामयाबी और प्रतिष्ठा आपकी होगी। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। जीवनसाथी से बिना पूछे योजना बनाएंगे, तो उनकी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आप ख़ुद को बेहतर और आत्मविश्वास से भरा हुआ महसूस करेंगे। पारिवारिक सदस्यों की मदद आपकी ज़रूरतों का ख़याल रखेगी। आज आपका मन ऑफिस के काम में नहीं लगेगा। आज आपके मन में कोई दुविधा होगी जो आपको एकाग्र नहीं होने देगी। दिन उम्दा है, आज के दिन अपने लिए समय निकालें और अपनी कमियों और खुबियों पर गौर फर्माएं। इससे आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएंगे। जन्मदिन भूलने जैसी किसी छोटी–सी बात को लेकर जीवनसाथी से तक़रार मुमकिन है। लेकिन अन्ततः सब ठीक हो जाएगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। घर में किसी फंक्शन के होने की वजह से आज आपको बहुत धन खर्च करना पड़ेगा जिसके कारण आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। बुरा दौर ज़्यादा सिखाता है। ख़ुद को अभिव्यक्त करने के लिए अच्छा समय है– और ऐसे प्रोजेक्ट पर काम कीजिए, जो रचनात्मक हों। अपने शरीर को दुरुस्त करने के लिए आज भी आप कई बार सोचेंगे लेकिन बाकी दिनों की तरह भी आज यह प्लान धरा का धरा रह जाएग ।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जिन लोगों ने अतीत में अपना धन निवेश किया था आज उस धन से लाभ होने की संभावना बन रही है। दिन को रोमांचक बनाने के लिए क़रीबी दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएँ। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी/प्रिय से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे–जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। दिन के अंत में आपको अपने लिए समय मिल पाएगा और आप किसी करीबी से मुलाकात करके इस समय का सदुपयोग कर सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपनी ऊर्जा को व्यक्तित्व–विकास के काम में लगाएँ, जिससे आप और भी बेहतर बन सकें। लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। अगर आपके मन में तनाव है तो किसी नज़दीकी रिश्तेदार या दोस्त से बात करें, पैसे बनाने के उन नए विचारों का उपयोग करें, जो आज आपके ज़ेहन में आएँ। आप खाली समय में अपने पसंदीदा काम करना पसंद करते हैं, आज भी आप ऐसा ही कुछ करने का सोचेंगे लेकिन किसी शख्स के घर में आने की वजह से आपका यह प्लान चौपट हो सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

शारीरिक और मानसिक लाभ के लिए ध्यान व योग करना उपयोगी रहेगा। आज का दिन ऐसी चीज़ों को ख़रीदने के लिए बढ़िया है, जिनकी क़ीमत आगे चलकर बढ़ सकती है। आपके व्यक्तिगत मोर्चे पर कोई बड़ी चीज़ होने वाली है, जो आपके और आपके परिवार के लिए उल्लास लेकर आएगी। अगर आप हुक़्म चलाने की कोशिश करेंगे, तो आपके और आपके प्रिय के बीच काफ़ी परेशानी खड़ी हो सकती है। नौकरों और सहकर्मियों से परेशानी होने की संभावना को ख़ारिज नहीं किया जा सकता है। जीवनसाथी की ख़राब सेहत का असर आपके काम–काज पर भी पड़ सकता है, लेकिन आप किसी तरह चीज़ें संभालने में क़ामयाब रहेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अगर आप लोन लेने वाले थे और काफी दिनों से इस काम में लगे थे तो आज के दिन आपको लोन मिल सकता है। ग़लत बातों को ग़लत वक़्त पर कहने से बचें। जिन्हें आप चाहते हैं, उनका दिल दुखाने से बचें। ख़ुद को अभिव्यक्त करने के लिए अच्छा समय है– और ऐसे प्रोजेक्ट पर काम कीजिए, जो रचनात्मक हों। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं। जीवनसाथी से अच्छी बातचीत हो सकती है; आप महसूस करेंगे कि आप–दोनों में कितना प्यार है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपको अपनी सेहत के प्रति ज़्यादा सावधानी बरतने की ज़रूरत है, ख़ास तौर पर रक्तचाप के मरीज़ों को। आपका कोई पुराना मित्र आज कारोबार में मुनाफा कमाने के लिए आपको सलाह दे सकता है, अगर इस सलाह पर आप अमल करते हैं तो आपको धन लाभ जरुर होगा। करिअर के लिए योजना बनाना उतना ही आवश्यक है, जितना कि खेलना–कूदना। इसलिए माता–पिता को ख़ुश करने के लिए दोनों में संतुलन बनाना ज़रूरी है । आपको अपने दायरे से बाहर निकलकर ऐसे लोगों से मिलने–जुलने की ज़रूरत है, जो ऊँची जगहों पर हों।

आज का पंचांग

दिनांक : 18 नवंबर 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : मार्गशीर्ष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : त्रयोदशी प्रातः 07:13 तक
नक्षत्र : स्वाति अहोरात्र
योग : आयुष्मान प्रातः 08:08 तक
करण : वणिज प्रातः 07:13 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 06:22 , सूर्यास्त 05:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:19 , सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:13 , सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:12 , सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : मासिक शिवरात्रि व्रत ,
भद्रा प्रातः 07:13 से रात्रि 08:28 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

उत्तर क्षेत्रीय परिषद् की 32वीं बैठक

हम सब मिलकर विकसित भारत 2047 के सपने को करेंगे साकार : भजनलाल

जयपुर, 17 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में राजस्थान में गत दो वर्षों में कानून व्यवस्था, स्वास्थ्य, शिक्षा, विद्युत, पेयजल, ढांचागत विकास तथा सहकारिता के सुदृढ़ीकरण सहित सभी बुनियादी सुविधाओं के लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर क्षेत्रीय परिषद् के माध्यम से हम सब मिलकर विकसित भारत 2047 के सपने को साकार कर सकेंगे। शर्मा सोमवार को फरीदाबाद में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित उत्तर क्षेत्रीय परिषद् की 32वीं बैठक में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार किसानों को कृषि कार्य के लिए दिन में बिजली देने के संकल्प के तहत 22 जिलों में दिन में बिजली दे रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सौर ऊर्जा उत्पादन की स्थापित क्षमता में देश में प्रथम स्थान पर है। राज्य में पीएम कुसुम योजना कंपोनेंट–ए एवं कंपोनेंट–सी में 2 हजार 215 मेगावाट क्षमता के विकेंद्रित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। साथ ही, आरडीएसएस के तहत 33 केवी के 151 सब स्टेशनों का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है तथा 11 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि समेकित प्रयासों से एटी एण्ड सी लॉस 2023–24 के 21.81 प्रतिशत से घटकर 2024–25 में 15.27 प्रतिशत रह गए है। शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार कानून व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राज्य में पुलिस मोबाइल यूनिटों की संख्या बढ़ाने से औसत प्रतिक्रिया समय 21 मिनट से घटकर अब लगभग 13 मिनट पर आ गया है। इसी प्रकार पॉक्सो एक्ट के प्रकरणों के निस्तारण में लगने वाला औसत समय घटकर 58 दिन व बलात्कार प्रकरणों के निस्तारण का औसत समय घटकर 48 दिन रह गया है। शर्मा ने पॉक्सो एक्ट के प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण हेतु 15 अतिरिक्त नए फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालय स्वीकृत करने का केन्द्र सरकार से आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अमृत योजना के तहत 1 लाख से अधिक आबादी के 28 शहरों के मास्टर प्लान जीआईएस पर तैयार किए जा चुके हैं। साथ ही, 50 हजार से 1 लाख की आबादी वाले 62 शहरों के लिए जीआईएस आधारित मास्टर प्लान तैयार किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य बीमा के तहत 88 प्रतिशत आबादी का कवरेज हो चुका है जो देश में सबसे अधिक है। मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना के तहत 3 से 6 वर्ष तक की आयु के बच्चों को सप्ताह में 5 दिन आंगनबाड़ी केंद्रों पर गर्म दूध पिलाया जा रहा है। इसी तरह प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत देय राशि में वृद्धि, मा वाउचर योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को हर माह निःशुल्क सोनोग्राफी, लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत 5 लाख 50 हजार बालिकाओं को लाभान्वित करने जैसी योजनाओं से महिलाओं का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा रहा है।

हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही : वी. श्रीनिवास

जयपुर, 17 नवंबर (एजेंसियां)। राज्य के नवनियुक्त मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सोमवार को शासन सचिवालय में पदभार ग्रहण किया। निवर्तमान मुख्य सचिव सुधांश पंत ने उन्हें मुख्य सचिव कार्यालय में कार्यभार सौंपा और शुभकामनाएं दीं। इससे पूर्व दोनों ने सचिवालय में मुख्य भवन के प्रवेश द्वार पर गणेश मंदिर में पूजा अर्चना की। इस अवसर पर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास का राजस्थान आईएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन ने स्वागत किया तथा पूर्व मुख्य सचिव सुधांश पंत को भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर मुख्य सचिव श्रीनिवास ने कहा कि उनका प्रशासनिक सेवा का कार्यकाल राजस्थान से ही प्रारम्भ हुआ था। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि वर्षों बाद उन्हें एक बार फिर अपनी कर्मभूमि में लौटकर सेवा का अवसर प्राप्त हो रहा है। श्रीनिवास ने कहा कि वे प्रदेश में सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करेंगे और मुख्य सचिव के रूप में उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारियों को पूरी मेहनत, ईमानदारी और निष्ठा के साथ निभाएंगे। मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विकसित राजस्थान 2047 के विजन को साकार करने के लिए सभी अधिकारी मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि राजस्थान ने हाल के वर्षों में तकनीक आधारित सुशासन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए हैं। डेटा एनालिटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग से शासन में पारदर्शिता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि किसान, श्रमिक, महिला और युवाओं को विकास में सहभागी बनाकर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2047 तक 4.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए किये जा रहे प्रयासों को और गति देंगे।

उन्होंने कहा कि 'मिनिमम गवर्नमेंट – मैक्सिमम गवर्नेंस' के विजन के साथ प्रदेश में जनकल्याणकारी योजनाओं की सफल क्रियान्विति सुनिश्चित की जाएगी। इसके साथ ही, प्रदेश में अधिकतम निवेश आकर्षित करने तथा राजस्थान को देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में शामिल करने के लिए सभी सार्थक प्रयास किए जाएंगे। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव तथा विभिन्न पदों पर कार्यरत भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी उपस्थित रहे। जिले में कार्यरत अधिकारियों ने वीसी के माध्यम से कार्यक्रम में भाग लिया।

राजस्थान में 98 लाख से अधिक की विदेशी मदिरा जब्त

उदयपुर, 17 नवंबर (एजेंसियां)। आबकारी आयुक्त शिवप्रसाद नकाते के निर्देशानुसार प्रदेश में अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोक लगाने के लिए 16 अक्टूबर से 16 नवम्बर तक जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत प्रभावी कार्यवाही करते हुए प्रदेश में 98 लाख 19 हजार 854 रूपए मूल्य की भारत निर्मित विदेशी मदिरा जब्त की गई। इसी क्रम में 10 लाख 64 हजार 117 रूपए की देशी मदिरा एवं 5 लाख 55 हजार 486 रूपए मूल्य की बीयर जब्त की गई। आबकारी आयुक्त शिवप्रसाद नकाते के अनुसार प्रदेश में जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर अंकुश लगाने के लिए प्रभावी कार्यवाही की गई है। प्रदेश में 16 अक्टूबर से जारी अभियान की अवधि में आबकारी निरोधक दलों द्वारा 4 लाख 3 हजार 243 लीटर वॉश नष्ट किया गया। इसी क्रम में देशी मदिरा की 5807 बोतल जब्त की गई जिसका मूल्य 10 लाख 64 हजार 117 रूपए है। भारत निर्मित विदेशी मदिरा की 16449 बोतल जब्त की जिसका मूल्य 98 लाख 19 हजार 854 रूपए है। बीयर की 5730 बोतल जब्त की जिसका मूल्य 5 लाख 55 हजार 486 रूपए है। हथकड़ शराब की 9236 बोतल जब्त की जिसका मूल्य 8 लाख 22 हजार 104 रूपए है। अभियान के दौरान 1 किलोग्राम भांग एवं 136 लीटर स्प्रिट भी जब्त किया गया।

दिया कुमारी ने महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों के लिए एआर/वीआर शो की रूपरेखा तैयार करने के दिये निर्देश

जयपुर, 17 नवंबर (एजेंसियां)। उप मुख्यमंत्री एवं पर्यटन, कला एवं संस्कृति मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में सोमवार को प्रमुख शासन सचिव पर्यटन राजेश यादव, पर्यटन आयुक्त रुक्मणि रियाड़ की उपस्थिति में शासन सचिवालय में पर्यटन विभाग एवं कला, साहित्य एवं संस्कृति विभाग से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों एवं योजनाओं तथा महत्वपूर्ण बिंदुओं की समीक्षा की गई। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पर्यटन और कला, साहित्य एवं संस्कृति विभाग से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों एवं योजनाओं की प्रगति में तेजी लाने के निर्देश दिए साथ ही समय बद्धता से लक्ष्यों को प्राप्त करने के निर्देश दिए। दिया कुमारी ने महाराणा प्रताप ट्यूरिस्ट सर्किट, शेखावाटी हवेलियों, ट्राईबल सर्किट, जवाहर कला केन्द्र, शिल्पग्राम जैसे विकास कार्यों पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने समीक्षा बैठक में पर्यटन विभाग के मार्केटिंग शाखा द्वारा एआर/वीआर शो की रूपरेखा के संबंध में चर्चा की। उन्होंने महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों के लिए एआर/वीआर शो की रूपरेखा तैयार करने के भी निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री ने उक्त समीक्षा बैठक में राजस्थान धरोहर प्राधिकरण द्वारा झुन्झुनू में बनवाये जाने वाले वार म्यजियम की चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। इसी प्रकार उप मुख्यमंत्री को ट्यूरिज्म ऐप हेतु जानकारी दी गई कि इस हेतु बोली की तैयारी प्रक्रियाधीन है। दिया कुमारी को पर्यटन विभाग की विकास शाखा/टीआरसी जयपुर की ओर से जेडीए को जयपुर में कॉन्सर्ट पर्यटन के विकास हेतु पूर्व में आरक्षित भूमि को आवंटित करने का अनुरोध करने की जानकारी दी गई।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी को समीक्षा बैठक में जानकारी दी गई कि होहो (होप आन होप ऑफ) के लिए जेसीटीएसएल द्वारा की जा रही कार्यवाही से अवगत कराया गया। इसके साथ ही यह भी बताया गया कि नगर निगम जयपुर द्वारा जयपुर वाल्ड सिटी वर्क तकनीकी बोलियाँ अनुमोदन हेतु प्रक्रियाधीन हैं। इसी प्रकार ए एण्ड एम द्वारा अल्बर्ट हाल वर्क हेतु प्राप्त ई–निविदाएँ समीक्षा प्रक्रिया में हैं। इसी प्रकार आमेर विकास एवं प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा किये जाने वाले आमेर मास्टरप्लान पर भी चर्चा की गई। इसी प्रकार पर्यटन विभाग की विकास शाखा द्वारा एमएचपी/पुष्कर प्रोजेक्ट पर चर्चा की गई।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले पदाधिकारियों को किया जाएगा सम्मानित : सुभाष तायल

रोहतक, 17 नवंबर (एजेंसियां)। अग्रवाल वैश्य समाज द्वारा संगठनात्मक सुदृढ़ता और उत्कृष्ट कार्यों से उल्लेखनीय योगदान देने वाले पदाधिकारियों को अपने 17वें स्थापना दिवस समारोह में सम्मानित किया जाएगा। ये जानकारी देते हुए समाज के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सुभाष तायल ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला की अनुशंशा से सम्मानित होने वाले पदाधिकारियों के क्रम में महिला विंग से रोहतक जिलाध्यक्ष बृजबाला गुप्ता व पलवल जिलाध्यक्ष रीना अग्रवाल को, मुख्य इकाई से भिवानी विधानसभा के निवर्तमान अध्यक्ष ललित मित्तल व अम्बाला विधानसभा अध्यक्ष आयुष गुप्ता तथा युवा विंग से सिरसा लोकसभा अध्यक्ष पार्षद निखिल बंसल तथा महेन्द्रगढ़ जिलाध्यक्ष चिराग अग्रवाल को सम्मानित करने का निर्णय लिया है।

उन्होंने बताया कि संगठन की गतिविधियों को मजबूत बनाने तथा समाज को संगठित रखने में इन पदाधिकारियों का योगदान अत्यंत सराहनीय और प्रेरणादायक रहा है। उनकी प्रतिबद्धता, कार्य कौशल और समर्पण भाव को देखते हुए समाज ने उन्हें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर मंच पर सम्मानित करने का निर्णय लिया है। सुभाष तायल ने बताया कि अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा अपने गौरवशाली इतिहास और सामाजिक एकता की पहचान को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष 17वां स्थापना दिवस समारोह भव्य रूप से मनाने जा रहा है। समारोह 30 नवम्बर 2025 (रविवार) को प्रात: 10:30 बजे होटल ग्रेस, अम्बाला रोड, कैथल (नजदीक विश्वकर्मा चौक) पर आयोजित किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला की अध्यक्षता एवं नेतृत्व में आयोजित होने वाले इस स्थापना दिवस समारोह में समाज के प्रदेशभर से पदाधिकारी, कार्यकर्ता और सम्मानित वैश्य बंधु बड़ी संख्या में भाग लेंगे।

शहरी स्वास्थ्य मिशन ला रहा है शहरी गरीबों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं में बदलाव : आरती सिंह राव

चंडीगढ़, 17 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि शहरी स्वास्थ्य मिशन द्वारा शुरू की गई 12 प्रकार की प्राथमिक स्वास्थ्य सेवायें शहरी क्षेत्र के गरीबों के जीवन में व्यापक बदलाव ला रही हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में अब 107 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (णझक्ळी) और 165 शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर (णची) कार्यरत हैं। सरकार का प्रयास है कि कोई भी व्यक्ति गरीबी या निवास परिवर्तन करने के कारण स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित न रहे। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने मिशन की प्रगति के बारे में कहा कि सभी शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर को आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के रूप में अपग्रेड किया गया है। अब इनमें शहरी गरीब मरीजों को 12 प्रकार की व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ दिया जा रहा है। इनमें मातृ और शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, परिवार नियोजन, संक्रामक और गैर–संक्रामक बीमारियों की रोकथाम और प्रबंधन, दंत चिकित्सा और नेत्र देखभाल, मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं, वृद्धों के लिए पलियेटिव देखभाल और आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं शामिल हैं।

ऑपरेशन ट्रैकडाउन में 11 दिन में 3000 से अधिक अपराधी गिरफ्तार

चंडीगढ़ , 17 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा को सुरक्षित बनाने और संगठित अपराधों के सिंडिकेट को ध्वस्त करने की अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराते हुए चलाए जा रहे विशेष राज्यव्यापी अभियान 'ऑपरेशन ट्रैकडाउन' ने एक अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। 5 नवंबर से शुरू हुआ यह सघन अभियान अपने 11वें दिन में पहुंच चुका है और प्रदेश में कानून का शिकंजा कसते हुए अपराधियों के मन में खौफ पैदा कर रहा है। इस ऑपरेशन के 11वें दिन विभिन्न अपराधों में शामिल 96 कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। इस ऐतिहासिक कार्रवाई के साथ, ऑपरेशन ट्रैकडाउन ने अब तक कुल 3172 अपराधियों को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। इन गिरफ्तारियों में संगीन और गंभीर अपराधों में शामिल 610 अभियुक्त शामिल हैं, जबकि अन्य मुकदमों में गिरफ्तार अपराधियों की कुल संख्या 2562 हो गई है। आईजी राकेश आर्य ने बताया कि 15 नवंबर को हत्या के 7 मामलों में 8 गिरफ्तारियां, हत्या के प्रयास के 23 मामलों में 29 गिरफ्तारियां और आर्म्स एक्ट (अवैध हथियार) के 22 मामलों में 27 अपराधियों को काबू किया गया, जिससे कुल 54 गंभीर मामलों में 67 अपराधी जेल भेजे गए। अपराधियों पर नकेल कसने के लिए 15 नवंबर को 19 अभियुक्तों की हिस्ट्री शीट खोली गई है, और अब तक कुल 150 अपराधियों की हिस्ट्री शीट खोली जा चुकी है। यह आंकड़ा हरियाणा पुलिस के अपराध उन्मूलन के प्रति समर्पण को स्पष्ट रूप से दर्शाता है और यह ऑपरेशन सही मायने में हरियाणा को अपराध मुक्त राज्य बनाने की दिशा में अद्भुत परिणाम दे रहा है।

हरियाणा पुलिस महानिदेशक के निर्देशों पर राज्य भर में संगठित अपराधों पर नकेल कसने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन ट्रैकडाउन' के तहत करनाल पुलिस को आज दो महत्वपूर्ण सफलताएं मिलीं। करनाल पुलिस ने अपनी मुस्तैदी और सक्रियता दिखाते हुए छीना–झपटी और फायरिंग जैसी गंभीर वारदातों को अंजाम देने वाले कुल चार वांछित और कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार कर जिले में कानून का राज और मजबूत किया।

इस कड़ी में, पहली कार्रवाई लूटपाट और छीना–झपटी के एक मामले से जुड़ी है। दिनांक 13 नवंबर को नहर की पटरी पर गांव कलरी नन्हेड़ा की ओर जा रहे शिकायतकर्ता कमलजीत के साथ आरोपी और उसके साथियों ने लूटपाट की घटना को अंजाम दिया था, जिसके संबंध में थाना इंद्री में मुकदमा नंबर 650 दर्ज किया गया था। इस मामले में कार्रवाई करते हुए, पुलिस टीम ने आरोपी योगेश पुत्र दान सिंह निवासी नौरथा, इंद्री, करनाल को सफलतापूर्वक काबू कर लिया।

बताया गया कि गिरफ्तार आरोपी योगेश बेहद शातिर किस्म का अपराधी है और उसके खिलाफ सिर्फ यह लूट का मामला ही नहीं, बल्कि विभिन्न संगीन धाराओं के तहत आठ अन्य मामले पहले से ही इंद्री पुलिस स्टेशन में दर्ज हैं, जिनमें चोरी और आर्म्स एक्ट से जुड़े मामले शामिल हैं। गहन पूछताछ के बाद, आरोपी योगेश को अदालत के सामने पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जिला जेल भेज दिया गया। दूसरी बड़ी सफलता करनाल पुलिस को सीएनजी पेट्रोल पंप पर फायरिंग के मामले में मिली। पुलिस अधीक्षक करनाल के मार्गदर्शन और 'ऑपरेशन ट्रैकडाउन' के तहत निरंतर निगरानी के परिणामस्वरूप, थाना घरौंडा की टीम ने विश्वसनीय सूचना के आधार पर तीन वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया।

वरिष्ठ आईटी कार्यकारी को 'डिजिटल गिरफ्तारी' घोटाले में 31 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हाल के महीनों में दर्ज किए गए सबसे बड़े साइबर धोखाधड़ी मामलों में से एक में, बेंगलूरु की एक आईटी कंपनी की 57 वर्षीय वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी से कथित तौर पर एक साल के दौरान 31.83 करोड़ की ठगी की गई। यह ठगी एक गिरोह द्वारा की गई, जिसने खुद को एक कूरियर कंपनी, साइबर अपराध विभाग, सीबीआई और आरबीआई का अधिकारी बताकर एक सुनियोजित डिजिटल गिरफ्तारी घोटाले में अंजाम दिया। शिकायत के अनुसार, पीड़िता को 15 सितंबर, 2024 को एक व्यक्ति का फोन आया, जिसने खुद को एक जानी मानी कूरियर कंपनी से होने का दावा किया। उसने दावा किया कि कंपनी की मुंबई स्थित अंधेरी शाखा में उसके नाम से बुक किए गए एक पार्सल में क्रेडिट कार्ड, पासपोर्ट और एमडीएमए (एक मादक पदार्थ) सहित प्रतिबंधित वस्तुएं थीं। जब

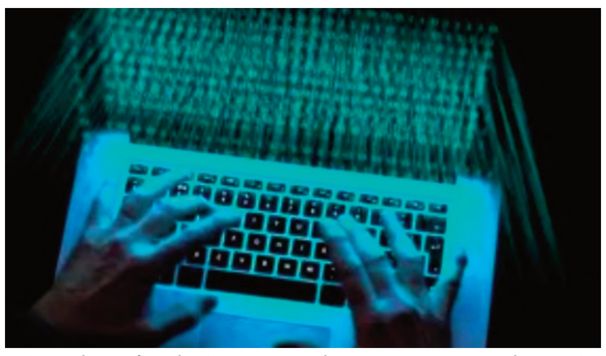

पीड़िता ने पार्सल से किसी भी तरह का संबंध होने से इनकार किया, तो उसे बताया गया कि उसकी पहचान का दुरुपयोग किया गया है और मामला साइबर अपराध विभाग को सौंप दिया जाएगा।

फिर कॉल सीबीआई के अधिकारी बनकर लोगों को डायवर्ट कर दी गई, जिन्होंने उसे गिरफ्तार करने की धमकी दी और दावा किया कि सभी सबूत उसकी संलिप्तता की ओर इशारा करते हैं। उन्होंने उसे स्थानीय पुलिस से संपर्क करने या किसी को भी इस मामले का खुलासा न करने की चेतावनी दी, यह कहते हुए कि उसके परिवार की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है क्योंकि 'अपराधी उस पर नजर रख रहे हैं'। नतीजों के डर से, खासकर अपने बेटे की शादी के करीब आने पर, अधिकारी ने उनकी बात मान ली। उसे स्काइप एक वीडियो मैसेजिंग टूल इंस्टॉल करने और वीडियो के जरिए जुड़े रहने का निर्देश दिया गया, जबकि स्कैमर्स उसे कई दिनों तक 'डिजिटल हाउस अरेस्ट' में रखते थे। खुद को 'सीबीआई अधिकारी' मोहित हांडा और प्रदीप सिंह बताते हुए, इन जालसाजों ने उसे 'आरबीआई की वित्तीय खुफिया इकाई (एफआईयू)' से उसकी संपत्ति का 'सत्यापन' करके अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए मजबूर किया। शिकायतकर्ता को जाली दस्तावेज दिखाए गए और बताया गया कि गिरोह ने उसकी आयकर फाइलिंग तक पहुंच बना ली है, जिससे इस चाल को और बल मिला। उसे अपनी 90 प्रतिशत संपत्ति कुछ खास खातों में स्थानांतरित करने के लिए कहा गया। 24 सितंबर से 22 अक्टूबर, 2024 के बीच, पीड़िता को साइबर अपराध विभाग के नितिन पटेल द्वारा कथित तौर पर हस्ताक्षरित फर्जी पत्र मिलने के बाद उसने विवरण जमा किए और पैसे ट्रांसफर किए। नए दिशानिर्देशों, जमानत और कर आवश्यकताओं का हवाला देते हुए, घोटालेबाजों ने और पैसे की मांग जारी रखी। 24 अक्टूबर से 3 नवंबर तक, पीड़िता ने जमानत के रूप में 2 करोड़ और 18 नवंबर तक 'कर' के रूप में 2.4 करोड़ ट्रांसफर किए। 1 दिसंबर, 2024 को, शिकायतकर्ता को एक जाली 'मंजूरी पत्र' मिला। यह मानकर कि अब सारी मुश्किलें खत्म हो गई हैं, उसने अपने बेटे की सगाई कर ली। हालांकि, धोखेबाज स्काइप पर उसकी निगरानी करते रहे और उसे बार-बार यह वादा किया गया कि 'प्रक्रियात्मक मंजूरी' के बाद उसका पैसा वापस कर दिया जाएगा। गिरोह ने आखिरी बार 26 मार्च, 2025 को उससे संपर्क किया था, जिसके बाद अचानक बातचीत बंद हो गई। लंबे समय तक धमकी के कारण हुई गंभीर शारीरिक और मानसिक परेशानी से उबरने और अपने बेटे की शादी के बाद ही उसने पुलिस से संपर्क किया। कुल मिलाकर, शिकायतकर्ता ने अपने बैंक खाते से 31.83 करोड़ के 187 लेन देन किए। पुलिस अब वित्तीय लेन-देन के आधार पर आरोपी का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

बेतिया-बगहा हाईवे पर भीषण हादसा, तीन लोगों की मौत

बेतिया/एजेंसियां।

बेतिया बगहा नेशनल हाईवे पर रविवार देर रात भीषण हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई और 15 लोगों की हालत गंभीर है। घटना शिकारपुर थाना क्षेत्र के बिशुनूर्वा गांव के पास की है। बताया जा रहा है कि रात तेज रफ्तार कार ने सड़क पार कर रहे बारातियों के समूह को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर ही तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और सभी गंभीर रूप से जख्मी लोगों को लौरिया सीएचसी में भर्ती कराया। कई घायलों की हालत नाजुक बताई जा रही है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर करने की प्रक्रिया जारी है। लौरिया सीएचसी पहुंचने पर स्थिति एक बार फिर तनावपूर्ण हो गई। घायलों के परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर इलाज में लापरवाही का आरो-

प लगाते हुए जमकर हंगामा किया। आरोप है कि इलाज में देरी और अव्यवस्था के कारण बारातियों में आक्रोश फैल गया। हंगामे के दौरान कुछ डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी डर के कारण कमरों में छिप गए, जबकि मारपीट की घटनाएं भी सामने आईं। इससे अस्पताल परिसर में लंबे समय तक अफरातफरी का माहौल बना रहा। जानकारी के अनुसार, शिकारपुर थाना के धूमनगर मटियरिया से बारात बिशुनूर्वा गांव पहुँची थी। रात करीब 9:30 बजे बारात के कई सदस्य नाश्ता कर सड़क पार कर रहे थे, तभी बगहा की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने उन्हें रौंद दिया। हादसे में मरने वालों में दिनेश कुशवाहा सहित दो अन्य लोगों के नाम सामने आए हैं, जबकि बाकी मृतकों की पहचान की जा रही है। घटना के बाद हाईवे पर कुछ समय के लिए जाम लग गया। हादसे के बाद कार चालक फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है। वहीं बारातियों के आक्रोश के सामने पुलिस भी कुछ देर तक बेबस और मूकदर्शक बनी रही। लोगों का कहना है कि पुलिस आरोपी कार चालक को जल्द से जल्द गिरफ्तार करे।

सरकारी योजना के तहत टैक्सी दिलाने का वादा कर 1.15 लाख रुपये की ठगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सेंट्रल डिविजन साइबर क्राइम पुलिस एक ऐसे व्यक्ति की तलाश में है जिसने खुद को बीबीएमपी राजस्व अधिकारी बताकर कर्नाटक सरकार की एक योजना के तहत टैक्सी दिलाने का वादा करके एक व्यक्ति से कथित तौर पर 1.15 लाख ठग लिए। बेंगलूरु के शेषाद्रिपुरम निवासी संदीप कमलनाथ द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर, पुलिस ने धोखाधड़ी और आईटी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। शिकायतकर्ता के अनुसार, आरोपी ने 18 अक्टूबर को उससे फोन पर संपर्क किया और खुद को 'बीबीएमपी के कल्याण विभाग का राजस्व अधिकारी पुनीत गौड़ा' बताया। उसने बताया कि सरकार सारथी

योजना के तहत बेरोजगार व्यक्तियों के लिए टैक्सी स्वीकृत कर रही है और ऐसी ही एक टैक्सी स्वीकृत भी हुई थी, लेकिन लाभार्थी द्वारा आवश्यक राशि का भुगतान न करने के कारण उसे वितरित नहीं किया जा सका। उसने पूछा कि क्या संदीप राशि का भुगतान करने के बाद टैक्सी खरीदने में रुचि रखेगा। संदीप तुरंत मान गया। उसने पुनीत गौड़ा द्वारा बताए गए खाता संख्या में पंजीकरण शुल्क के रूप में 25,000 ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए। आरोपी ने संदीप से कुछ दस्तावेज मांगे ताकि उसे यकीन हो जाए कि रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसी बीच, उसने संदीप को बीमा, ट्रांसफर और अन्य शुल्क चुकाने के लिए मैसेज किया। क्यूआर कोड स्कैन करके ऑनलाइन पैसे ट्रांसफर करने के बाद, आरोपी ने अपना फोन बंद कर दिया। बार-बार संपर्क करने की कोशिशों के बाद, संदीप ने पुलिस से संपर्क किया।

नए साल पर मुजफ्फरपुर को मिलेगी मरीन ड्राइव लेक फ्रंट की सौगात

मुजफ्फरपुर/एजेंसियां।

स्मार्ट सिटी की बहुचर्चित सिकंदरपुर लेक फ्रंट परियोजना अब लगभग तैयार है और नए साल पर आम जनता के लिए खोल दी जाएगी। दो माह की डेडलाइन पार होने के बाद अब इसे 31 दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत विकसित यह लेक फ्रंट केवल एक झील नहीं, बल्कि आधुनिक मुजफ्फरपुर की नई पहचान बनकर उभर रहा है, जिसे देखने के लिए लोग लगातार पहुंच रहे हैं। 213.25 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रहा सिकंदरपुर लेक फ्रंट स्मार्ट सिटी मिशन की सबसे बड़ी और

महत्वाकांक्षी परियोजना है। इसका अंतिम चरण तेजी से पूरा किया जा रहा है। यह स्थल अब उत्तर बिहार का सबसे आकर्षक पर्यटन केंद्र बनने की ओर है, जहां सुबह की धूप सेकने से लेकर शाम की सुकून भरी सैर तक, परिवारों के लिए यह जगह एक नया पसंदीदा ठिकाना बन रही है। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत झील के चारों ओर बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया गया है। स्वच्छ हवा और पक्षियों की आवाजाही इस जगह को और भी खुशगवार बना रही है। पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के लिए कई आधुनिक तकनीकों का भी उपयोग किया गया है। एक जनवरी को इसे नए साल के तोहफे के रूप में जनता को समर्पित किया जाएगा। स्मार्ट सिटी के अधिकारी एवं नगर आयुक्त विक्रम विरकर ने बताया कि भविष्य में यहां बड़े पैमाने पर सांस्कृतिक और पर्यटन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उनका कहना है कि यह परियोजना केवल मुजफ्फरपुर ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर बिहार का प्रमुख आकर्षण केंद्र बनने जा रही है।

नवजात शिशु का शव मुंह में दबाकर घूमता दिखा कुत्ता

मुजफ्फरपुर/एजेंसियां।

जिले के अहियापुर थाना क्षेत्र के एनएच 77 सीतामढ़ी रोड पर रविवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। सड़क किनारे एक कुत्ता नवजात शिशु के शव को अपने मुंह में दबाकर घूमता हुआ दिखाई दिया। यह दृश्य देखते ही आसपास के ग्रामीणों में हड़कंप मच गया और मौके पर भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, कुत्ता नवजात को मेडिकल कॉलेज की तरफ से लेकर आया था। इसी दौरान उसने शव को नोचा और फिर सड़क किनारे छोड़ दिया। घटना की जानकारी तुरंत स्थानीय पुलिस को

दी गई। सूचना मिलते ही अहियापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। ग्रामीणों ने बताया कि साहबाजपुर इलाके में एनएच 77 के किनारे नवजात का शव पड़ा हुआ था। कुत्ते द्वारा शव को कई जगह घसीटा और नोचा गया था। जैसे ही ग्रामीणों की नजर कुत्ते पर पड़ी, वह नवजात के शव को छोड़कर वहां से भाग गया। घटना की खबर आसपास के इलाके में तेजी से फैल गई और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर पहुंच गए। इसी बीच आसपास लगे घरों और दुकानों के सीसीटीवी फुटेज की जांच में यह दृश्य भी कैद मिला, जिसमें आवारा कुत्ता नवजात के शव को मुंह में दबाकर घूमता हुआ दिख रहा है और बाद में उसे सड़क किनारे छोड़ देता है। पुलिस ने नवजात के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच (मेडिकल कॉलेज) भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि यह मामला अत्यंत गंभीर है और यह पता लगाया जा रहा है कि नवजात को किसने और कब सड़क किनारे फेंका। पूरे मामले की गहन जांच जारी है।

अपराधियों ने एक युवक की सीने में तीन गोलियां दागकर हत्या कर दी

रोहतास/एजेंसियां।

बिहार में विधानसभा चुनाव समाप्त होते ही अपराधियों ने फिर से सिर उठाना शुरू कर दिया है। रोहतास जिले के दिनारा थाना क्षेत्र में रविवार रात अपराधियों ने एक युवक की सीने में तीन गोलियां दागकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान दिनारा निवासी कलेक्टर यादव के पुत्र सुधीर यादव (उम्र लगभग 20 वर्ष) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, रविवार देर रात कुंड पुल के समीप बदमाशों ने सुधीर यादव को तीन गोलियां मार दीं। सोमवार सुबह गोपालपुर गांव के लोग टहलने

निकले तो पुल के पास युवक का शव देखकर स्तब्ध रह गए। ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद इलाके में सनसनी फैल गई और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जमा हो गए। पुलिस ने मौके से मृतक की बाइक और तीन खोखे बरामद किए हैं। हालांकि परिजनों ने अभी तक किसी विवाद या रंजिश की बात नहीं कही है, जिसके कारण हत्या का मकसद स्पष्ट नहीं हो पाया है। बताया जा रहा है कि मृतक स्नातक का छात्र था और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। घटना की सूचना मिलते ही दिनारा थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, सासाराम भेज दिया। साथ ही डीएसपी बिक्रमगंज संकेत कुमार और दिनारा थानाध्यक्ष विनय कुमार भी मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गए। थानाध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि हत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है। घटनास्थल से तीन खोखे और मृतक की बाइक बरामद कर ली गई है। पुलिस पूरे मामले की विभिन्न बिंदुओं पर जांच कर रही है।

बेखौफ रफ्तार ने छीनी दो चचेरे भाइयों की जिंदगी

भोजपुर/एजेंसियां।

जिले के उदवंतनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत तेतरिया मोड़ के समीप रविवार की शाम एक दिल दहला देने वाली सड़क दुर्घटना में दो युवाओं की मौत हो गई। दोनों मृतक आपस में चचेरे भाई थे। मृतकों में उदवंतनगर गांव निवासी सुदामा प्रसाद के 17 वर्षीय पुत्र हर्ष कुमार और कृष्णा प्रसाद के 18 वर्षीय पुत्र साहिल कुमार है। घटना शाम करीब साढ़े पांच बजे की बताई जा रही है। घटना को लेकर मृतक साहिल कुमार के पिता कृष्णा प्रसाद ने बताया कि गांव में अपना किराना दुकान है।

इसी क्रम में दुकान के लिए सामान खरीदने बाइक से दोनों आरा जा रहे थे। रास्ते में तेतरिया मोड़ के नजदीक एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आ गए। जिससे हर्ष कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं साहिल गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसके बाद गंभीर रूप से घायल साहिल को स्थानीय लोगों की मदद से उदवंतनगर अस्पताल ले जाया गया। जहां उपचार के दौरान उसकी भी मौत हो गई। दूसरी तरफ हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। एक ही परिवार के दो बेटों की आकस्मिक मौत से गांव में कोहराम मचा है। वहीं घटना की सूचना मिलने के बाद उदवंतनगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंचकर दोनों शवों का पोस्टमार्टम आरा सदर अस्पताल में कराया।

हाईटेंशन तार की चपेट में आने से कंटेनर धूं-धूंकर जला

पटना/एजेंसियां।

बिहार के आरा-छपरा फोरलेन पर भोजपुर जिले के कोईलवर थाना क्षेत्र अंतर्गत जमालपुर बाजार के समीप रविवार को बड़ा हादसा हो गया। घटना को लेकर मिली जानकारी के मुताबिक एक चलती कंटेनर अचानक सड़क के ऊपर से गुजर रहे हाईटेंशन विद्युत प्रवाहित तार की चपेट में आ गई। तार के संपर्क में आते ही कंटेनर के पिछले हिस्से में आग पकड़ ली, जिससे वहां चारों ओर अफरा तफरी का माहौल बन गया। हादसे के दौरान कंटेनर के ऊपर बैठा चालक करंट की चपेट में आ गया, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। आनन-फानन में उसे कोईलवर पीएचसी लाया गया, जहां पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद कोईलवर थानाध्यक्ष नरोत्तम चंद्र पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। बाद में फायर ब्रिगेड की सहायता से कंटेनर में लगी आग पर काबू पाया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है।

वैशाली में किशोरी का शव मिलने से सनसनी

वैशाली/एजेंसियां।

वैशाली के हाजीपुर के काजीपुर थाना क्षेत्र स्थित एराजी सहवाजपुर गांव में शनिवार को एक किशोरी का शव घर के पीछे खेत में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई।

घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। मृतका की पहचान गांव निवासी संजीत पासवान की 13 वर्षीय पुत्री नीतू कुमारी के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही परिजन भी मौके पर पहुंचे और पड़ोसियों पर पूर्व विवाद के चलते नीतू की हत्या करने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि शनिवार सुबह गांव की एक महिला ने अपनी बेटी और नीतू को लेकर विवाद किया था। आरोप है कि इसी विवाद के दौरान महिला के पति ने नीतू को गोली मारने की धमकी दी थी।

दोपहर करीब 11 बजे नीतू घर से सामान लाने चौक गई थी, लेकिन एक घंटे बाद उसका शव घर के पीछे खेत में पड़ा मिला। उसके गले पर फंदे का निशान पाया गया। सूचना मिलते ही काजीपुर थानाध्यक्ष कुंदन कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। फिलहाल परिजनों की ओर से लिखित आवेदन नहीं मिला है। आवेदन मिलते ही आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। सदर एसडीपीओ सुबोध कुमार ने बताया कि परिजन स्थानीय युवक पर हत्या कर शव को खेत में फेंकने का आरोप लगा रहे हैं। हालांकि अब तक की पुलिस जांच में मामला आत्महत्या के दुष्प्रेरण की ओर इशारा करता है। पुलिस आरोपित की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com